रांची का तापमान
कांके: अधिक. 24.5° न्यून. 10.7°
रांची: अधिक. 24.6° न्यून. 10.0°
रांची, सोमवार
09 फरवरी 2026
वर्ष-27, अंक-10, पृष्ठ-12
मूल्य 2 रु.
फाल्गुन कृष्ण पक्ष 08, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com
ईश्वर में हमारा विश्वास
राष्ट्रीय नवीन मेल
सत्यमेव जयते
हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 12

एक नजर

झारखंड में कल से छा सकते हैं आंशिक बादल

रांची। राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में मंगलवार (10 फरवरी) से आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। इसके प्रभाव से राज्य में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। यह जानकारी मौसम विभाग ने रविवार को दी। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल राज्यभर में पछुआ हवाएं (उत्तर-पश्चिम दिशा से) चल रही हैं, जिसके कारण तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। वहीं, सोमवार से हिमालयी क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है। इसका असर आने वाले दिनों में झारखंड के मौसम पर पड़ सकता है।

बनारस धर्म और विद्या की भूमि है : हरिवंश

नई दिल्ली। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि बनारस केवल एक शहर नहीं, बल्कि धर्म, विद्या, कला और सह-अस्तित्व की भूमि है। हरिवंश ने यह बात नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'काशीस्थ' के लोकार्पण पर कही। पुस्तक में काशी पर एकाग्र 13 प्रसिद्ध साहित्यकारों के 17 लेख शामिल हैं। पुस्तक का सम्पादन व्योमेश शुक्ल ने किया है।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं। संपर्क/व्हाट्सएप **82925 53444** विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क **+91 82923 73444** कार्यकारी संपादक।

एफआईसीसीआई और ईवाई की 'रिस्क सर्वे' रिपोर्ट जारी

51 फीसदी भारतीय कंपनियों के लिए साइबर अटैक बड़ा खतरा

● अब कंपनियों के लिए रिस्क मैनेजमेंट बहुत ही जरूरी

नई दिल्ली (आईएएनएस)

करीब 51 प्रतिशत भारतीय कंपनियां मानती हैं कि साइबर सुरक्षा में सेंध (साइबर अटैक) उनकी कंपनी के प्रदर्शन के लिए सबसे बड़ा खतरा है। रविवार को जारी एफआईसीसीआई और ईवाई की 'रिस्क सर्वे' रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, 49 प्रतिशत कंपनियों ने कहा कि ग्राहकों की बदलती जरूरतें और उम्मीदें बड़ा जोखिम हैं, जबकि 48 प्रतिशत कंपनियों ने वैश्विक राजनीतिक घटनाओं (जैसे युद्ध या अंतरराष्ट्रीय तनाव) को बड़ा खतरा बताया। यह रिपोर्ट अलग-अलग सेक्टर के वरिष्ठ अधिकारियों की राय पर आधारित है। इसमें मूल्य निर्धारण, सप्लाई चेन, कर्मचारियों की रणनीति और तकनीकी निवेश को प्रभावित करने वाले कारकों पर प्रकाश डाला गया है। इससे पता चलता है कि अब कंपनियों के लिए रिस्क मैनेजमेंट बहुत जरूरी हो गया है। एफआईसीसीआई के कॉरपोरेट सिक्योरिटी और आपदा जोखिम कमेटी के चेयरमैन राजीव शर्मा ने कहा कि आज के अनिश्चित कारोबारी माहौल में जोखिम को पहले समझना, झेलना और उसके अनुसार खुद को बदलना लंबे समय तक आगे बढ़ने के लिए जरूरी है। अब कंपनियां जोखिम को कभी-कभार की समस्या नहीं मान रहीं, बल्कि इसे अपनी रणनीति और भविष्य की योजनाओं में शामिल कर रही हैं। सर्वे में 61 प्रतिशत लोगों ने कहा कि तेज तकनीकी बदलाव और डिजिटल बदलाव उनकी प्रतिस्पर्धा को प्रभावित कर रहे हैं, जबकि इतने ही यानी 61 प्रतिशत लोगों का मानना है कि साइबर हमले और डाटा चोरी से कंपनियों को आर्थिक नुकसान और बदनामी दोनों हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, 57 प्रतिशत कंपनियों को डाटा चोरी और कंपनी के अंदर से होने वाली धोखाधड़ी का डर है। 47 प्रतिशत कंपनियों ने माना कि बढ़ते और जटिल होते साइबर खतरों से निपटना उनके लिए मुश्किल हो रहा है।

ईवाई इंडिया के रिस्क कंसल्टिंग लीडर सुधाकर राजेंद्रन ने कहा कि आज कंपनियां ऐसे दौर से गुजर रही हैं, जहां कई तरह के जोखिम एक साथ सामने आ रहे हैं, न कि अलग-अलग। उन्होंने बताया कि महंगाई, साइबर खतरे, एआई के नियम, जलवायु से जुड़ा जोखिम और सरकारी नियम- ये सभी मिलकर कंपनियों की मजबूती और प्रदर्शन को प्रभावित कर रहे हैं। इसलिए अब कंपनी के बोर्ड को ज्यादा सतर्क रहने, बेहतर जानकारी पर ध्यान देने और जोखिम से निपटने की रणनीति को मुख्य योजना में शामिल करने की जरूरत है।

एआई को लेकर भी हैं दो तरह के खतरे

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर भी दो तरह के खतरे सामने आ रहे हैं। सर्वे में 60 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अगर एआई जैसी नई तकनीकों को ठीक से नहीं अपनाया गया, तो कामकाज पर खराब असर पड़ेगा। वहीं, 54 प्रतिशत लोगों का मानना है कि एआई से जुड़े नैतिक और नियमों से जुड़े जोखिमों को सही तरीके से संभाला नहीं जा रहा है।

'सामाजिक समरसता में महिलाओं की भूमिका' पर एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित

महिला सशक्तिकरण से ही सशक्त राष्ट्र संभव : ममता

राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ने कहा, महिलाओं के ज्ञानवर्धन के लिए पुस्तकालय की जरूरत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर भवन में रविवार को 'सामाजिक समरसता में महिलाओं की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक बदलाव में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान ने कहा कि महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक प्रगति के बिना समग्र विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। मुख्य अतिथि ममता कुमारी ने कहा कि महिलाएं समाज की आधारशिला हैं और उनके सशक्तिकरण से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने महिलाओं के ज्ञानवर्धन के लिए पुस्तकालय स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए प्रशासन से इस दिशा में पहल करने की बात कही। महिला आयोग सदस्य ममता कुमारी ने कहा कि देश की राष्ट्रपति झारखंड की राज्यपाल रह चुकी हैं। उनके संघर्ष से प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यशाला के दौरान महिला पर्यवेक्षिकाओं एवं अन्य वक्ताओं ने महिलाओं की भागीदारी, लैंगिक समानता और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी सेविकाएं, जल सहिया, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक श्याम लाल उरांव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

नए इनकम टैक्स नियमों व फॉर्म्स पर केंद्र सरकार ने मांगे सुझाव

1 अप्रैल 2026 से लागू होगा इनकम टैक्स एक्ट 2025

नई दिल्ली (आईएएनएस)

केंद्र सरकार ने आयकर अधिनियम 2025 के तहत बनने वाले नए नियमों और फॉर्म्स पर लोगों से सुझाव मांगे हैं। ये नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे। वित्त मंत्रालय ने रविवार को जानकारी दी कि इनकम टैक्स नियमों और फॉर्म्स को अंतिम रूप देने से पहले ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए इनके प्रस्तावित ड्राफ्ट को आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।

सीबीडीटी (केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड) ने कहा कि इनकम टैक्स नियम और फॉर्म्स को इनकम टैक्स एक्ट 2025 के प्रावधानों के अनुसार तैयार किया गया है, जिसमें पहले से कई स्तर पर सलाह-मशविरा किया गया है। सभी संबंधित लोगों से अपील की गई है कि वे इन नियमों और फॉर्म्स को ध्यान से पढ़ें और अपने सुझाव दें, जिन्हें अंतिम नोटिफिकेशन से पहले देखा जाएगा। सीबीडीटी ने बताया कि सुझाव चार मुख्य बिंदुओं पर मांगे गए हैं। इनमें भाषा को सरल बनाना, कानूनी विवादों को कम करना, टैक्स से जुड़ी प्रक्रिया को आसान बनाना और पुराने या बेकार नियमों और फॉर्म्स की पहचान करना शामिल हैं।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, सुझाव देने के लिए लोगों को अपना नाम और मोबाइल नंबर डालना होगा, जिसके बाद ओटीपी के जरिए जांच की जाएगी। सुझाव देते समय यह साफ-साफ बताना होगा कि वह किस नियम, उप-नियम या फॉर्म नंबर से जुड़ा है और वह ऊपर बताए गए चार बिंदुओं में से किस श्रेणी में आता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट के दिन बताया था कि इनकम टैक्स एक्ट 2025, 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। उन्होंने कहा कि नए इनकम टैक्स फॉर्म्स को इस तरह से तैयार किया गया है कि आम लोग बिना किसी परेशानी के टैक्स नियमों का पालन कर सकें। नए प्रावधानों में बीमा क्लेम पर मिलने वाले ब्याज पर छूट, छोटे टैक्सपेयर्स के लिए शून्य कटौती प्रमाण पत्र और बिना ऑडिट वाले मामलों में आईटीआर भरने की आखिरी तारीख को बढ़ाकर 31 अगस्त करना शामिल है।

वित्त मंत्री ने बताया था कि जुलाई 2024 में उन्होंने इनकम टैक्स एक्ट 1961 की पूरी समीक्षा की घोषणा की थी, जिसे रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया। अब नया इनकम टैक्स एक्ट 2025, 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा और इसके फॉर्म्स आम लोगों की सहूलियत को ध्यान में रखकर दोबारा डिजाइन किए गए हैं।

4 बिंदुओं पर मांगे गए हैं सुझाव

1. भाषा को सरल बनाना
2. कानूनी विवादों को कम करना
3. टैक्स से जुड़ी प्रक्रिया को आसान बनाना
4. पुराने या बेकार नियमों और फॉर्म्स की पहचान करना

यूआईडीएआई ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

1 करोड़ से ज्यादा स्कूली बच्चों का पूरा हुआ अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट

● 8 क्षेत्रीय कार्यालयों ने शिक्षा विभाग, जिला प्रशासन स्कूल प्रबंधन के साथ मिलकर पूरा किया अभियान

नई दिल्ली (आईएएनएस)

आईटी मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी एक बयान के अनुसार, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने अपने चल रहे मिशन-मोड अभियान के तहत एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यूआईडीएआई ने देश भर के 83,000 स्कूलों में पढ़ने वाले 1 करोड़ से ज्यादा स्कूली बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) पूरे कर लिए हैं। यूआईडीएआई ने यह विशेष एमबीयू अभियान सितंबर 2025 में शुरू किया था। यह अभियान यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस (यूडीआईएसई+) ऐप से तकनीकी जुड़ाव के बाद संभव हो पाया। शेष पेज 11 पर

बारात से लौटते वक्त दर्दनाक हादसा, 1 की मौत, 4 घायल

नवीन मेल संवददाता

इटखोरी (चतरा)। चतरा जिले में रविवार की सुबह एक परिवार की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब बारात से लौट रही एक कार इटखोरी थाना क्षेत्र अंतर्गत इटखोरी-पितिज मार्ग पर भुरकुंडा के पास अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई।

इस दर्दनाक हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार सिरमतपुर गांव से एक बारात प्रतापपुर गई थी। रातभर विवाह की रस्में पूरी होने के बाद रविवार तड़के करीब पांच बजे बाराती कार से वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान इटखोरी-पितिज मार्ग पर चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और कार सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सामने का शीशा चकनाचूर हो गया। हादसे के समय कार में कुल आठ लोग सवार थे। इनमें मनोज राम (40 वर्ष) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। शेष पेज 11 पर

इटखोरी-पितिज मार्ग पर अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई

सीमेंट लदा हाइवा बिजली खंभे से टकराया

गांगपुर गांव के समीप हुई दुर्घटना, चालक व उपचालक सुरक्षित

गिद्धौर (चतरा)। गिद्धौर थाना क्षेत्र के गांगपुर गांव के समीप रविवार सुबह करीब 6:30 बजे सीमेंट लदा एक हाइवा वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार हाइवा हजारीबाग से कान्हाचट्टी की ओर सीमेंट खाली करने जा रहा था। इसी दौरान चालक को अचानक झपकी आ गई, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराया। टक्कर इतनी तेज थी कि हाइवा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं बिजली का खंभा भी टूटकर गिर गया। शेष पेज 11 पर

शानदार शुरुआत | सीनियर वीमेंस वनडे ट्रॉफी में शशि ने की शानदार बल्लेबाजी

झारखंड ने जम्मू-कश्मीर को पांच विकेट से पराजित किया

● आनंदिता किशोर की बेहतरीन गेंदबाजी ने रखी झारखंड की जीत नींव

नवीन मेल न्यूज नेटवर्क

रांची। सीनियर वीमेंस वनडे ट्रॉफी में झारखंड की महिला टीम ने शानदार शुरुआत की। असम की राजधानी गुवाहाटी स्थित एसीए क्रिकेट एकेडमी ग्राउंड में खेले खेले गए मुकाबले में झारखंड महिला टीम ने कप्तान शशि माथुर की शानदार पारी और प्रियंका लूथरा के धैर्यपूर्ण अर्धशतक की सहायता से रविवार को टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। झारखंड ने रोमांचक मुकाबले में जम्मू-कश्मीर को 5 विकेट से पराजित कर दिया। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए जम्मू-कश्मीर की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 181 रन बनाए। झारखंड की आनंदिता किशोर की गेंदबाजी के सामने जम्मू-कश्मीर की बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का ज्यादा मौका नहीं मिला। टीम की ओर से चित्रा सिंह ने सबसे अधिक 47 रनों की पारी खेली। रुबिया सैयद ने 29 रन बनाए। सरला देवी ने नाबाद 23 रन जोड़े।

झारखंड की ओर से आनंदिता किशोर ने अपने 10 ओवर के स्पेल में सिर्फ 32 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट झटके। आनंदिता के अलावा वृष्टि ने भी सटीक गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर 2 विकेट प्राप्त किए। जीत के लिए 182 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी झारखंड की टीम ने धैर्य और आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी की। हालांकि, शुरुआत में झटके लगे, लेकिन कप्तान शशि माथुर ने शानदार बल्लेबाजी कर पारी को संभाल लिया। उन्होंने 87 रनों की जिम्मेदार पारी खेलकर टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। उनके साथ प्रियंका लूथरा ने भी नाबाद 57 रन की बेहतरीन पारी खेलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। झारखंड की टीम ने 47.2 ओवरों में 5 विकेट पर 183 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया। जम्मू-कश्मीर की ओर से संध्या ने गेंदबाजी में 32 रन देकर 2 विकेट लिए। वहीं, अन्य गेंदबाज सफल नहीं हो पाए। सीनियर वीमेंस वनडे ट्रॉफी में यह पहली जीत टीम के खिलाड़ियों को आगे के मुकाबलों काफी आत्मविश्वास देगी।

धनबाद में लोन रिकवरी एजेंट की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। धनबाद के बाबूडीह खटाल निवासी और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के लिए लोन रिकवरी का काम करने वाले अमित कुमार की हत्या कर दी गई है। पिछले दो दिनों से लापता अमित का शव रविवार को पुलिस ने बरामद कर लिया। इस हत्याकांड में पुलिस ने विकास खंडेलवाल नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी विकास खंडेलवाल की निशानदेही पर अमित का शव सदर थाना क्षेत्र स्थित सूर्य हाइलैंड सोसाइटी में उसके ही घर से बरामद किया गया है। मौके पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई की और पोस्टमॉर्टम के लिए शहीद निर्मल महतो मेमोरियल मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। अमित कुमार के परिजनों ने विगत शुक्रवार को उसके लापता होने की शिकायत थाने में दर्ज कराई थी। परिजनों ने पुलिस को बताया था कि अमित के मोबाइल फोन से एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया था, जिसमें 15 लाख रुपए की फिरौती की मांग की गई थी। शेष पेज 11 पर

एक करोड़ रुपए के लोन सेटलमेंट को लेकर आरोपी से चल रहा था विवाद

सांसद सामूहिक विवाह उत्सव में शामिल हुए राज्यपाल, नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद

● ऐसे आयोजनों से समाज में सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना मजबूत होती है : गंगवार

नवीन मेल संवाददाता

रांची/रामगढ़। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को रामगढ़ सिदो-कान्हू मैदान में आयोजित "सांसद सामूहिक विवाह उत्सव" में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने नवविवाहित वर-वधुओं को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखमय, समृद्ध और उज्ज्वल वैवाहिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने नवदंपतियों एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विवाह भारतीय संस्कृति का एक पवित्र और महत्वपूर्ण संस्कार है, जो केवल दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो परिवारों के बीच आपसी विश्वास, सम्मान और रिश्तों का भी मिलन होता है। ऐसे आयोजनों से समाज में सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना मजबूत होती है। राज्यपाल ने सामूहिक विवाह जैसे सामाजिक आयोजनों को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को भी सम्मानपूर्वक विवाह संपन्न करने का अवसर मिलता है। उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। इस अवसर पर राज्यपाल ने इस पुनीत आयोजन के लिए लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल को बधाई दी और उनके सामाजिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और जनसेवा की भावना को मजबूत करते हैं। सांसद सामूहिक विवाह उत्सव में बड़ी संख्या में वर-वधु, उनके परिजन एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का वातावरण उत्सवपूर्ण और उल्लासपूर्ण रहा।

न्यूज बॉक्स

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सऊदी अरब के दौरे पर, कई कार्यक्रमों में हुए शामिल

रांची। भारत-सऊदी रक्षा संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से, रक्षा मंत्री संजय सेठ ने सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय के गवर्नर अहमद बिन अब्दुल अजीज अल-ओहाली से मुलाकात कर औद्योगिक तालमेल और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के अवसरों को बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की। रविवार को सऊदी अरब में आयोजित वर्ल्ड डिफेंस शो 2026 के उद्घाटन समारोह में शामिल हुआ। इस दौरान भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को प्रदर्शित करने वाले इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया। उद्घाटन के उपरांत स्वदेशी रक्षा उपक्रमों और प्रदर्शकों के साथ बातचीत किया। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मोटिवेशन से रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों और बढ़ते कदम से अवगत कराया। भारत के मेक इन इंडिया की दिशा में चल रहे अनुसंधान और रक्षा क्षेत्र में विकास की यात्रा पर सकारात्मक चर्चा किया।

पंडरा फ्रेंडस कॉलोनी में पीसीसी सड़क निर्माण में गड़बड़ी, डीसी-डीडीसी को सौंपा ज्ञापन

रांची। पंडरा फ्रेंडस कॉलोनी (पूर्वी) रोड नंबर-एक में विधायक मद से कराए गए पीसीसी पथ निर्माण में गंभीर अनियमितता का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान जमीन को समतल किए बिना ही पीसीसी पथ बना दिया गया, जिसके कारण सड़क कई स्थानों पर ऊंची-नीची हो गई है। इससे आने वाले बरसात के मौसम में क्षेत्र के लोगों को जलभराव की गंभीर समस्या झेलनी पड़ सकती है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि सड़क की लंबाई बढ़ाने के नाम पर पहले से बने पीसीसी पथ के एक हिस्से पर नया पीसीसी पथ बना दिया गया है। इससे पुरानी सड़क नीचे और नई सड़क ऊपर हो गई है, जिससे आवागमन में परेशानी के साथ-साथ दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। आरोप है कि स्थानीय लोगों द्वारा विरोध करने के बावजूद सड़क निर्माण से जुड़े बिचौलिया ने उनकी बातों को नजरअंदाज कर कार्य पूरा करा दिया। अनियमितता से नाराज स्थानीय लोगों ने उपायुक्त (डीसी) एवं उप विकास आयुक्त (डीडीसी) को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में उदय प्रसाद सिंह, केशरी कांत शर्मा, राजेश कुमार सिंह, भोला साह, मुकेश कुमार, सहित अन्य लोग शामिल हैं।

जेसीआइ पुरुषोत्तमपुर की नई टीम ने संभाला पदभार, मनोज कुमार बने अध्यक्ष

रांची। जेसीआइ रांची पुरुषोत्तमपुर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनोज कुमार ने रविवार को कांके रोड स्थित ओडीआर रॉक गार्डेन में आयोजित तीसरे इंस्टॉलेशन सेरेमनी में अपनी टीम के साथ पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान अध्यक्ष उत्तम ओझा ने नए अध्यक्ष को पदभार सौंपा, जबकि शुभम टंडन ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने अपनी टीम के सदस्यों को भी पदभार ग्रहण के साथ शपथ दिलाई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनोज कुमार ने वर्षभर में किए जाने वाले सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए संस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा एसटी मोर्चा के महासचिव बिदेश्वर बेक ने नई टीम को बधाई देते हुए कहा कि सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लें और संस्था को नई पहचान दिलाएं। विशिष्ट अतिथि झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने भी नई टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सेवा और समर्पण से ही संगठन मजबूत बनता है तथा युवाओं में नेतृत्व क्षमता और सेवा भाव संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। कार्यक्रम में जेसीआइ की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राखी जैन, जोनल अध्यक्ष गौरव सेठ और जेडवीपी शुभम टंडन ने भी अपने विचार साझा किए। मंच संचालन सोनल अग्रवाल ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सचिव राजीव रंजन ने दिया। इस मौके पर संजीव कुमार पोद्दार, सज्जन अग्रवाल, नामेश्वर ओझा, नीतिन सिंह, श्वेता ओझा, अरविंद राजगढ़िया, अरुण कुमार झा, विनायक गुप्ता, तन्वी अग्रवाल, अयांश अग्रवाल, विशाल पाडिया, अमित शर्मा, प्रिया लाखोटिया सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

आरएसएस शताब्दी वर्ष पर अलकापुरी में हिंदू सम्मेलन आयोजित

रांची। आरएसएस के शताब्दी वर्ष कार्यक्रमों की 'शृंखला के तहत रातु रोड स्थित अलकापुरी में सर्व हिंदू समाज द्वारा हिंदू सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना, सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करना तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत मनीष सिन्हा द्वारा दिए गए स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने हिंदू संस्कृति और परंपराओं के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद कॉलोनी की बच्चियों द्वारा प्रस्तुत मधुर गीतों ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि के रूप में आरएसएस बिहार-झारखंड क्षेत्र के सद्भाव प्रमुख राकेश लाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति को सहेजने और आगे बढ़ाने के लिए परिवार व्यवस्था को सुदृढ़ करना आवश्यक है। उन्होंने जन्मदिन एवं अन्य पारिवारिक आयोजनों को स्वदेशी तरीके से मनाने पर जोर दिया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को लेकर पेड़ लगाने, जल संरक्षण करने और प्लास्टिक के उपयोग से परहेज करने का आह्वान किया। इस अवसर पर आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए विराट हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति के संयोजक गिरधारी महतो ने बताया कि इसी श्रृंखला में 1 मार्च को चुटिया स्थित शास्त्री मैदान में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में श्रीराम मंदिर से शोभा यात्रा, धर्म ध्वज पूजन, गो पूजन, महिला पुरोहितों द्वारा यज्ञ तथा संतों के आशीर्वचन होंगे। सभी हिंदू परिवारों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की गई है।

लता मंगेशकर की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि, संगीत यात्रा को किया गया याद

रांची। मेरी आवाज मेरी पहचान संस्था के तत्वावधान में स्वर कोकिला, भारत रत्न लता मंगेशकर की पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हरमू पेट्रोल पंप के समीप उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए और उनके अविस्मरणीय संगीत सफर को याद किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सह बॉलीवुड अभिनेता देवेश खान ने कहा कि लता मंगेशकर मां सरस्वती का साक्षात रूप थीं। उनका योगदान भारतीय फिल्म और संगीत इतिहास में सदैव अमर रहेगा। संस्था के संस्थापक एवं गायक कुमार गहलोत ने कहा कि भारत की संगीत यात्रा लता दीदी की मधुर स्मृतियों के बिना अधूरी है। उनके गीतों ने पीढ़ियों को भावनात्मक रूप से जोड़ा है। कार्यक्रम में संस्था की सचिव एवं गायिका कविता होरो ने चार पंक्तियों का गीत गाकर लता मंगेशकर को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की।

केंद्रीय बजट विकसित भारत के लक्ष्य को मजबूत आधार देता है : राजीव प्रताप रूढ़ी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सांसद राजीव प्रताप रूढ़ी ने केंद्रीय बजट 2026-27 को आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लक्ष्य को सशक्त आधार देने वाला बताया है। रविवार को रांची स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह बजट निर्णय, सुधार और जन-कल्याण की स्पष्ट सोच के साथ प्रस्तुत किया गया है, जिससे झारखंड को विकास की नई गति मिलेगी। सांसद रूढ़ी ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में झारखंड को कर हस्तांतरण और अनुदान में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। वित्त वर्ष 2026-27 में राज्य को 51,236 करोड़ का कर हस्तांतरण प्रस्तावित है, जबकि वर्ष 2014 से अब तक झारखंड को 3.14 लाख करोड़ से अधिक का कर हस्तांतरण प्राप्त हो चुका है। इसके अलावा 2014 से 2026 के बीच अनुदान के रूप में 1.04 लाख करोड़ की राशि दी गई है। उन्होंने इसे सहकारी संघवाद की मजबूत मिसाल बताया। उन्होंने विशेष पूंजीगत सहायता योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि 50 वर्षों की ब्याज-मुक्त ऋण सहायता के तहत 2020-21 से जनवरी 2026 तक झारखण्ड को 11,567 करोड़ मिले हैं। इससे सड़कों, सिंचाई, शहरी अवसंरचना और औद्योगिक परियोजनाओं को नई रफ्तार मिली है। रेलवे क्षेत्र में हुए सुधारों पर प्रकाश डालते हुए सांसद रूढ़ी ने कहा कि झारखंड अब 100 प्रतिशत रेलवे विद्युतीकरण वाला राज्य बन चुका है। रेलवे बजट आवंटन 2009-14 के औसत 457 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 7,302 करोड़ हो गया है। राज्य में 57 रेलवे स्टेशनों को अमृत स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है तथा रांची-पटना, रांची-वाराणसी सहित 7 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन शुरू हो चुका है। उन्होंने बताया कि देवघर और जमशेदपुर में नए हवाई अड्डों की शुरुआत, वाराणसी-रांची-कोलकाता ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, 3,600 किमी से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण और 30,000 करोड़ से अधिक की सड़क परियोजनाएं झारखंड की आर्थिक तस्वीर बदल रही हैं। जनजातीय कल्याण पर जोर देते हुए सांसद रूढ़ी ने कहा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, पीएम-जनमन योजना, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय और बहु-क्षेत्रीय परियोजनाओं के माध्यम से आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

अंत में उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 झारखंड को केवल संसाधन ही नहीं, बल्कि अवसर, सम्मान और दीर्घकालिक विकास की दिशा देता है तथा राज्य को विकसित भारत की यात्रा का सशक्त भागीदार बनाता है। प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, आर्थिक प्रकोष्ठ संयोजक जेपी शर्मा और सह मीडिया प्रभारी अशोक बड़ाइक भी उपस्थित थे।

नई उम्मीदों के साथ आगे बढ़ रहा है झारखंड : आलोक दुबे

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दुबे ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के हालिया बयान पर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ पूरा प्रदेश लोकतंत्र के महापर्व चुनाव के उत्सव में सहभागी हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ भाजपा और बाबूलाल मरांडी बेवजह जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। आलोक कुमार दुबे ने कहा कि चुनाव को लेकर राज्यभर में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। क्या महिलाएं, क्या पुरुष, क्या नौजवान, क्या बुजुर्ग हर वर्ग में नई उम्मीद और ऊर्जा है। नया नेतृत्व अपनी क्षमता और प्रतिबद्धता के साथ आगे आ रहा है। ऐसे सकारात्मक माहौल में भाजपा का निराशाजनक और नकारात्मक बयान उनकी राजनीतिक हताशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी को यह सोचना चाहिए कि चुनाव किस तरह से लोकतांत्रिक ढंग से संचालित होंगे और दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा मतदाता सहभागिता (वोटर टर्नआउट) बढ़ाने में क्या सकारात्मक भूमिका निभाएगी। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा रचनात्मक राजनीति छोड़कर केवल आरोप-प्रत्यारोप में उलझी हुई है। कांग्रेस नेता ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में चुनाव जनता की आवाज होता है। राज्य सरकार और चुनावी संस्थाएं संविधान के अनुरूप अपने दायित्व निभा रही हैं।

भाजपा के दावों की हकीकत से कोई मेल नहीं : सतीश पौल मुंजनी

रांची। भाजपा के वरिष्ठ नेता व सांसद राजीव प्रताप रूढ़ी ने केंद्रीय बजट परर किए गए दावों प्रदेश कांग्रेस मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी ने कहा कि यह बयान वास्तविकताओं से परे राजनीतिक प्रचार मात्र है। बजट में झारखंड के लोगों की बुनियादी समस्याओं का ठोस समाधान कहीं दिखाई नहीं देता। सतीश पौल मुंजनी ने कहा कि कर हस्तांतरण और अनुदान को उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करना भ्रामक है, क्योंकि यह संवैधानिक प्रक्रिया का हिस्सा है, कोई विशेष कृपा नहीं। झारखंड जैसे खनिज संपन्न राज्य को उसके अधिकार से कम संसाधन मिल रहे हैं, जबकि राज्य के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन लगातार जारी है। भाजपा को यह बताना चाहिए कि राज्य को विशेष उद्योग पैकेज, रोजगार सृजन या कृषि क्षेत्र के लिए क्या ठोस नई घोषणाएं मिलीं। मुजनी ने कहा कि रेलवे, सड़क और हवाई परियोजनाओं की चर्चा करने से पहले भाजपा यह स्पष्ट करे कि झारखंड राज्य का बकाया पैसा 136000 करोड़ एवं राज्य में लाखों युवाओं को रोजगार कब मिलेगा, किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी क्यों नहीं दी गई, और महंगाई पर नियंत्रण के लिए बजट में कौन-सा ठोस कदम उठाया गया। आदिवासी कल्याण के नाम पर योजनाओं की घोषणा तो की जाती है, पर जमीन पर विस्थापन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा हर बजट को "ऐतिहासिक" बताकर जनता की अपेक्षाओं को अनदेखा करती आई है। सच्चाई यह है कि झारखंड को उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में जिस व्यापक निवेश और नीति समर्थन की जरूरत है, वह इस बजट में अनुपस्थित है। कांग्रेस पार्टी का मानना है कि बजट का मूल्यांकन प्रचार से नहीं, बल्कि जनता के जीवन में आए वास्तविक बदलाव से होना चाहिए। भाजपा को आत्मप्रशंसा छोड़कर झारखण्ड की जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए।

गणतंत्र दिवस परेड में प्रस्तुति देने वाले कलाकार हुए सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड 2026 में पंचायती राज मंत्रालय की झांकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रांची के मां शारदा संगीत संस्थान के कलाकारों को सम्मानित किया गया। रविवार को रिलेशंस की ओर से हरमू रोड स्थित मां शारदा संगीत संस्थान परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सभी कलाकारों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया गया।

गौरतलब है कि 26 जनवरी 2026 को आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में संस्थान के कलाकारों ने पंचायती राज मंत्रालय की झांकी के माध्यम से प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना को प्रभावशाली और आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति में ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग तीन करोड़ लोगों को मालिकाना हक, संपत्ति कार्ड वितरण और बैंकों से आसान ऋण सुविधा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को दर्शाया गया, जिसने दर्शकों और गणमान्य अतिथियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। टीम लीडर अजय कुमार के नेतृत्व में श्वेता रानी, रुचि, संगिनी श्रेया, नीतीश भारद्वाज, प्रगति, अलीशा, रितु, स्निग्धा, अमन गुप्ता, प्रवीण पटकता, आकाश, मनप्रीत, आदित्य, अमन, अभिजीत, गौतम और पीयूष सहित अन्य कलाकारों ने अपनी कला से रांची और झारखंड को गौरवान्वित किया। मां शारदा संगीत संस्थान के संस्थापक मणिकांत निराला और सचिव अजय कुमार पिछले 25 वर्षों से कलाकारों के प्रशिक्षण और नेतृत्व में सक्रिय हैं। उनके मार्गदर्शन में संस्थान के कलाकार लगातार राष्ट्रीय मंचों पर चयनित होते रहे हैं। समारोह में संस्थापक मणिकांत निराला, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, रांची महानगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष नीतू देवी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पिटाई में घायल युवक की मौत पर परिजनों ने थाने में किया हंगामा

रांची। मारपीट में घायल डोरंडा थाना क्षेत्र के डिबडीह निवासी अभिषेक लोहरा की रिम्स में इलाज के दौरान शनिवार देर रात मौत हो गयी। इसका पता चलने पर रविवार दोपहर एक बजे लोगों ने डोरंडा थाने का घेराव कर हंगामा किया। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी की। करीब तीन बजे तक लोग थाने में जुटे रहे। इसका पता चलते ही हटिया डीएसपी पीके मिश्रा मौके पर पहुंचे। सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन मिलने के बाद लोग शांत हुए और थाने से हट गए। मृतक की पत्नी लक्ष्मी देवी का आरोप है कि पति को चार से पांच लोगों ने पीटकर घायल किया था। इससे उनकी मौत हो गई। पुलिस को पांचों आरोपियों के बारे में जानकारी देने के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई।

झारखंड के नवनिर्माण में अपना योगदान करें युवा : सुदेश महतो

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो रविवार को खटंगा, खेलगांव में आयोजित मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और सैकड़ों महिलाओं, युवाओं और समाजसेवियों को अंगवस्त्र पहनाकर पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर मिलन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य विकास के रास्ते से भटक चुका है। आज हमारे राज्य की खनिज संपदा के बाद कोई अन्य रूप में पहचान है तो वह है लेबर स्टेट के रूप में। राज्य की बागडोर युवाओं को अपने हाथों में लेने की जरूरत है, ताकि राज्य को फिर से सही दिशा में गति दी जा सके। श्री महतो ने कहा कि युवा लगातार आजसू से जुड़ रहे हैं और संगठन को मजबूत करने में अपनी महती भूमिका निभा रहे हैं। हमें एकजुट होकर राज्य के नवनिर्माण में अपना योगदान करने की आवश्यकता है। इस मौके पर केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, केंद्रीय महासचिव दीपक महतो, केंद्रीय सचिव जितेंद्र सिंह, रांची जिला अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य संजय महतो, युवा आजसू के प्रदेश संयोजक गदाधर महतो, रांची महानगर अध्यक्ष अमित यादव के साथ-साथ पार्टी कई सम्मानित पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

अवैध अफीम की खेती पर बड़ी कार्रवाई, 5 एकड़ फसल नष्ट

नवीन मेल संवाददाता

रांची। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में नामकुम थाना क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। प्राप्त सूचना के आधार पर नामकुम थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों ने सुदूरवर्ती ग्रामीण एवं वन क्षेत्रों में सत्यापन करते हुए अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया।

पुलिस टीम द्वारा लाली, हेसो एवं गरूड़पीढ़ी के आसपास के वन क्षेत्रों में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती का सत्यापन किया गया। कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर एवं ग्रास कटर मशीन की सहायता से लगभग 5 एकड़ क्षेत्र में लगी अफीम की फसल को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। विनिष्टीकरण अभियान के उपरांत पुलिस द्वारा आसपास के ग्रामीणों को अफीम की खेती से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि अवैध अफीम की खेती न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि इससे पर्यावरण, सामाजिक जीवन और युवाओं के भविष्य पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कोई भी व्यक्ति भविष्य में अवैध अफीम की खेती या इससे जुड़े किसी भी कार्य में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध विधि-सम्मत कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने ग्रामीणों से सहयोग की अपील करते हुए ऐसी गतिविधियों की सूचना तुरंत प्रशासन को देने का आग्रह किया है।

चर्चा मनरेगा संरक्षण को लेकर कांग्रेस और सिविल सोसायटी की बैठक, के.राजू हुए शामिल

राज्य स्तर पर मनरेगा टास्क फोर्स गठित करने की घोषणा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मनरेगा की मजबूती और इसके अधिकार-आधारित स्वरूप को बनाए रखने के उद्देश्य से रांची में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और विभिन्न सिविल सोसायटी संगठनों के प्रतिनिधियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सामाजिक संगठनों ने मनरेगा के ग्रामीण जीवन में योगदान को रेखांकित करते हुए इसे बचाने के लिए कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे अभियान को अपना पूर्ण समर्थन दिया।

बैठक में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू, सह प्रभारी भूपेंद्र मरावी, रचनात्मक कांग्रेस के नेशनल चेयरमैन संदीप दीक्षित, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप, प्रख्यात अर्थशास्त्री प्रो. ज्यां द्रेज, झारखंड नरेगा मंच से जेम्स हेरेंज, मनरेगा वॉच से बलराम सहित कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में झारखंड में मनरेगा के माध्यम से हुए परिसंपत्ति निर्माण, सतत आजीविका और ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास पर विस्तार से चर्चा हुई। सामाजिक संगठनों ने मांग की कि ग्राम सभा की अनुमति के बिना जॉब कार्ड डिलीट न हों, काम मांगने पर काम की गारंटी मिले, समय पर भुगतान सुनिश्चित हो और सोशल ऑडिट को और मजबूत किया जाए। वीबी जीराम जी को लेकर चिंता जताते हुए इसे मनरेगा के अधिकार-आधारित स्वरूप के लिए खतरा बताया गया।

मनरेगा वॉच के जेम्स हेरेंज और सामाजिक कार्यकर्ता निखिल डे ने 'काम मांगो अभियान' को और तेज करने पर जोर दिया। संदीप दीक्षित ने कहा कि मनरेगा ने मजदूरी का न्यूनतम मानक स्थापित कर श्रमिकों को सम्मानजनक रोजगार दिया है। वहीं, कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने प्रत्येक विधायक द्वारा मॉडल 'काम मांगो अभियान' चलाने और राज्य स्तर पर मनरेगा टास्क फोर्स गठित करने की घोषणा की।

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बताया कि हालिया अभियान में 1.74 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया और 1,017.65 लाख मानव-दिवस सृजित हुए हैं। बैठक के अंत में सभी संगठनों ने मनरेगा को बचाने और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई।

लोक भवन उद्यान अब 15 तक खुला रहेगा

रांची। नागरिकों में बढ़ते उत्साह और सहभागिता को देखते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन स्थित उद्यान को आम नागरिकों के भ्रमण के लिए पूर्व निर्धारित तिथि में विस्तार देने का निर्देश दिया है। पहले यह उद्यान 2 से 8 फरवरीतक आम लोगों के लिए खोला गया था, जिसे अब एक सप्ताह के लिए बढ़ाकर 15 फरवरी तक कर दिया गया है। राज्यपाल ने लोक भवन उद्यान को देखने के लिए नागरिकों की लगातार बढ़ती रुचि को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुंदर एवं सुव्यवस्थित उद्यान का भ्रमण कर सकें। उद्यान भ्रमण का समय पूर्व की भांति प्रतिदिन पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक निर्धारित किया गया है।

रांची। आमलोग यदि बिना नंबर प्लेट की गाड़ी सड़क पर लेकर आ जाएं, तो चालान कटना तय है। लेकिन, शायद यह नियम पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों पर शायद लागू नहीं होता है। तभी तो रांची समाहरणालय में साहबों की बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ी खड़ी है।

उत्पाद विभाग ने की तमाड़ और बुंडू में छापेमारी

नकली विदेशी व अवैध महुआ शराब जब्त, 3 लोग गिरफ्तार

- नगर निकाय चुनाव को लेकर अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध चल रहा विशेष अभियान

नवीन मेल संवाददाता। रांची

जब्त सामग्री

नकली विदेशी शराब	38.13 लीटर
बीयर	15.6 लीटर
देसी शराब	5.7 लीटर
अवैध महुआ शराब	120 लीटर
जावा महुआ	600 किलोग्राम

उत्पाद विभाग की टीम ने नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत तमाड़ और बुंडू थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब, बीयर, देसी शराब और अवैध महुआ शराब जब्त की है। इस दौरान एक छोटा पिकअप वैन (जेएच01सीएम 8239) से अवैध शराब की खेप पकड़ी गई, जबकि अलग-अलग स्थानों से कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

उत्पाद विभाग से रविवार को मिली जानकारी के अनुसार, सहायक आयुक्त उत्पाद के निर्देश पर गुप्त सूचना के आधार पर तमाड़ एवं बुंडू थाना क्षेत्र में छापेमारी की गई। छापेमारी के क्रम में परासी रोड पर एक पिकअप वैन को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई। इस मामले में मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उत्पाद विभाग के अधिकारियों ने कहा कि जब्त शराब में 38.13 लीटर नकली विदेशी शराब, 15.6 लीटर बीयर, 5.7 लीटर देसी शराब, 120 लीटर अवैध महुआ शराब तथा 600 किलोग्राम जावा महुआ शामिल है। इसके अलावा, एक अन्य स्थान पर छापेमारी कर अवैध महुआ शराब के एक विक्रेता को भी गिरफ्तार किया गया।कार्रवाई के दौरान उत्पाद विभाग की टीम ने दो अवैध महुआ शराब भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया। वहीं, एक फरार आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर सख्त नजर रखी जा रही है और चुनाव अवधि के दौरान ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

उत्पाद विभाग ने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं भी अवैध शराब का निर्माण या बिक्री हो रही हो, तो इसकी सूचना विभाग को दें। ताकि, समय रहते कार्रवाई की जा सके।

पहले मतदान का संदेश सही, पर योग्य उम्मीदवार भी तो मिले

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मोरहाबादी की चौपाल

राजधानी रांची के मोरहाबादी में आयोजित होने वाले साप्ताहिक कार्यक्रम 'मोरहाबादी की चौपाल' में रविवार को नगर निकाय चुनाव चर्चा का विषय रहा। चौपाल में वरिष्ठ नागरिक संतोष अग्रवाल ने माहौल को खुशनुमा बनाते हुए व्यंगात्मक शैली में अपने विचार रखते हुए कहा कि पिछले कई दिनों से नगर निकाय चुनाव के जंग की तैयारी चल रही है, सैकड़ों सेवा भाव से ओतप्रोत हो निकल पड़े है! उन्होंने कहा, लोकल पार्टी को तो छोड़िए, राष्ट्रीय पार्टी तक कुछ ऐसे बोल रही हैं, तीन बागी को मना पाए, पांच को नहीं मना सके। यानी, एक से एक नेता जिनपर पार्टी को बहुत विश्वास था, लेकिन टिकट नहीं मिला तो वे तुरंत दूसरी पार्टी में शामिल हो गए। सबको संघर्ष करने देना चाहिए, अपना धन लगाकर लोग अपना जनसेवा व्यापार जमाना चाहते हैं। अच्छा है। व्यापार जितना फैलेगा, कमाई उतनी ही बढ़ेगी, न कोई टैक्स, न हिसाब देना, ना ही कोई रिटर्न भरना है! विभाग की ऊंची कुर्सी के लिए लड़ाई ज्यादा करनी है, खर्च ज्यादा है, पर पद भी बड़ा, कमाई भी ज्यादा! सायरन बजते काफिला गुजरने की भी खुशी मिलेगी! उन्होंने कहा, हर चुनाव की तरह आयोग से लेकर, उम्मीदवार, संस्थाओं, नेताओं के संदेश शुरू हो चुके हैं।

आम आदमी मतदान करें, प्रजातंत्र को मजबूत करें और जलपान के पहले मतदान करें। मतदाता तो अंगुली में कालिख लगवाने के लिए तैयार ही रहता है! लेकिन, उनके दिमाग में एक बात जरूर आती है कि जो संदेश, शिक्षा उन्हें दी जाती है, वह संदेश आयोग और पार्टी नेताओं को क्यों नहीं दिया जाता कि हमें योग्य (शिक्षित, ईमानदार, युवा, दूरदर्शी, अच्छी सोच) वाले उम्मीदवार दें। एक खबर यह भी थी कि स्क्रूटनी के बाद कितने योग्य उम्मीदवार पाए गए, क्या था योग्यता का मापदंड? योग्य उम्मीदवार सामने आ जाएंगे, जब उम्मीदवार अपनी संपत्ति घोषित करें।

सिर्फ एक नियम बन जाए कि योग्य उम्मीदवार उनको माना जाएगा, जिन्होंने अपनी संपत्ति का सही विवरण दिया है और उसका स्त्रोत बताया है। अपने आप उम्मीदवारों की भीड़ खत्म हो जाएगी, मुश्किल से उम्मीदवार मिलेंगे। संतोष अग्रवाल ने कहा कि राजनीति इतनी गंदी हो गई है कि इस दलदल में योग्य व्यक्ति आना ही नहीं चाहते। एक बार वे आ गए, तो जनता के सारे कष्ट दूर होंगे, समझबूझकर, व्यवहारिक, जनहित, सामाजिक, राज्यहित, राष्ट्र हित में योजनाएं भी बनेंगी। अभी जो भी बढ़िया योजनाएं बन रही हैं, इसका कारण है कि कुछ अच्छे लोग राजनीति में हैं। क्या शहर की सारी व्यवस्था पार्षद और मेयर ही करते हैं, अगर वे नहीं करते हैं तो हर क्षेत्र में विधायकों का क्या काम है।

श्रृंगी नर्मदेश्वर महादेव मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा आज से

रांची। श्रृंगी नर्मदेश्वर न्यास के तत्वाधान में श्रृंगी नर्मदेश्वर महादेव प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का भव्य आयोजन बड़गाई में 9 से 11 फरवरी तक किया जाएगा। यह जानकारी श्रृंगी नर्मदेश्वर न्यास बड़गाई से जुड़े सुजीत कुमार ने दी। बताया कि सोमवार को प्रातः 7:30 बजे से जल यात्रा, पूर्वाहन 11 बजे से वेदी पूजन, संध्या 6 बजे से संध्याकालीन महा आरती, संध्या 7 बजे से शिव कथा प्रवचन एवं भक्ति संगीत, 10 फरवरी दिन मंगलवार को प्रातः 8 बजे से वेदी पूजन, वेद पाठ, अन्नाधिवास, फलाधिवास, घृता धिवास एवं अन्य अधिवास, अपराह्न 2 बजे से विग्रह माहस्नान, नगर भ्रमण, संध्या 6 बजे से आरती, 7 बजे से शिव कथा प्रवचन व भक्ति संगीत और 11 फरवरी दिन बुधवार को अपराह्न 2 बजे से भंडारा, संध्या 6 बजे से महाआरती, संध्या 7 बजे से शिव कथा प्रवचन व भक्ति संगीत का आयोजन किया जाएगा।

पिटाई के बाद हुई युवक की मौत के मामले में आरोपी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची पुलिस ने 24 वर्षीय अभिषेक लोहरा (पिता स्व. संजय लोहरा, पता डिबडीह, थाना डोरंडा रांची) को पीटने के बाद हुई मौत मामले में प्राथमिकी अभियुक्त शंकर लोहरा को गिरफ्तार कर लिया है। 34 वर्षीय शंकर लोहरा (पिता स्व. मुन्नु लोहरा, पता जेवियर कॉलोनी डिबडीह, थाना डोरंडा रांची) को 7 फरवरी 2026 को गिरफ्तार किया गया था। आरोपी शंकर लोहरा को रविवार को कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पीड़ित एवं जख्मी अभिषेक लोहरा की रिम्स रांची में इलाज के क्रम में 06 फरवरी 2026 को मौत हो गई थी। पीड़ित की मां लक्ष्मी देवी ने प्राथमिकी अभियुक्त शंकर लोहरा एवं अन्य अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी करने के आरोप में डोरंडा थाने में मामला दर्ज कराया था।

आज / कल

नेताओं की दलबदल

श्री खाटू नरेश को पवित्र ध्वजा निशान अर्पित, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

- धुर्वा, पिस्कामोड़ एवं नेवरी विकास से आए थे श्याम प्रेमी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

फाल्गुन मास खाटू नरेश का पवित्र महीना माना जाता है। श्री खाटूधाम के श्री श्याम मंदिर सहित हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में भी भक्तगण व्यक्तिगत रूप से अथवा सामूहिक रूप से श्री खाटू नरेश को पवित्र ध्वजा निशान अर्पित करते हैं। इसी क्रम में रविवार को श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में धुर्वा, पिस्कामोड़ एवं नेवरी विकास से आए अनेक श्याम प्रेमियों ने श्याम ध्वजा निशान बाबा श्री श्याम को अर्पित किया। प्रातः 6:00 बजे धुर्वा से आए लगभग 60 निशान धारियों ने बाबा श्याम के दरबार में निशान ध्वजा चढ़ाया। दिन में 11:00 बजे पिस्कामोड़ के श्याम प्रेमियों का दल झूमते नाचते गाते हुए बाबा के दरबार में निशान अर्पण किया। श्याम प्रेमियों ने फल प्रसाद मेवा का भोग लगाया। दिन में 12:15 बजे की आरती के बाद प्रातः काल से ही नेवरी से निकले हुए श्याम प्रेमियों का दल श्री श्याम मंदिर हरमू रोड पहुंचा। सभी स्थानों से आए निशान धारियों के स्वागत में मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष मनोज खेतान शामिल हुए। श्री श्याम मित्र मंडल रांची की ध्वजा निशान शोभायात्रा 25 फरवरी 2026 को है। ये जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

राष्ट्रीय लिफेटिक फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में जिले के 619 बूथों पर एमडीए कार्यक्रम

राहे, सोनाहातु, तमाड़ और कांके में कल विशेष कैंप

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने सभी जिलेवासियों से, विशेष कर राहे, सोनाहातु, तमाड़ और कांके प्रखंड के लोगों से अपील करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लिंफेटिक फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत हमारे जिले को फाइलेरिया (हाथीपांव) से पूर्णतः मुक्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर हमें मिला है। इस बीमारी को जड़ से समाप्त किया जा सकता है, बशर्ते हम सभी मिलकर इस अभियान में पूर्ण सहयोग दें। उपायुक्त भजंत्री ने कहा कि 10 फरवरी 2026 को जिले के 619 बूथों पर मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 10 फरवरी 2026 को बूथ पर दवा न ले पाने वाले व्यक्तियों को 25 फरवरी 2026 तक घर-घर जाकर दवा उपलब्ध कराई जाएगी।

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि लिंफेटिक फाइलेरिया उन्मूलन के अभियान में सभी धर्मों, जातियों और समुदायों के लोग सक्रिय रूप से भाग लें। यह हमारा सामूहिक अभियान है। उपायुक्त ने सभी लोगों से अपील हुए कहा है कि 10 फरवरी 2026 को अपने नजदीकी बूथ पर जाकर फाइलेरिया रोधी दवा अवश्य लें। अपने परिवार, पड़ोसियों, रिश्तेदारों और मित्रों को भी इस अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित करें।

जेएसएलपीएस (जीविका) से जुड़े महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) इस अभियान की रीढ़ हैं। एसएचजी की सभी दीदियों से अनुरोध है कि ग्राम स्तर पर जागरूकता फैलाएं और दवा सेवन सुनिश्चित करें। उत्कृष्ट कार्य करने वाले महिला समूहों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि फाइलेरिया से मुक्ति संभव है, लेकिन इसके लिए शत-प्रतिशत कवरेज अनिवार्य है। यदि एक भी व्यक्ति दवा से वंचित रह गया, तो यह बीमारी फिर से समुदाय में फैल सकती है। इसलिए सभी व्यक्तियों से मेरा व्यक्तिगत अनुरोध है कि हम सब मिलकर इसमें लगें और रांची जिले के लिए वर्ष 2026 को फाइलेरिया-मुक्त वर्ष बनाएं। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को इस विकलांगता से मुक्त रखने की जिम्मेदारी आज हमारी है। इस अभियान में सभी आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कर्मी, जीविका दीदियां, शिक्षक, मुखिया, ग्राम प्रधान, सामुदायिक नेता, कर्मचारी एवं आम नागरिकों से पूर्ण सहयोग की अपेक्षा है।

बूथ पर दवा मिलने की तिथि : 10 फरवरी 2026
रांची जिले में बूथों की संख्या : 619
दी जाने वाली दवाएं : डीईसी + एलबेंडाजोल (पूरी तरह नि:शुल्क एवं सुरक्षित)

प्रभावित प्रखंड : राहे, तमाड़, सोनाहातु, कांके (कांके, सोनाहातु एवं तमाड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के क्षेत्र)

लक्षित आबादी : लगभग 4,91,014 व्यक्ति (गर्भवती महिलाएं, 2 वर्ष से कम आयु के बच्चे एवं अत्यंत गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर)

डॉक्टर की सलाह

दवा का डोज : फाइलेरिया को रोकने के लिए वर्ष में एक बार डीईसी (डाईथाइलकाबार्मजीन) और अल्बेंडाजोल की गोलियां लेनी चाहिए। तीव्र सूजन होने पर एंटीबायोटिक्स भी दी जा सकती हैं।
सफाई (हाइजिन) : प्रभावित अंग (हाथ या पैर) को प्रतिदिन साबुन और साफ पानी से धोना, फिर मुलायम कपड़े से सुखाना बेहद आवश्यक है।
सूजन कम करना : प्रभावित अंग को दिन में कई बार ऊपर (हृदय के स्तर से ऊपर) उठाएं, ताकि तरल पदार्थ का बहाव हो सके।
व्यायाम : अंगों में तरल पदार्थों के प्रवाह को बढ़ाने के लिए विशिष्ट व्यायाम करें।
त्वचा की देखभाल : घावों को फंगस या बैक्टीरिया से बचाने के लिए एंटीफंगल/ एंटीबैक्टीरियल क्रीम का प्रयोग करें।
बचाव : मच्छरों के काटने से बचें, मच्छरदानी का प्रयोग करें और शरीर को ढक कर रखें।
डायग्नोसिस : रात के समय रक्त परीक्षण द्वारा फाइलेरियल कृमि की जांच की जाती है, क्योंकि ये रात में ही सक्रिय होते हैं।
बच्चों के लिए : बच्चों की उम्र, लंबाई और वजन के आधार पर दवाओं की खुराक निर्धारित की जाती है।
सावधानी : 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को यह दवा नहीं दी जाती है। 01 से 02 वर्ष के बच्चों को अल्बेंडाजोल की आधी गोली खिलाई जानी है।

शकरपदा गांव में शहीद सोमा उरांव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों को दें सम्मान : मंत्री

- श्रद्धांजलि सभा में शहीद की पत्नी पूनिया उरांव भी हुईं शामिल

नवीन मेल संवाददाता

मांडर। मांडर प्रखंड के शकरपदा गांव में शहीद स्वर्गीय सोमा उरांव की पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने शहीद सोमा उरांव की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके बलिदान को याद किया।

ज्ञात हो कि 8 फरवरी 2010 को हवलदार स्वर्गीय सोमा उरांव जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में देश की सेवा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। तब से हर वर्ष उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाता है। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों के प्रति समाज को विशेष सम्मान और संवेदनशीलता रखनी चाहिए। उन्होंने शहीद सोमा उरांव की पत्नी पूनिया उरांव के संघर्ष की सराहना करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपने बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़े रखा, जो प्रेरणादायक है।

मंत्री ने कहा कि शिक्षा ही विकास की मजबूत नींव है और शिक्षित समाज ही एक सशक्त व विकसित समाज का निर्माण करता है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार शहीद परिवारों के कल्याण और स्वावलंबन के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के माध्यम से किसानों और ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं, ताकि उन्नत कृषि के साथ-साथ समृद्ध और खुशहाल समाज का निर्माण हो सके।

श्रद्धांजलि सभा में शहीद की पत्नी पूनिया उरांव, मांडर प्रखंड अध्यक्ष मंगा उरांव, पौलूस तिर्की, बंधु टोप्पो, लालू तिर्की, कलीम अंसारी, कुर्बान अंसारी, राजू मिंज, विनोद तिर्की, कुंदन तिर्की, मनोज तिर्की, कलिंदर तिर्की सहित राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सोनाहातू में आठ दिनों से लापता युवक का सिर कटा शव बरामद

सोनाहातू। थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली हत्या की वारदात सामने आई है। 25 वर्षीय युवक हरिहर महतो की बेरहमी से हत्या कर उसका सिर धड़ से अलग कर दिया गया। मृतक का शव कांची नदी के किनारे बरामद होने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। शव की हालत बेहद वीभत्स बताई जा रही है। मृतक की पहचान सोनाहातू थाना क्षेत्र के एडरमहातु-मार्चाडीह गांव निवासी हरिहर महतो के रूप में की गई है। आरोप है कि उसी महिला ने उसे मिलने के लिए बुलाया था। 31 जनवरी की शाम करीब 6:30 बजे हरिहर घर से निकला था, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों ने 3 फरवरी को सोनाहातू थाना में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। रविवार को पुलिस ने एडरमहातु-मार्चाडीह गांव के सामने कांची नदी किनारे से हरिहर महतो का सिर धड़ से अलग शव बरामद किया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया।

नए प्रतिष्ठान का किया गया उद्घाटन

मांडर। प्रखंड के मांडर थाना चौक में रविवार को जे पी बूट हाउस नामक एक नए प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया गया। दुकान का शुभारंभ दुकान के संचालक मो नेशार के पिता हाजी शखावत अंसारी ने फीता काटकर किया। संचालक मोहम्मद नेशार ने बताया कि यहां पर उचित रेट में फुटवियर के सभी सामान, एवं उपयोगी सामान मिलेगी। आज के प्रतियोगिता को देखते हुए यहां पर अच्छे क्वालिटी का सामान उपलब्ध हैं।

न्यूज बॉक्स

आरजे शर्मा को विश्वकर्मा सर्वांगीण विकास सेवा समिति के अध्यक्ष की जिम्मेदारी

खलारी। सुभाष नगर स्थित विश्वकर्मा मंदिर निर्माण स्थल पर विश्वकर्मा सर्वांगीण विकास सेवा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक संरक्षक रामाशीष विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से समिति का विस्तार करते हुए नई कमेटी का गठन किया गया। नवगठित कमेटी में आरजे शर्मा को अध्यक्ष, बसंत विश्वकर्मा को उपाध्यक्ष, अजय विश्वकर्मा को सचिव, बिनोद कुमार विश्वकर्मा को सहसचिव, मिथलेश शर्मा को कोषाध्यक्ष, राहुल कुमार को सह कोषाध्यक्ष तथा नन्द किशोर कुमार को मीडिया प्रभारी बनाया गया। वहीं सदस्यों के रूप में शंकर विश्वकर्मा, बिंदेश्वरी विश्वकर्मा, मंटू राणा, रोहित शर्मा और संजय विश्वकर्मा को शामिल किया गया। चयनित सभी पदाधिकारियों ने शपथ लेकर समिति के उद्देश्यों को ईमानदारी से पूरा करने का संकल्प लिया। बैठक में विश्वकर्मा मंदिर निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने तथा समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास एवं रोजगार से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। बैठक में मथुरा मिस्त्री, राजेश विश्वकर्मा, कुमुद शर्मा, ललन शर्मा, अंकुर शर्मा सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

धान अधिप्राप्ति केंद्र से धान का उठाव नहीं होने से किसान परेशान

पिठौरिया। कांके प्रखंड स्थित धान अधिप्राप्ति केंद्र से लंबे समय से धान का उठाव नहीं होने के कारण क्षेत्र के किसान गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं। केंद्र में धान जमा होने के बावजूद खरीद प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है, जिससे किसानों को अपने धान की बिक्री में भारी दिक्कत हो रही है।किसानों का कहना है कि समय पर धान का उठाव नहीं होने के कारण केंद्र पर जगह की कमी हो गई है और नए किसानों का धान खरीदा नहीं जा रहा। मजबूरी में कई किसान अपना धान बाजार में औने-पौने दाम पर बेचने को विवश हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।स्थानीय किसानों ने बताया कि खेती में लागत पहले ही बढ़ चुकी है, ऐसे में सरकारी दर पर धान की बिक्री न होना उनके लिए दोहरी मार साबित हो रही है। किसानों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से शीघ्र धान उठाव की व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि उन्हें उचित मूल्य मिल सके। यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो किसानों की आर्थिक स्थिति और अधिक बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है।

बीसीआइ प्लेटिनम व टाइटेनियम चैप्टर की बैठक में उपलब्धियों की हुई समीक्षा

रांची। बीसीआइ प्लेटिनम एवं टाइटेनियम चैप्टर की संयुक्त बैठक रविवार को शहर के एक स्थानीय होटल में आयोजित की गई। बैठक में दोनों चैप्टर के सदस्यों द्वारा वर्ष भर में किए गए कार्यों और उपलब्धियों की विस्तार से समीक्षा की गई। सदस्यों के समक्ष रेफरेंस के माध्यम से हुए कारोबार का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया, जिसमें प्लेटिनम चैप्टर के सदस्यों द्वारा लगभग 27 करोड़ रुपए तथा टाइटेनियम चैप्टर के सदस्यों द्वारा 6 करोड़ रुपए से अधिक का व्यापार किया गया।

सर्व ब्राह्मण महासभा के वार्षिक मिलन समारोह में परशुराम जयंती मनाने का निर्णय

खलारी। सर्व ब्राह्मण महासभा खलारी-पिपरवार का वार्षिक मिलन समारोह सह होली मिलन समारोह राय कोलियरी स्थित सपही नदी तट पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के अध्यक्ष प्रमोदकुमार तिवारी ने की। इस अवसर पर संगठन को मजबूत बनाने, सदस्यों की संख्या बढ़ाने, समाज में फैली सामाजिक कुरीतियों को दूर करने तथा आपसी सहयोग को और सुदृढ़ करने पर विस्तार से चर्चा की गई। समारोह के दौरान गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के विवाह, श्राद्ध भोज एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में हर संभव सहयोग करने का संकल्प लिया गया। साथ ही प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान परशुराम की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाने पर सहमति बनी। इस क्रम में सर्वसम्मति से आगामी 19 अप्रैल को डकरा विवाह भवन में भगवान परशुराम जयंती समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया, जिसका सभी उपस्थित सदस्यों ने समर्थन किया। कार्यक्रम के अंत में महासभा के सचिव दिनेश पांडेय 'घंटू' ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जन वितरण प्रणाली दुकानदार संघ का वनभोज कार्यक्रम आयोजित

पिठौरिया प्रतिनिधिः जन वितरण प्रणाली दूकानदार संघ कांके प्रखंड का वन भोज कार्यक्रम रविवार को पिठोरिया स्थित मुड़हर पहाड़ पर आयोजित किया गया. जिसमें प्रखंड के 200 से ज्याद दूकानदार शामिल हुये. इस मौके पर अध्यक्ष सबीबुल रहमान ने प्रखंड के लोगों को नववर्ष की बधाई दी. साथ ही उन्होंनें दूकानदारों के साथ बैठक की. बताया कि बैठक में निर्णय लिया कि कई महींनों से बकाया कमीशन की मांग सरकार के समक्ष रखकर अविलंब देने की मांग करेगें. मौके पर अध्यक्ष सबीबुल रहमान, सचिव अनिल केसरी, शांति देवी, सुरेश राम, सैयद अली इमाम, भूपेंद्र महतो, सुशील कुमार, डॉ एहसान, नेसार अंसारी, शेख शहाबुद्दीन, हबीब अंसारी सहित कई थे।

नेत्र जांच शिविर में 300 लोगों की जांच, जरूरतमंदों को मिला चश्मा

रांची। झारखंड चित्रांश विचार मंच एवं सच्चिदानंद ज्ञान भारती मॉडल स्कूल के संयुक्त प्रयास से दृष्टि नेत्रालय द्वारा रविवार को स्कूल परिसर में मेगा आई चेकअप कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में लगभग 300 लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई। जांच के उपरांत जरूरतमंदों को निःशुल्क चश्मा भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में सच्चिदानंद ज्ञान भारती मॉडल स्कूल के डायरेक्टर अमरेश कुमार श्रीवास्तव, शिक्षिका रश्मि भूषण, हरविंदर कौर एवं शिक्षक शुभम अग्रवाल और अमित लकड़ा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं दृष्टि आई हॉस्पिटल की टीम बंटी बरियार, डॉ. मनोज कुमार, राकेश प्रसाद सिन्हा, स्वाति कच्छप, प्रभा कुजूर, प्रीति कुमारी, विकास कच्छप एवं सुधांशु कुमार ने पूरी तत्परता से नेत्र जांच की।

झारखंड चित्रांश विचार मंच के अध्यक्ष संजय पिपरवाल, उपाध्यक्ष राजीव सहाय एवं श्रीकांत शरण, सचिव प्रखर जयपुरियार, कोषाध्यक्ष साकेत बिहारी शरण तथा सदस्य प्रमोद कुमार सिन्हा, डॉ के पी सिन्हा ,आनंद श्रीवास्तव, पंकज पीयूष, अशोक प्रसाद, विकास सहाय एवं मनीष वर्मा ने भी आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया।

पहाड़ी मंदिर में बाबा का हल्दी-मेहंदी उत्सव, भक्ति गीतों पर झूमे श्रद्धालु

रांची। महाशिवरात्रि से पूर्व पहाड़ी मंदिर में रविवार को बाबा का हल्दी-मेहंदी उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। श्री शिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति की महिला टीम के नेतृत्व में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में बाबा का विशेष श्रृंगार, पूजन और आरती की गई। उत्सव के दौरान परंपरागत रस्मों को निभाते हुए महिला भक्तों ने भजन-कीर्तन के बीच हल्दी और मेहंदी का कार्यक्रम पूर्ण किया। इस अवसर पर जैप-1 कीर्तन मंडली, बर्जपुर मंडली और सिद्धी विनायक मंडली (रातु) ने सुमधुर प्रस्तुतियों से वातावरण को शिवमय बना दिया।

अंजना सिन्हा ने वधू पक्ष की भूमिका निभाई। समिति के संस्थापक नंद किशोर सिंह चंदेल ने उपस्थित अतिथियों और पदाधिकारियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य सलाहकार अर्चना मिर्धा, अखिलेश सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सीआईपी डायरेक्टर के आवास में की जा रही थी पेड़ की कटाई

सीआईपी में पेड़ कटाई के दौरान दबकर सफाईकर्मी की मौत

नवीन मेल संवाददाता

पिठौरिया। सीआइपी में पेड़ काटने के दौरान पेड़ गिर जाने से सीआइपी में कार्यरत निजी सफाई कर्मी बिरसा कच्छप (31) कांके थाना क्षेत्र बुकरू निवासी बिरसा कच्छप की मौत हो गई. घटना रविवार लगभग 2 बजे की है. मिली जानकारी के अनुसार निदेशक डॉ बीके चौधरी के सरकारी आवास में पेड़ कटाई का कार्य निजी सफाईकर्मियों द्वारा लिया जा रहा था. जबकि इसके लिये स्किल्ड लेकर को कार्य में लगाना चाहिये था. पेड़ कटाई के दौरान बिरसा कच्छप रस्सी को पकड़ कर खड़ा था. कटाई के बाद पेड़ की डाली उसके उपर गिर गया. पेड़ कटाई बिना सुरक्षा मानक के काटा जा रहा था. आनन फानन में उसे कांके जेनरल अस्पताल ले जाया गया. जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. वहीं मामले को दबाने के लिये सीआइपी के कई अधिकारी अस्पताल पंहुचे और शव को लेकर रिम्स ले गये. बाद में मामला बढ़ता देख सीआइपी प्रशासन ने घटना की सूचना कांके पुलिस को दिया.

घटना की जानकारी मिलने के बाद कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष संजर खान, प्रदेश मुखिया संघ के अध्यक्ष सोमा उरांव, जनजाति सुरक्षा मंच के अध्यक्ष संदीप उरांव ने घटनास्थल का जायजा लिया।सीआइपी में कार्य कर रहे अन्य सफाईकर्मियों ने पूछताछ में बताया कि वर्तमान निदेशक से पूर्व सीआइपी में पेड़ कटाई का कार्य सीपीडब्लूडी द्वारा टेंडर के माध्यम से किया जाता था. लेकिन वर्तमान निदेशक सफाई कर्मी से ही पेड़ कटाई का कार्य करा रहे है.संस्थान में पेड़ कटाई का कार्य किया जा रहा है जिसके लिये वन विभाग से अनुमति भी नहीं ली गई थी.

सुरक्षित चाहरदीवारी के अभाव में बदहाल है राजकीय मध्य विद्यालय

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। खलारी बाजारटांड़ स्थित राजकीय मध्य विद्यालय खलारी (जीएमएस खलारी) इन दिनों गंभीर अव्यवस्थाओं और सुरक्षा संकट से जूझ रहा है। 'प्रधानमंत्री स्कूल फार राइजिंग इंडिया' (पीएम श्री) योजना के तहत माडल स्कूल के रूप में चयनित होने के बावजूद विद्यालय में अब तक सुरक्षित चाहरदीवारी का निर्माण नहीं हो सका है। इसके कारण विद्यालय का परिसर पूरी तरह असुरक्षित बना हुआ है। इस विद्यालय की स्थापना वर्ष 1949 में 'आदिम जाति सेवा मंडल स्कूल' के रूप में की गई थी। वर्ष 1961-62 में सरकार द्वारा अधिग्रहण के बाद इसे मध्य विद्यालय का दर्जा मिला। दशकों से क्षेत्र में शिक्षा का प्रमुख केंद्र रहा यह विद्यालय आज बुनियादी सुविधाओं के अभाव में अपनी पहचान खोता जा रहा है। वर्तमान में यह स्कूल पीएम श्री योजना के अंतर्गत विकसित किया जाना है, जिसके तहत इसे आधुनिक और माडल विद्यालय के रूप में तैयार किया जाना प्रस्तावित है। लेकिन आधारभूत संरचना की कमी इस लक्ष्य में बड़ी बाधा बन रही है।

चाहरदीवारी नहीं होने से बढ़ी असुरक्षा

विद्यालय परिसर के चारों ओर आज तक सुरक्षित चारदीवारी का निर्माण नहीं हो पाया है। इसके कारण स्कूल का मुख्य गेट और परिसर आम लोगों के लिए खुला रहता है। स्कूल प्रबंधन के अनुसार, परिसर के भीतर से कई निजी घरों तक जाने का रास्ता बना हुआ है, जिससे लोगों का दिन-रात आवागमन होता रहता है। इस स्थिति में विद्यालय को कभी भी पूरी तरह बंद नहीं किया जा सकता और परिसर 24 घंटे खुला रहता है। खुला परिसर होने के कारण मवेशी, कुत्ते और अन्य जानवर स्कूल में घूमते रहते हैं। इससे बच्चों को आए दिन परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार कक्षा के दौरान भी जानवर परिसर में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे पढ़ाई बाधित होती है। इसके अलावा, बाहरी और अनजान लोगों का बेरोकटोक आना-जाना बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गया है। खासकर छात्राएं स्वयं को असुरक्षित महसूस करती हैं। विद्यालय के शिक्षकों का कहना है कि खुला परिसर होने के कारण बच्चों की निगरानी करना कठिन हो गया है।

भूमि अतिक्रमण का आरोप

विद्यालय प्रबंधन ने स्कूल की जमीन पर अतिक्रमण होने का आरोप लगाया है। बताया जाता है कि कुछ लोगों ने विद्यालय की भूमि पर कब्जा कर लिया है, जिसके कारण चाहरदीवारी निर्माण में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। स्कूल प्रबंधन द्वारा कई बार खलारी अंचल कार्यालय को लिखित आवेदन देकर भूमि की नापी कराने और अतिक्रमण हटाने की मांग की गई है।

घघारी बाबा धाम में शिवरात्रि को लेकर हो रही व्यापक तैयारियां

लापुंग। लापुंग प्रखंड के प्रसिद्ध घघारी बाबा धाम में शिवरात्रि के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान 15 फरवरी को भव्य शिव बारात निकालने का निर्णय लिया गया। वहीं कार्यक्रम के पहले दिन 14 फरवरी को अखंड हरीकीर्तन का आयोजन के साथ साथ विशाल भण्डारा के आयोजन का निर्णय लिया गया। 15 फरवरी को शिवरात्रि के पावन मौके पर पूजा अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के बीच खीर के महाप्रसाद के साथ साथ खिचड़ी और चावल,दाल तथा सब्जी का प्रसाद का वितरण किया जायेगा। रविवार को अध्यक्ष राजकमल गोप के नेतृत्व में बैठक आयोजित कर साउड, लाइट का जिम्मेवारी दुर्गा सिंह को दी गई।

वहीं शिव के बारात के लिए नवाटोली एवं देवगांव कीर्तन मंडली में जिम्मेवार संजय कुमार महतो,मंतर मिस्त्री, रंजीत महतो तथा छोटे को जिम्मेवारी सौंपी गई। पेयजल के लिए लतरातु की मुखिया अलका तिर्की को जिम्मेवारी सौंपी गई। बारात के स्वागत हेतु राजधन शेखर सिंह, राजकमल गोप, सुनील उरांव, हीरालाल, भुवन महतो को जिम्मेवारी सौंपी गई।

धार्मिक अनुष्ठान हमारे अंदर ऊर्जा का संचार करते हैं : सन्नी

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के केशा गांव में वेद मंत्रोच्चार के बीच चार दिवसीय श्री श्री हनुमान प्रतिष्ठा महायज्ञ के तीसरे दिन प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन किया गया। यज्ञाचार्य आचार्य सोनू पण्डा, कामेश्वर पाठक, ध्रुव मिश्रा एवं अरविन्द पाण्डेय (वाराणसी) के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में नेत्रदान और अभिषेक के साथ साथ प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सम्पूर्ण भक्ति एवं श्रद्धा के सागर में श्रद्धालुओं ने गोता लगाया। इस मौके पर अखंड हरिकीर्तन का भव्य शुभारंभ किया गया। इस पावन अवसर पर आसपास के गांवों के सैकड़ों श्रद्धालुओं एवं माताओं और बहनों द्वारा अखंड हरिकीर्तन में हिस्सा लिया गया व वहीं महायज्ञ के दौरान लोगों ने यज्ञोपवीत संस्कार के साथ यज्ञ मंडप का परिक्रमा किया। इस मौके पर भाजपा नेता सन्नी टोप्पो सहित कई विशिष्ट लोग मौके पर पहुंचे और धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। सन्नी टोप्पो ने कहा कि धार्मिक अनुष्ठान हमारे अंदर उर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि केशा गांव में लोगों की भक्ति और श्रद्धा देखने लायक है।यज्ञ मंडप में देर शाम संध्या कालीन आरती का भव्य आयोजन किया गया। प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ को सफल बनाने में मंदिर समिति के अध्यक्षः मनोज सिंह, उपाध्यक्षः विजय गोप, सचिवः रितेश साहू, उप सचिवः गोविंद भगत, कोषाध्यक्षः संदीप गोप, संरक्षकः राजेंद्र सिंह एवं जगदीश गोप, कार्यकारी अध्यक्षः मनोज लोहरा, पहान चंदा उरांव एवं एतवा उरांव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

धर्म कर्म

बाबा वनखंडी धाम में सैकड़ों वर्षों से होती है भगवान की शिव की अराधना

पर्यटन की असीम संभावनाओं का केंद्र है पबीरा का पहाड़

- राजधानी रांची से 74 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है लापुंग का बाबा वनखंडी धाम

लापुंग। लापुंग प्रखंड के बोकरोंदा पंचायत अन्तर्गत पबीरा गांव के पबीरा पहाड़ पर अवस्थित बाबा बनखंडी धाम नैसर्गिक सौंदर्य से भरे चारो ओर पहाडो.से घिरे लापुंग प्रखंड का अति प्राचीन गुफा है जहां भगवान भोलेनाथ विराजमान हैं। झारखंड की राजधानी रांची से 74 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित लापुंग का बाबा वनखंडी धाम में सैकड़ों वर्षों से श्रद्धालु दुर्गम पहाड़ियों से होकर लोग पहुंचते हैं। यहां बाबा भोलेनाथ पहले नीचे शेषनाग गुफा में विराजमान थे। कालांतर में भगवान ने स्वयं को ऊपर गुफा में स्वयं को विराजमान कर लिया। यहां नंदी और भगवान भोलेनाथ के पांव के पदचिन्ह आज भी देखें जा सकते हैं। पहाड़ के ऊपर ही चारों ओर धार्मिक मूल्यों के अनुरूप अलग अलग महत्वपूर्ण स्थान बाबा वनखंडी धाम पूरे रांची जिले में इकलौता धार्मिक स्थल है जहां भगवान भोलेनाथ स्वयं गुफा में विराजमान मिलते हैं। इसे यहां के लोग भगवान भोलेनाथ के कैलाश पर्वत की गुफा के समान भगवान भोलेनाथ का स्थायी आवास बताते हैं जहां भगवान शिव शंकर भोलेनाथ के सभी चरित्र चरितार्थ होते हैं। प्रकृति और खासकर पहाड़ पर भगवान भोलेनाथ ने स्वयं को सिद्ध कर दिया है। भगवान शिव को मानने वाले शिव भक्त सैकड़ों वर्षों से यहां दुर्गम पहाड़ियों पर चढ़कर पहुंचते हैं और पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा अर्चना करते हैं। कहते हैं यहां जो भी श्रद्धालु पहुंचते हैं और पूरी श्रद्धा और भक्ति से बाबा भोलेनाथ से जो कुछ मांगते हैं तो माना जाता है श्रद्धालुओं की हर मनोकामना पूर्ण होती है। प्रत्येक वर्ष यहां शिवरात्रि महोत्सव का आयोजन लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र होता है। यहां लापुंग प्रखंड के पबीरा पहाड़ पर अवस्थित बाबा वनखंडी धाम में एक महुआ का पेड़ अद्भुत है जहां सालो भर तना के ऊपर खोड़हर में पानी भरा हुआ मिलता है। यह महुआ का पेड़ लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र है। बाबा वनखंडी धाम विकास समिति के अध्यक्ष बिरंची महतो बताते हैं कि यहां हमारे दादा परदादा के समय के पूर्व से ही पूजा अर्चना होते आ रहा है। इस स्थान की खोज किसने की यह कोई बता नहीं पाता कहते हैं कि सैकड़ों वर्षों से यहां के मूलवासियों और आदिवासियों का यह धार्मिक धरोहरों में से एक है। बिरंची महतो ने कहा कि यहां अगर पबीरा गांव से बाबा बनखंडी धाम तक सड़क निर्माण कर दिया जाय तो यह पूरे झारखंड का महत्वपूर्ण धार्मिक एवं भौगोलिक पर्यटन केंद्र के रुप में स्थापित हो सकता है। उन्होंने बताया कि अभी तक सरकार की नजर इस पर नहीं पड़ी है। हालांकि क ई बार यहां जनप्रतिनिधियों का दौरा हो चूका है। उन्होंने कहा कि यहां लोगों की प्रमुख मांग यह है कि बाबा वनखंडी धाम को पबीरा गांव तक सड़क से जोडा.जाय।

परीक्षा के शोर में रफ्तार कहर: बरही की सड़कों पर नाबालिगों का जानलेवा सफर

बरही। धनबाद रोड पर बरही की सड़कों पर जैक बोर्ड की परीक्षाओं की गहमागहमी के बीच एक बेहद डरावनी तस्वीर उभर रही है, जहां नाबालिगों की लापरवाही सड़क सुरक्षा को ताक पर रख रही है। परीक्षा शुरू होने और समाप्त होने के समय किशोरों का एक बड़ा समूह बिना हेलमेट पहने एक ही बाइक पर तीन-चार की संख्या में सवार होकर तेज रफ्तार से निकलता है। यह स्थिति न केवल इन किशोरों के लिए बल्कि सड़क पर चलने वाले हर राहगीर के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। इन लड़कों में बाइक चलाने की एक अंधी होड़ दिखाई देती है और स्मार्टफोन के साथ स्टंट करते हुए परीक्षा केंद्र पहुंचना अब एक खतरनाक चलन बन गया है। हैरानी की बात यह है कि यातायात नियमों की इस खुलेआम धज्जियां उड़ाने में कहीं न कहीं अभिभावकों की भी मूक सहमति है। बच्चों की ज़िद और उनके शौक के आगे माता-पिता उनकी सुरक्षा और भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं।

सड़क दुर्घटना में घायल से मिलने पहुंचे जेएलकेएम पदाधिकारी

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय सचिव एवं झुमरा पहाड़ के चतरोचट्टी प्रखंड अंतर्गत चिलगो निवासी चंद्रदेव महतो तथा बोकारो जिला के कसमार प्रखंड अंतर्गत हिसिम निवासी ताराचंद महतो बीते 06 फरवरी को गोला (रामगढ़) के भेंडा पुल के समीप सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। दुर्घटना के तुरंत बाद दोनों घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल, रामगढ़ में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के दौरान चंद्रदेव महतो के दाहिने पैर में गंभीर फ्रैक्चर पाए जाने के कारण उन्हें बेहतर इलाज हेतु गुलमोहर हॉस्पिटल, बूटी मोड़, रांची रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद जेएलकेएम के केंद्रीय महासचिव संतोष चौधरी, प्रदेश मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो तथा जिला महामंत्री मुख्तार अंसारी गुलमोहर हॉस्पिटल, रांची पहुंचे और चंद्रदेव महतो से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान प्रदेश मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो ने कहा कि जेएलकेएम परिवार चंद्रदेव महतो के हर सुख-दुःख में साथ खड़ा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिस तरह की भी सहायता की आवश्यकता होगी, संगठन हर संभव मदद करेगा और किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने ईश्वर से चंद्रदेव महतो के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

न्यूज बॉक्स

विक्षिप्त महिला की मौत, पोस्टमार्टम के बाद पहचान के लिए रखा गया शव

बरही। रविवार की सुबह बरसोत पंचायत अंतर्गत जीटी रोड स्थित बरियट्ठा के समीप एक अज्ञात अधेड़ महिला का शव बरामद हुआ । ग्रामीणों की सूचना पर पुनि सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेजा। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया महिला विक्षिप्त प्रतीत होती है, जिसकी उम्र करीब 45-55 वर्ष के बीच बताई जा रही है। शव की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम करवाने के बाद पहचान के लिए अस्पताल में सुरक्षित रखवाया है ताकि परिजन सामने आ सकें। पुनि बिनोद कुमार ने बताया कि 72 घंटे बाद मामले में यूडी केस दर्ज कर जांच प्रारंभ की जायेगी । पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। आसपास के इलाकों में पूछताछ की जा रही है ताकि मृतका की पहचान हो सके। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को महिला के बारे में कोई जानकारी हो तो तत्काल थाना को सूचित करें, ताकि शव की शिनाख्त कर परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके।

अरुण साहू पहुंचे रजरप्पा, मां छिन्नमस्तिका की पूजा कर सुख-शांति की प्रार्थना की

रामगढ़। बरही विधानसभा के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी अरुण साहू अपने परिवार के साथ विश्व प्रसिद्ध रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान उन्होंने मां छिन्नमस्तिका से बरही विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे झारखंड की सुख-शांति, समृद्धि, खुशहाली और विकास की कामना की। पूजा-अर्चना के पश्चात अरुण साहू ने कहा कि मां छिन्नमस्तिका की कृपा से क्षेत्र में आपसी भाईचारा बनी रहे, युवाओं को बेहतर अवसर मिले और आम जनता का जीवन स्तर और बेहतर हो। उन्होंने यह भी कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे सेवा और जनकल्याण की भावना मजबूत होती है। मौके पर साबी देवी, नेहा साहू, शिल्पी साहू, सुभाष साहू, दुलमी प्रखंड बीस सूत्री सुधीर मंगलेश सतीश कुमार, प्रभात कुमार, रंजीत कुमार, बबलू साहू, सजीत साहू, विक्की साहू आदि उपस्थित थे ।

वैज्ञानिक चेतावनी: 2026 बन सकता है अब तक का सबसे गर्म वर्ष

बरही। जलवायु परिवर्तन को लेकर आई एक नई वैज्ञानिक रिपोर्ट ने दुनिया भर में चिंता बढ़ा दी है। फरवरी 2026 में कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा जारी शोध के अनुसार, वर्ष 2026 भीषण गर्मी के नए रिकॉर्ड बना सकता है और यह अब तक के सबसे गर्म वर्षों में शामिल हो सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण नाइट्रस ऑक्साइड (NO) जैसी शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैसें वातावरण में पहले से कहीं तेजी से टूट रही हैं। यह गैस न केवल तापमान बढ़ाती है बल्कि ओजोन परत को भी नुकसान पहुंचाती है। वैज्ञानिकों ने नासा के लगभग 20 वर्षों के सैटेलाइट डेटा का विश्लेषण कर पाया कि NO की "लाइफटाइम" हर दशक करीब 1.4 प्रतिशत घट रही है, जिससे जलवायु मॉडलिंग और भविष्य के तापमान अनुमान और अधिक जटिल हो गए हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया में तापमान 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जिससे जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ सकती हैं। वहीं अमेरिका में पोलर वॉर्टेक्स के कारण कहीं अत्यधिक ठंड तो कहीं असहनीय गर्मी जैसी विरोधाभासी मौसमी घटनाएं देखने को मिल सकती हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह स्थिति दर्शाती है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की समस्या नहीं, बल्कि वर्तमान की गंभीर वास्तविकता बन चुका है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में हालात और भी भयावह हो सकते हैं।

9 फरवरी को नगर भवन में आयोजित होगा व्यवसायियों के लिए व्यवसाय सम्मेलन

बरही। 9 फरवरी को नगर भवन, बरही में व्यवसायियों के लिए पहली बार भव्य व्यवसाय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन श्रीदास इंटरनेशनल स्कूल, देवचंदा मोड़ द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए प्राचार्य कैलाश कुमार ने बताया कि यह सम्मेलन शहर व आसपास के व्यापारियों, उद्यमियों और युवाओं को नई दिशा देने का कार्य करेगा। सम्मेलन में प्रमुख वक्ता के रूप में 'ब्रोकन प्रॉमिसेस' के लेखक मृत्युंजय शर्मा, बिजनेस कंसल्टेंट पंकज सोनी, सीए अभिषेक कुमार (रांची), व्यवसायी आशीष कुमार तथा व्यवसायिक सलाहकार रंजीत चंद्रवंशी शामिल होंगे। ये विशेषज्ञ आधुनिक बिजनेस मॉडल, वित्तीय प्रबंधन, मार्केटिंग रणनीतियों और निवेश अवसरों पर मार्गदर्शन देंगे। प्राचार्य ने कहा कि बरही जैसे छोटे शहरों में व्यापार की अपार संभावनाएं हैं। यह कॉन्क्लेव व्यापारियों और युवाओं को विशेषज्ञों से जोड़कर नए अवसर उपलब्ध कराएगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा।

वार्ड पार्षद अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय पंजी निरीक्षण की तिथियां तय

हजारीबाग। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)-सह-उपायुक्त, हजारीबाग के निर्देशानुसार नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 के तहत महापौर एवं वार्ड पार्षद पद के सभी अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय पंजी के निरीक्षण के लिए तिथियां एवं स्थान निर्धारित कर दिए गए हैं। निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग द्वारा जारी सूचना के अनुसार सभी अभ्यर्थियों को 11, 16 एवं 20 फरवरी2को सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक अपने-अपने निर्धारित स्थलों पर उपस्थित होकर व्यय लेखा पंजी की जांच कराना अनिवार्य होगा।
वार्ड संख्या 01 से 12 तक के महापौर एवं वार्ड पार्षद अभ्यर्थियों के लिए निरीक्षण स्थल नया समाहरणालय सभागार निर्धारित किया गया है। वहीं, वार्ड संख्या 13 से 24 तक के अभ्यर्थियों की जांच द्वितीय तल, नया समाहरणालय में तथा वार्ड संख्या 25 से 36 तक के अभ्यर्थियों की जांच ग्राउंड फ्लोर, नया समाहरणालय में की जाएगी।
नोडल पदाधिकारी-सह-राज्य कर पदाधिकारी ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अपने निर्वाचन व्यय लेखा पंजी की जांच कराएं। निर्धारित प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही निर्वाचन नियमों का उल्लंघन मानी जाएगी।

श्री श्री संकट मोचन मंदिर का 54वां वार्षिक उत्सव मना

रामगढ़। श्री श्री संकट मोचन मंदिर थाना चौक रामगढ का 54 वां वार्षिकोत्सव रविवार को धूमधाम से मनाया गया । वार्षिकोत्सव को लेकर शनिवार को सुबह 9:45 बजे से मंदिर परिसर में 24 घंटे के अखंड रामचरित मानस का पाठ शुभारंभ हुआ। जिसका समापन रविवार को सुबह 9:45 बजे हुआ। उसके बाद तीसरी आरती ,56 भोग का अनुष्ठान संपन्न हुआ । इसके उपरांत भव्य भंडारा का आयोजन हुआ जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर के प्रधान सेवक धीरज परासर ने बताया कि 24 घंटे के अखंड रामचरित मानस पाठ का रविवार को 9:45 बजे हुआ। इसके उपरांत हनुमान जी की विधि पूर्वक पूजा अर्चना कर उनसे जिले के खुशहाली और सुख समृद्धि की कामना की गई । उन्होंने बताया कि श्री श्री संकट मोचन मंदिर की ख्याति दूर दूर तक है और कई जगहों से श्रद्धालु मन्नत मांगने के लिए मंदिर पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि यदि श्रद्धालु सच्चे मन से मन्नत मांगते हैं तो हनुमान जी की कृपा से उनकी मन्नत पूरी होती है। बताया कि मंदिर की स्थापना सन 1973 में कामदेव उपाध्याय द्वारा की गई थी। 1976 ई में कामदेव उपाध्याय और उनके सहयोगियों ने जयपुर से हनुमान जी की प्रतिमा लाकर स्थापित किया। इसके उपरांत 1976 ई से फाल्गुन कृष्ण पक्ष षष्ठी व सप्तमी को मंदिर की वर्षगांठ धूमधाम से मनाई जाने लगी। मंदिर के प्रधान सेवक ने बताया कि वार्षिकोत्सव को लेकर श्री श्री संकट मोचन मंदिर को आकर्षक और भव्य तरीके से सजाया गया है।

हजारीबाग ब्रह्म समाज में 'माघ उत्सव' का आयोजन

भक्तिपूर्ण परिवेश में हुआ शास्त्रों का पाठ और ब्रह्म संगीत का गायन

- श्रद्धालुओं ने सर्वोच्च ब्रह्म को श्रद्धांजलि अर्पित की

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग में नवजागरण का आरंभिक संस्था, 1867 में स्थापित "हजारीबाग ब्रह्म समाज" में रविवार को "माघ उत्सव" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वोच्च सत्ता को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु शास्त्रों का पाठ और ब्रह्म संगीत का गायन हुआ। ज्ञात हो की 1828 में राजा राममोहन राय द्वारा स्थापित ब्रह्म समाज की स्थापना दिवस को ही "माघ उत्सव" के रूप में प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। कोलकाता के ब्रह्म समाज से आए सुप्रतिमा चक्रवर्ती आचार्य की भूमिका में ईश्वर आराधना का संचालन किए। गायन की प्रस्तुति दो अलग-अलग दल के द्वारा किया गया। पहले दल में कोलकाता से आए सुप्रतिम चक्रवर्ती के साथ एलोरा चक्रवर्ती, जयश्री दे तथा सुपर्णा नंदी तथा दूसरे दल में हजारीबाग के तापसी दास एवं सुलगना के द्वारा रविंद्रसंगीत के साथ कई अन्य ब्रह्म संगीत प्रस्तुत किए गए। उपस्थित समूह को संबोधित करते हुए आचार्य सुप्रतिम चक्रवर्ती ने बताया की हजारीबाग के समाज में पुनर्जागरण के उद्देश्य से जदुनाथ मुखर्जी ने अपनी ही जमीन उपलब्ध करा कर ब्रह्म समाज की स्थापना की थी। कुछ ही वर्षों में हजारीबाग ब्रह्म समाज तत्कालीन बंगाल प्रांत में पुनर्जागरण का एक प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना ली। इस दरमियान ब्रह्मानंद केशव चंद्र सेन एवं कालांतर में गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर का हजारीबाग ब्रह्म समाज में आगमन हुआ। उन्होंने बताया की समाज के प्रयासों से 1930 के दशक में हजारीबाग में हरिजन समाज की शिक्षा के लिए उनके मोहल्ले में छह विद्यालय खोले गए। इसमें से दो विद्यालय अब सरकारी विद्यालय के रूप में आज संचालित हो रहा है। ब्रह्म समाज के पूर्व सचिव मनमथनाथ का विशेष उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि उनके कार्य को देखते हुए उस समय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद उनसे मिलने हजारीबाग ब्रह्म समाज आए थे। बताया कि बाद में खड़गोसिंहो घोष, देबप्रसाद घोष, उज्जवला घोष तथा शांति चटर्जी आदि ने ब्रह्म समाज के संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रविवार को आयोजित माघ उत्सव की व्यवस्था में वर्तमान सचिव नीलांजन चटर्जी, श्रीजीता चटर्जी, डॉ दीपक कुंडू, अनिमा कुंडू, अतनु घोष, मीरा घोष तथा मैत्रेई एवं प्रदीप मुखर्जी केंद्रीय भूमिका में रहे। रविवार को जदुनाथ मुखर्जी के वंशज अमिताभ मुखर्जी एवं सजल मुखर्जी की गरिमापूर्ण उपस्थित दिव्य सेवाओं में रही। इनके अलावे सुकल्याण मोइत्रा, सुजित भट्टाचार्यजी, अमित भौमिक, नरेंद्रनाथ दे, मौमिता मल्लिक, पायल मुखर्जी, पापिया भट्टाचार्यजी, वर्षा दे, सरिता मोइत्रा सुप्रिया भट्टाचार्य, मोना मुखर्जी, इंद्राणी मुखर्जी, नीता चटर्जी, रूपा चटर्जी, सुभोश्री, प्रोबीर मोतीलाल, सुजीत मुखर्जी, सुबल विश्वास, जीत मोतीलाल, शुभम मोइत्रा, दीप ज्योति, अरिजीत मल्लिक, अदृश्य चौधरी आदि 'माघ उत्सव' में भाग लिए।

यूजीसी एक्ट के समर्थन में निकाली रैली

इचाक। यूजीसी एक्ट लागू करने को लेकर इचाक में बाइक रैली निकाली गई। जो मंगुरा मैदान से निकला कर इचाक बाजार होते हुए इचाक मोड़ पहुंच कर सभा में तब्दील हो गया। रैली में ओबीसी और दलित वर्ग के सैकड़ो लोग शामिल हुए। नेतृत्व आदर्श युवा संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष गौतम कुमार ने किया। रैली में नए यूजीसी एक्ट को लागू करने की मांग की गई। गौतम कुमार ने कहा कि यूजीसी एक्ट एसटी एसी ओबीसी हित में है। अल्प संख्यक वर्ग के मौलाना मुख्तार ने कहा कि गरीब हित की लड़ाई एकजुट होकर लड़ना है तभी हक और अधिकार मिलेगा। अनिरुद्ध गुप्ता ने कहा कि यह आर पार की लड़ाई है इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रैली में शामिल श्री राम सेवा संगठन के अध्यक्ष सुजीत कुमार मेहता, रांची से तीर्थनाथ आकाश, प्रकाश मंडल, प्रमुख प्रतिनिधित्व सिकंदर कुमार दास, ब्रज किशोर मेहता समेत अन्य सदस्यों का सराहनीय भूमिका रहा।

संघ परिवार का पारिवारिक सेवा मिलन समारोह संपन्न

समाज के वंचित, पीड़ित व अभावग्रस्त वर्गों के उत्थान में लगा है संघ परिवार : त्रिवेणी

नवीन मेल संवाददाता

बरही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा बीते एक सप्ताह से जारी सेवा सप्ताह का रविवार को समापन हुआ। इस अवसर पर भामाशाह सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में भव्य पारिवारिक सेवा मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें संघ परिवार के सदस्य, सनातनी समाज के लोग एवं प्रबुद्धजन शामिल हुए। क्षेत्र सेवा प्रमुख त्रिवेणी साहू ने कहा कि आरएसएस परिवार "नर सेवा नारायण सेवा" के मूल मंत्र को चरितार्थ करते हुए समाज के वंचित, पीड़ित एवं अभावग्रस्त वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। झारखंड प्रांत के निर्देश पर 2 से 8 फरवरी तक बरही खंड में सेवा सप्ताह का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि संघ संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जन्मशताब्दी वर्ष 1989-90 से सेवा विभाग शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक समरसता एवं स्वावलंबन के क्षेत्रों में सक्रिय है। कार्यक्रम में डॉ. हेडगेवार आगासे स्मृति सेवा न्यास के पांच संस्कार केंद्र, वि एकल अभियान के दो एकल विद्यालय तथा सेवा भावी दंपतियों ने भाग लिया। कुल 63 मातृशक्तियों, पुरुषों एवं बच्चों की सहभागिता रही।
खंड सेवा प्रमुख राजू कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में खंड कुटुंब प्रबोधन संयोजक राजेंद्र केशरी, बसंत सिंह, भामाशाह प्रधानाचार्य रजनीश पांडेय, प्रिंस रविशंकर, सोमनाथ कुमार, नितेश कुमार, योगेश्वर साव, सुरेंद्र कुमार एवं अरुण झा सहित बड़ी संख्या में बंधु-भगिनी उपस्थित रहे।

विदाई समारोह

विद्यालय परिवार ने 10वीं व 12वीं के विद्यार्थियों को दी विदाई

नशे के सेवन से बचने की आवश्यकता : एसडीपीओ

- शिक्षा से ही समाज, परिवार व क्षेत्र का विकास संभव है

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड अंतर्गत गंगपाचो स्थित सीबीएसई बोर्ड से प्लस टू तक मान्यता प्राप्त डिवाइन पब्लिक स्कूल में वर्ग दशम व बारहवीं के छात्रों को विद्यालय परिवार के द्वारा विदाई सह आशीर्वाद दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीपीओ अजित कुमार बिमल, थाना प्रभारी पंकज सिंदुरिया, प्राचार्य सायन मुखर्जी, मानवाधिकार एसोसिएशन से कृष्णा प्रजापति, निदेशक आईपी भारती, मुरलीधर महतो ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। वहीं थाना प्रभारी ने बच्चों से कहा कि आने वाले समय में बहुत सी कठिनाई आएगी उस पर अपने माता- पिता व गुरुजनों के आशीर्वाद और परिश्रम के बल पर विजय प्राप्त करना है। एसडीपीओ ने कहा कि शिक्षा से ही समाज, परिवार व क्षेत्र का विकास संभव है इसे आप लोगों को ही पुरा करना है। उन्होंने नशा मुक्ति अभियान के तहत सभी बच्चों एवं अभिभावकों से नशे के सेवन से बचने की अपील की। कहा नशे का कारोबार करने वालों के विरुद्ध हजारीबाग पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी।वहीं विद्यालय निदेशक ने कहा, मेरे अपने अनुभव के अनुसार आपको अपने जीवन में बहुत सी कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा उसे अपने आत्मविश्वास से जीतना है।
विद्यालय प्राचार्य ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा प्यारे छात्रों सफल व्यक्ति बनने की कोशिश मत करो, लेकिन इसके स्थान पर मूल्यवान व्यक्ति बनो।इस दौरान सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सभी अतिथियों ने कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी।
शिक्षकों ने बच्चों को बोर्ड परीक्षा हेतु बहुत सारी बातें बताई व उनके अच्छे परीक्षाफल की कामना की।कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय कुमार यादव, रामनन्दन कुमार ,कुलदीप पासवान ,अनिल उपाध्याय ,राजीव मोदी ,राधा कुमारी ,रूबी खातुन, रवि कुमार,अविशेष कौशल,भरत मंडल, काजल कुमारी,दीक्षा कुमारी,मानती लकड़ा समेत अन्य ने सराहनीय योगदान दिया।

मारपीट की घटना में दो व सड़क दुर्घटना में एक घायल

बरकट्ठा। दुर्घटनाएं इतनी तेजी से बढ़ रही है कि आये दिन देखने को मिल रहा है।प्रखंड क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर हुई मारपीट की घटना में दो लोग घायल हो गये। रविवार को हुई पहली मारपीट की घटना में ग्राम पेंसरा निवासी कारु रविदास 60 वर्ष पिता धर्मचंदी रविदास तथा दूसरी घटना में ग्राम डोंडहरा निवासी मुकेश कुमार प्रसाद 31 वर्ष पिता महेन्द्र प्रसाद घायल हो गये। घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा में किया गया। वहीं सड़क दुर्घटना में ग्राम चतरा निवासी सुनील कुमार यादव 26 वर्ष पिता तुकलाल यादव घायल हो गए जिसका इलाज रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा में किया गया।

भारत माला प्रोजेक्ट एक्सप्रेस-वे के हाल्ट स्टेशन को किया गया चिह्नित

हजारीबाग। वाराणसी-कोलकाता भारत माला प्रोजेक्ट एक्सप्रेस-वे का काम में तेजी आएगी। इसके लिए विभाग ने हजारीबाग जिले के 26 गांव में 733 एकड़ जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पुरी कर ली है । प्रोजेक्ट के डायरेक्टर मनोज कुमार पाण्डेय के अनुसार हजारीबाग भू-अर्जन कार्यालय ने सारी प्रक्रिया पूरी करते हुए एनओसी जारी कर दिया है। वन विभाग ने भी एनओसी देने की प्रक्रिया लगभग पुरी कर ली है। मार्च के पहले सप्ताह से हजारीबाग में काम शुरू कर दिया जाएगा। भू-अर्जन कार्यालय सभी रैयतों को मुआवजा राशि 59 करोड़ का भुगतान कर एनएचएआई को एलपीसी सौंप दिया है। जिले में 40 किलोमीटर यह एक्सप्रेस वे होगा। वाराणसी के बाद सीधे हजारीबाग जिला के कटकमदाग प्रखंड के फतहा में होल्ट स्टेशन होगा। अब भारतमाला प्रोजेक्ट को हजारीबाग में उतरने से संबंधित सारी बाधाए समाप्त हो गई। डीसी शशि प्रकाश सिंह के निर्देश और देखरेख में प्रोजेक्ट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इस प्रोजेक्ट के लिए हजारीबाग जिला में 24 हजार 455 एकड़ जमीन रैयती जमीन अधिग्रहित किया गया है। जिले के पांच प्रखंड में सबसे अधिक कटकमदाग प्रखंड के 14 गांव से भूमि का अधिग्रहण हुआ है । जिसमें दी, हारम, रेशा, सरहद, कुबा, मुकरु, हुदवा ,जोराकाठ के अलावा चार अन्य प्रखंड सदर , चुरचू , बड़कागांव और डांडी गांव से जमीन अधिग्रहण किया गया है।

37 मतदान केंद्रों के लिए 230 मतदान कर्मियों का प्रथम रेंडमाइजेशन संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त कंचन सिंह की अध्यक्षता में 16-सिमडेगा नगर परिषद के लिए मतदान कर्मियों का प्रथम रेंडमाइजेशन सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ एनआईसी झारखंड राज्य इकाई द्वारा विकसित ओपन इलेकॉन सॉफ्टवेयर के माध्यम से संपन्न की गई। सिमडेगा नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत कुल 37 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इन मतदान केंद्रों पर सुचारु, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रत्येक पद के लिए 125 प्रतिशत मतदान कर्मियों का चयन रेंडमाइजेशन के माध्यम से किया गया। प्रथम चरण

में कुल 230 मतदान कर्मियों का रेंडमाइजेशन किया गया, जिन्हें निर्वाचन कार्य से संबंधित विभिन्न दायित्व सौंपे जाएंगे। रेंडमाइजेशन के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि मतदान दलों में सभी श्रेणी के कर्मियों की संख्या संतुलित एवं समानुपातिक रहे। प्रत्येक श्रेणी में 125 प्रतिशत कर्मियों का समुचित आवंटन किया गया, जिससे मतदान दलों की संरचना सुदृढ़ रहे और चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जा सके। इस अवसर पर जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी गौरव कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी नरेश रजक तथा ईडीएम चंद्रशेखर कुमार उपस्थित रहे।

नगरपालिका आम निर्वाचन–2026 को लेकर अभ्यर्थियों की बैठक 9 फरवरी को

सिमडेगा। नगरपालिका आम निर्वाचन-2026 के तहत सभी अभ्यर्थियों के लिए व्यय अनुश्रवण संबंधी आवश्यक बैठक आयोजित की जाएगी। इसको लेकर जिला निर्वाचन शाखा की ओर से पत्र जारी कर जानकारी दी गई है।जारी सूचना के अनुसार नगर परिषद अध्यक्ष पद एवं सभी वार्ड पार्षद पद के अभ्यर्थियों के लिए इस बैठक में भाग लेना अनिवार्य किया गया है। बैठक दिनांक 09 फरवरी 2026 (सोमवार) को दोपहर 12:30 बजे से व्यय प्रेक्षक की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार, सिमडेगा में आयोजित होगी।जिला निर्वाचन शाखा ने सभी संबंधित अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि एवं समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होने की अपील की है। साथ ही निर्देश दिया गया है कि बैठक में दिए जाने वाले व्यय अनुश्रवण संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए चुनाव प्रक्रिया के दौरान अपने व्यय का सही एवं पारदर्शी अभिलेख संधारित करें।

कुरडेग में बाइक की टक्कर से वृद्ध की मौत, चालक फरार

कुरडेग। थाना क्षेत्र अंतर्गत कुरडेग–केरसई मुख्य मार्ग पर खरबाटोली गांव के समीप रविवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक वृद्ध व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गंदूर कच्छप (70 वर्ष), निवासी घुटबहार, थाना केरसई के रूप में हुई है। घटना के संबंध में मृतक के दामाद मुनेश्वर लोहरा ने बताया कि उनके ससुर गंदूर कच्छप एक दिन पहले मेहमान के रूप में उनके घर आए हुए थे। रविवार दोपहर भोजन करने के बाद वे घर से बाहर सड़क की ओर टहलने निकले थे। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक संख्या CG14MU3670 के चालक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी गंभीर थी कि वृद्ध को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।दुर्घटना के बाद बाइक चालक अपनी मोटरसाइकिल घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया।

न्यूज बॉक्स

रसोइया संयोजिकाओं की अनिश्चितकालीन हड़ताल 18 फरवरी से होगी शुरू

ठेठाईटांगर। झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोइया संयोजिका अध्यक्ष संघ की प्रखंड स्तरीय बैठक रविवार को पूर्वाह्न 11 बजे ठेठाईटांगर प्रखंड परिसर में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश कमेटी के निर्देशानुसार विभिन्न मांगों को लेकर 18 फरवरी 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया गया। संघ की ओर से स्पष्ट किया गया कि जब तक झारखंड सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं करती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।बैठक में रसोइया संयोजिकाओं ने अपनी प्रमुख मांगों को विस्तार से रखा। इनमें न्यूनतम वेतन भुगतान सुनिश्चित करने, वर्ष में दो साड़ी देने की स्थायी नियमावली लागू करने तथा कार्य के दौरान किसी दुर्घटना या जलने की स्थिति में पूरा इलाज खर्च शिक्षा विभाग द्वारा वहन करने की मांग शामिल है। इसके अलावा 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर रसोइया संयोजिकाओं को हटाने की प्रक्रिया पर रोक लगाने और जब तक स्पष्ट सरकारी नियमावली नहीं बनती, तब तक उनके स्थान पर परिवार की बहू-बेटी को कार्य देने की मांग भी रखी गई। संघ ने 10 लाख रुपये का निःशुल्क बीमा, पेंशन योजना, एपीएफ, पीएफ और ग्रेच्युटी से जोड़ने की मांग भी दोहराई।बैठक में यह भी कहा गया कि प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत आयोजित कुकिंग प्रतियोगिता में झारखंड प्रदेश स्तर पर प्रथम आने वाली रसोइया संयोजिका को पदोन्नति दी जाए, अन्यथा इस प्रतियोगिता को रद्द किया जाए। बैठक में सुनीता लोहराइन, यशोदा देवी, आशा डुंगडुंग, दुलारी लुगुन, बहालेन समद, मधु सोरेंग, पूनम तिर्की सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

कंजोगा पटियाटोली में दो नलकूपों की मरम्मत, ग्रामीणों में खुशी

कोलेबिरा। प्रखंड क्षेत्र के कंजोगा पटियाटोली में पिछले तीन माह से खराब पड़े दो नलकूपों की मरम्मत कोलेबिरा विधायक के निर्देश पर पेयजल विभाग द्वारा कर दी गई। नलकूप खराब रहने के कारण ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।इस संबंध में कांग्रेस युवा विधानसभा अध्यक्ष अमृत डुंगडुंग एवं मंडल सचिव संतोष बा ने पूर्व में कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी को समस्या से अवगत कराया था। जानकारी मिलते ही विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने पेयजल विभाग के जेई रावेल होरो को तत्काल नलकूपों की मरम्मत कराने का निर्देश दिया।विधायक के निर्देश पर पेयजल विभाग की टीम ने रविवार देर शाम दोनों खराब नलकूपों की मरम्मत कर उन्हें पुनः चालू कर दिया। नलकूपों से पानी आपूर्ति शुरू होते ही पटियाटोली के ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी लौट आई और लोगों ने राहत की सांस ली। मौके पर कांग्रेस युवा विधानसभा अध्यक्ष अमृत डुंगडुंग, मंडल सचिव संतोष बा, जनार्दन सिंह, गिरधारी सिंह, गणेश सिंह, काशीनाथ सिंह, एतवा केरकेट्टा तथा पेयजल विभाग के कर्मी विल्सन टेटे, धर्मदास खेस, महेश केरकेट्टा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित थीं।

रणधीर वर्मा ट्रॉफी में खूंटी को 155 रनों से पराजित कर सिमडेगा पहुंची सेमीफाइनल में

सिमडेगा। खेल की नगरी सिमडेगा के धुरंधरों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि सिमडेगा की माटी में खेल के जुनून का अंडर करंट दौड़ता है। जिसे छूकर सिमडेगा के बच्चे मैदान फतह कर लेते है। धनबाद के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में रविवार झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित रणधीर वर्मा ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में सिमडेगा की सीनियर क्रिकेट टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 42 ओवर में 10 विकेट खोकर 219 रन बनाए। सिमडेगा की तरफ से सबसे अधिक 50 रन हर्ष कुमार ने बनाए। जवाबी पारी खेलते हुए खूंटी की टीम 13 ओवर में महज 64 रनों में सिमट गई। सिमडेगा की तरफ से सबसे अधिक 06 विकेट जयप्रकाश यादव ने लिए। इस तरह खूंटी की टीम को 155 रनों से करारी शिकस्त देकर सिमडेगा की टीम सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई। इस टूर्नामेंट का सेमीफाइनल 10 फरवरी को और फाइनल मैच 12 फरवरी को खेला जाएगा। टीम सिमडेगा की जीत पर जेएससीए बोर्ड सदस्य श्रीराम पुरी, राजेश शर्मा, सिमडेगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष बिजय पूरी सहित एसोसिएशन के तौकीर उस्मानी, शशि मिश्रा, अनूप प्रसाद, आशीष शास्त्री, सुहैब शाहिद, प्रेम गिरी, तसु, सुनील कुमार, सुनील सहाय, सुशील श्रीवास्तव, कमल शर्मा, दिलीप तिर्की, दीपक अग्रवाल, अनिल कुंडलना, सफीक खान, समी आलम सहित समिति के सभी सदस्यों ने टीम को बधाई दी।

छोटकादुइल गांव में पेसा नियमावली पर ग्राम सभा की बैठक आयोजित

बानो। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम छोटकादुइल में ग्राम सभा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पेसा (पंचायत विस्तार अनुसूचित क्षेत्र) नियमावली पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए ग्रामीणों को इसके विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी गई।बैठक की अध्यक्षता ग्राम सभा के ग्राम प्रधान हरिकिशोर साय ने की। उन्होंने बताया कि पेसा नियमावली को गांव में प्रत्येक सप्ताह सामूहिक रूप से पढ़ा जाएगा, ताकि गांव के सभी लोग इस नियमावली से सीधे तौर पर परिचित हो सकें और अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों को भली-भांति समझ सकें। ग्राम प्रधान ने कहा कि पेसा नियमावली ग्राम सभा को सशक्त बनाने का एक सशक्त माध्यम है। यह आदिवासी समाज के स्वशासन, पारंपरिक व्यवस्था, अधिकारों और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे नियमावली के प्रावधानों को समझकर अपने गांव के विकास एवं संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। बैठक में उपस्थित ग्राम सभा के सदस्यों ने एकमत से कहा कि वे पेसा नियमावली को गंभीरता से समझने और उसके अनुरूप कार्य करने का प्रयास करेंगे। सदस्यों ने कहा कि पेसा केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि गांव के लोगों के अधिकार, आत्मनिर्णय और पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था की रक्षा का मजबूत आधार है। बैठक के अंत में ग्रामीणों ने पेसा नियमावली के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया तथा ग्राम सभा की भूमिका को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने पर जोर दिया।

नगरपालिका चुनाव–2026

मतदान केंद्रों पर एएमएफ सुविधाओं का भौतिक निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। नगरपालिका आम चुनाव–2026 के सुचारू एवं शांतिपूर्ण संचालन को लेकर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी पवन कुमार महतो ने विभिन्न मतदान केंद्रों का भौतिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्रों पर उपलब्ध आवश्यक न्यूनतम सुविधाओं की स्थिति का विस्तार से जायजा लिया गया।

निरीक्षण के क्रम में पेयजल, शौचालय, बिजली, रैंप, फर्नीचर तथा सुरक्षा व्यवस्था की उपलब्धता की समीक्षा की गई। साथ ही यह भी देखा गया कि दिव्यांग मतदाताओं एवं वृद्धजनों के लिए सुगम आवागमन की व्यवस्था ठीक ढंग से की गई है या नहीं। जिन मतदान केंद्रों पर किसी प्रकार की कमी पाई गई, वहां संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया, ताकि मतदान के दिन मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समय सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूरी करने को कहा।निरीक्षण के दौरान जिला पंचायती राज पदाधिकारी दयानंद कार्जी सहित निर्वाचन शाखा के कर्मी भी उपस्थित रहे।

दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

सिमडेगा। जिले में एक बार फिर तेज रफ्तार और सड़क हादसों का कहर देखने को मिला है। दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई, जिससे क्षेत्र में शोक का माहौल है।पहली घटना केरसई थाना क्षेत्र के वनदुर्गा रोड पर हुई। जानकारी के अनुसार केशलपुर निवासी मिलेक्शन केरकेट्टा अपने एक रिश्तेदार के घर केरसई गया हुआ था। वहां से वह बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान वनदुर्गा के पास उसकी बाइक असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई।वहीं दूसरी घटना सदर थाना क्षेत्र के तामड़ा रोड पर घटी। बताया गया कि पालकोट सनईडीह निवासी रजत सोरेंग किसी काम से फ़ारसाबेड़ा आया था। काम खत्म कर वह बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी क्रम में तामड़ा रोड स्थित जनता उच्च विद्यालय के पास उसकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में भी उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौत हो गई।दोनों घटनाओं की सूचना मिलते ही संबंधित थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी।

कुरडेग जतरा मेला का जिप उपाध्यक्ष ने किया उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

कुरडेग। प्रखंड के माइकल किंडो स्टेडियम परिसर में रविवार को पारंपरिक जतरा मेला का शुभारंभ हर्षोल्लास और उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। मेला का उद्घाटन जिप उपाध्यक्ष सोनी कुमारी पैंकरा, थाना प्रभारी संतोष कुमार राय, विधायक प्रतिनिधि दीपक जैसवाल, मुखिया उर्मिला कुजूर तथा झामुमो के केंद्रीय सदस्य नुसरत खातुन ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।इस अवसर पर मेला के संवेदक सजान खान ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए मेला की परंपरा और इसकी सामाजिक महत्ता पर प्रकाश डाला। उद्घाटन के बाद जिप उपाध्यक्ष सोनी कुमारी पैंकरा ने कहा कि ऐसे पारंपरिक मेले हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आपसी सौहार्द्र के प्रतीक होते हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन लोगों को एक-दूसरे के करीब लाता है तथा ग्रामीण जीवन की खुशहाली, पारंपरिक मेल-जोल और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करने का

सशक्त माध्यम है। उन्होंने यह भी कहा कि यह मेला वर्षों से इस क्षेत्र की पहचान रहा है और इसकी परंपरा को सुरक्षित एवं जीवित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

विधायक प्रतिनिधि दीपक जैसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि जतरा मेला हमारे पारंपरिक रीति-रिवाजों, लोक संस्कृति और सामाजिक एकता की जीवंत झलक प्रस्तुत करता है। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजनों से स्थानीय छोटे व्यापारियों, हस्तशिल्पकारों और ग्रामीण विक्रेताओं को आर्थिक लाभ मिलता है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है।मेले में लगे बड़े बिजली झूला, ड्रैगन ट्रेन, ब्रेक डांस, टोरा-टोरा, बड़ी नाव झूला तथा बच्चों के लिए लगाए गए छोटे-छोटे झूले, मिकी माउस और मिनी ट्रेन आकर्षण के प्रमुख केंद्र बने हुए हैं। इन मनोरंजन साधनों का आनंद लेने के लिए बच्चों से लेकर युवाओं तक में खासा उत्साह देखा जा रहा है।मेले में मिठाई, कपड़े, बर्तन, खिलौने, श्रृंगार सामग्री, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, जलपान एवं भोजन की कई प्रकार की दुकानें सजी हुई हैं, जहां खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ रही है। स्थानीय व्यंजनों की सुगंध और पारंपरिक बाजार का दृश्य मेले की रौनक को और बढ़ा रहा है।बताते चलें कि इस पारंपरिक जतरा मेले में पड़ोसी राज्य ओडिशा और छत्तीसगढ़ से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं और कई दिनों तक मेले का आनंद लेते हैं। इससे क्षेत्र में सामाजिक मेलजोल बढ़ता है और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी बढ़ावा मिलता है।

मशरूम खेती से बदली तस्वीर

मशरूम उत्पादन से खुली नई राह, ग्रामीण किसानों के लिए प्रेरणा

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखंड क्षेत्र के छोटकाडुईल गांव में मशरूम खेती के माध्यम से आय सृजन का एक सफल मॉडल सामने आया है, जिसने ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। गांव के ग्राम प्रधान हरिकिशोर साय और उनकी पत्नी दामिनी देवी ने सीमित संसाधनों के बीच मशरूम उत्पादन शुरू कर यह साबित कर दिया है कि कम लागत में भी खेती को लाभकारी बनाया जा सकता है।दोनों ने पहले मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण प्राप्त किया और उसके बाद घर के भीतर उपलब्ध छोटे से स्थान का उपयोग करते हुए उत्पादन की शुरुआत की। आवश्यक सामग्री की व्यवस्था

कम खर्च में की गई तथा प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीकों के अनुसार नियमित देखभाल, नमी नियंत्रण और समय पर कटाई सुनिश्चित की गई। मेहनत का परिणाम यह रहा कि अब तक करीब 2000 रुपये मूल्य का मशरूम स्थानीय बाजार में बेचा जा चुका है, जिससे परिवार की आय में अतिरिक्त बढ़ोतरी हुई है।हरिकिशोर साय का कहना है कि मशरूम की खेती आसान, कम जगह में संभव और जल्दी लाभ देने वाली गतिविधि है। उनके अनुसार यह छोटे किसानों और ग्रामीण परिवारों के लिए आय का सशक्त विकल्प बन सकती है। इस पहल से गांव के अन्य किसान भी प्रेरित हुए हैं और वैकल्पिक खेती की ओर रुझान दिखा रहे हैं। हरिकिशोर साय अब अन्य ग्रामीणों को मशरूम खेती से जोड़ने और गांव स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

बानो। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, बानो में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की वार्डन कमला बड़ाईक ने हरा झंडा दिखाकर किया। प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 11वीं तक की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्राओं को चार दलों—लीली, सूर्यमुखी, कमल और गुलाब—में विभाजित कर विभिन्न खेल स्पर्धाओं में शामिल किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत ऊंची कूद, लंबी कूद, चम्मच दौड़, म्यूजिकल चेयर रेस, वाद-विवाद प्रतियोगिता, रस्सी दौड़ और मार्च पास्ट जैसे विविध आयोजन किए गए। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत

किया गया तथा अन्य छात्राओं को भी सांत्वना पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया।इस अवसर पर वार्डन कमला बड़ाईक ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ जीवन में खेलकूद भी अत्यंत आवश्यक है। खेल के माध्यम से आज बेहतर करियर और रोजगार के अवसर भी प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सिमडेगा जिला खिलाड़ियों की नर्सरी के रूप में जाना जाता है और यहां के कई खिलाड़ी हॉकी एवं फुटबॉल जैसे खेलों में राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना चुके हैं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, इसलिए छात्राओं को पढ़ाई और खेल दोनों में संतुलन बनाकर आगे बढ़ना चाहिए।उन्होंने छात्राओं को सरकार द्वारा बालिका शिक्षा के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने की भी सलाह दी। प्रतियोगिता कार्यक्रम का संचालन पीटी शिक्षिका अनास्तसिया मिंज ने किया।

कांग्रेस का सख़्त रुख, पुष्पा कुल्लू निष्कासित

सिमडेगा। आगामी शहरी स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने संगठनात्मक अनुशासन को सख्ती से लागू करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में सिमडेगा जिला कांग्रेस कमेटी ने पार्टी-विरोधी गतिविधियों के आरोप में पुष्पा कुल्लू को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूषण बड़ा द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि यह कार्रवाई झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर की गई है। पार्टी की ओर से स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस समर्थित अधिकृत प्रत्याशियों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी और केवल अधिकृत उम्मीदवारों को ही समर्थन दिया जाएगा। पत्र के अनुसार, पुष्पा कुल्लू को 6 फरवरी 2026 को जिला कांग्रेस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया था, लेकिन वे निर्धारित तिथि को उपस्थित नहीं हुईं और न ही कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया। इसके बाद भी उनके द्वारा पार्टी निर्देशों की अवहेलना जारी रहने की जानकारी सामने आई।

कोलेबिरा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नामांकन की प्रक्रिया शुरू

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। प्रखंड अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कोलेबिरा में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। यह नामांकन कक्षा VI, VII, VIII एवं IX में कोटिवार छात्राओं के लिए किया जा रहा है।विद्यालय की वार्डन पूनम साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि नामांकन के दौरान अनाथ, एकल अभिभावक की संतान, गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों की बच्चियाँ, आदिम जनजाति की छात्राएँ तथा वे बालिकाएँ जो किसी कारणवश शिक्षा से वंचित रह गई हैं या बीच में पढ़ाई छोड़ चुकी हैं, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।नामांकन के इच्छुक अभिभावकों के लिए आवश्यक है कि छात्राओं के आवेदन पत्र संबंधित पोषक क्षेत्र के विद्यालय की माता समिति द्वारा अनुशंसित हों। सभी आवेदन पत्र विद्यालय में निर्धारित प्रक्रिया के तहत जमा किए जाएंगे।विद्यालय प्रबंधन समिति ने अभिभावकों से अपील की है कि वे पात्र बालिकाओं का समय पर नामांकन सुनिश्चित कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं निःशुल्क आवासीय शिक्षा का लाभ दिलाएं।

संस्कार दिवस जी.ई.एल चर्च ऐडेगा मंडली में गिरजाघर संस्कार दिवस व विभिन्न धार्मिक आयोजन संपन्न

गिरजाघर सेवा, प्रेम और एकता का केंद्र : विधायक

- समाज में शांति, सद्भाव व भाईचारे का संदेश फैलाने का आह्वान किया गया

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। प्रखंड अंतर्गत ऐडेगा पंचायत स्थित जी.ई.एल चर्च ऐडेगा मंडली सह पास्टोरेट में गिरजाघर संस्कार दिवस, पास्टोरेट स्थापना दिवस एवं पादरी भवन संस्कार स्मरण दिवस के अवसर पर एक भव्य एवं श्रद्धापूर्ण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मसीही विश्वासी एवं गणमान्य अतिथि शामिल हुए।समारोह की अगुवाई

ऐडेगा पास्टोरेट के चेयरमैन पादरी एस. गुड़िया ने की। कार्यक्रम से पूर्व विशेष मिस्सा पूजा का आयोजन हुआ, जिसमें विश्वासियों ने सामूहिक रूप से प्रार्थना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजा के उपरांत महिला संघ की सदस्यों ने पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की थाप पर नृत्य प्रस्तुत करते हुए अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें फूल-माला पहनाकर मंच तक सम्मानपूर्वक लाया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सभी लोगों को प्रभु यीशु द्वारा बताए गए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने पापों

का अंगीकार कर पश्चाताप करना चाहिए, नियमित रूप से चर्च जाकर प्रार्थना करनी चाहिए तथा परमेश्वर के राज्य की खोज में जीवन को समर्पित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने हमें शांति और प्रेम का मार्ग दिखाया है, जिसे अपनाकर हम अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

वहीं ऐडेगा पास्टोरेट के चेयरमैन पादरी एस. गुड़िया ने कहा कि गिरजाघर केवल उपासना का स्थान नहीं है, बल्कि यह प्रेम, सेवा, त्याग और एकता का केंद्र भी है। उन्होंने विश्वासियों से प्रभु के वचनों को अपने जीवन में उतारने तथा समाज में भाईचारे, शांति और सद्भाव का संदेश फैलाने का आह्वान किया।इस अवसर पर कांग्रेस अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष रावेल लकड़ा, कांग्रेस प्रदेश सचिव फुल्केरिया डांग, कांग्रेस कोलेबिरा विधानसभा युवा अध्यक्ष अमृत डुंगडुंग, कांग्रेस पूर्वी मंडल अध्यक्ष जोसेफ सोरेंग, कांग्रेस पश्चिमी मंडल अध्यक्ष राकेश कोनगाड़ी, कांग्रेस कोलेबिरा महिला प्रखंड अध्यक्षा महिमा केरकेट्टा, कांग्रेस मंडल महासचिव संतोष बा, संजय हेरेंज, सम्मानित संच एस. समद, पी. तिर्की सहित पास्टोरेट महिला संघ एवं युवा संघ के सभी पदाधिकारी तथा विभिन्न मंडलियों के मसीही विश्वासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सीएम की बुआ सुखी टुडू ने नन्हे हाथी को पिलाया दूध, प्रकृति प्रेम का दिया संदेश

नवनी मेल संवाददाता

चांडिल। दलमा वण्यप्राणी अभयारण्य की पहाड़ों में सिर्फ जंगल की खामोशी नहीं ओढ़ी थी, बल्कि वहां ममता की धड़कन भी साफ़ सुनाई दे रही थी। दिवंगत आंदोलनकारी साथी कपूर बागी की मां और दिशोम गुरु दिवंगत शिबू सोरेन की बहन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की बुआ सुखी टुडू ने रविवार को जब अपने हाथों से एक नन्हे हाथी के बच्चे को दूध पिलाया तो इंसान और प्रकृति के रिश्ते को नई परिभाषा दे गया। अनाथ सा भटकता वह हाथी का बच्चा केवल भूखा नहीं था, उसकी आंखों में डर और असहायपन झलक रहा था। वहीं सुखी टुडू की आंखों में वही ममता थी, जो किसी मां के दिल से बहती है, जो न जाति देखती है, न प्रजाति। उस क्षण न कोई बड़ा था, न कोई छोटा। एक ओर जीवन की जरूरत थी, तो दूसरी ओर निस्वार्थ प्रेम।

गुरुजी की बहन सुखी टुडू ने इस छोटे से कार्य से आदिवासी दर्शन का गहरा संदेश दिया, जहां जंगल मां है और उसका हर जीव संतान। जब दुनिया दिन-ब-दिन कठोर होती जा रही है, जब जंगल उजाड़े जा रहे हैं, ऐसे समय में दलमा से उभरा यह दृश्य मनुष्य के भीतर सोई हुई इंसानियत को जगाता है।नन्हे हाथी सिर्फ़ दूध नहीं पी रहा था, वह भरोसा पी रहा था, वह जीवन पी रहा था। और हम सब यह सीख रहे थे कि अगर इंसान चाहे, तो वह भगवान नहीं, मां बन सकता है। जल-जंगल-जमीन की रक्षा ही सबसे बड़ी इबादत है।

चुनाव को लेकर चाकुलिया में पुलिस सतर्क

अवैध शराब के दो अड्डे ध्वस्त

नवीन मेल संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया में नगर पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में रविवार को चाकुलिया थाना क्षेत्र के मौराबांधी गांव में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शराब निर्माण के दो प्रमुख ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से इलाके में अवैध शराब का निर्माण और भंडारण किया जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने सशस्त्र बलों के सहयोग से संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान मौके से लगभग 350 किलोग्राम जावा महुआ, शराब निर्माण में प्रयुक्त उपकरण तथा करीब 15 लीटर तैयार देसी शराब जब्त की गई।

मामले की गंभीरता और सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने बरामद जावा महुआ, भट्ठियों और अन्य सामग्री को मौके पर ही नष्ट कर दिया। इस संबंध में उत्पाद विभाग को भी आधिकारिक रूप से सूचित कर दिया गया है, ताकि अवैध शराब कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

पुलिस की इस अचानक और प्रभावी कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस तरह की कार्रवाइयां आगे भी जारी रहेंगी।

न्यूज बॉक्स

नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस सख्त, पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में दो निलंबित

गुमला। शहरी स्थानीय निकाय चुनाव के दौरान संगठनात्मक अनुशासन बनाए रखने को लेकर जिला कांग्रेस कमिटी, गुमला ने कड़ा रुख अपनाया है। पार्टी विरोधी गतिविधियों एवं संगठनात्मक निर्देशों की अवहेलना के आरोप में जिला कांग्रेस कमिटी ने ज्योति कुजूर एवं जसमनी लुगुन को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष राजनील तिग्गा द्वारा जारी पत्र के अनुसार, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने 2 फरवरी 2026 को स्पष्ट निर्देश जारी किया था कि नगर निगम के महापौर एवं नगर परिषद के अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवारों का चयन जिला राजनीतिक मामलों की समिति से परामर्श एवं सर्वसम्मति से किया जाएगा। पार्टी केवल उन्हीं प्रत्याशियों का समर्थन करेगी, जिन्हें समिति की स्वीकृति प्राप्त हो। इसके बाद 5 फरवरी 2026 को प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा पुनः निर्देश जारी करते हुए यह स्पष्ट किया गया कि नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 6 फरवरी 2026 को अपराह्न 3 बजे तक निर्धारित है। साथ ही यह भी कहा गया था कि जिन उम्मीदवारों को पार्टी का अधिकृत समर्थन प्राप्त नहीं है, उन्हें समय रहते नाम वापस लेने के निर्देश दिए जाएंगे। निर्देशों की अवहेलना की स्थिति में अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई थी।

बाबा टांगीनाथ धाम में महाशिवरात्रि मेले की तैयारियां तेज

डूमरी (गुमला)। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल बाबा टांगीनाथ धाम में आगामी महाशिवरात्रि मेले के सफल आयोजन को लेकर समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक संजय साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और मंदिर की मर्यादा बनाए रखने के लिए कई कड़े और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।समिति ने स्पष्ट किया है कि मंदिर की पवित्रता बनाए रखने के लिए मुख्य मंदिर परिसर में अगरबत्ती जलाने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। सभी हिंदू महिलाओं और बच्चियों से अपील की गई है कि वे भारतीय सांस्कृतिक परिधान पहनकर ही धाम आएं। मुख्य मंदिर के अंदर नारियल फोड़ना वर्जित रहेगा; श्रद्धालु बाहर संकल्प कर नारियल रख सकेंगे। सोमवार सुबह 5:00 बजे के बाद ही बलि दी जाएगी।भीड़ नियंत्रण के लिए मेले में चार अलग-अलग प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। श्रद्धालु झरने के मार्ग से होते हुए मुख्य मंदिर तक पहुँचेंगे। महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतारों की व्यवस्था होगी। परिसर में कंट्रोल रूम, पेयजल, पानी टैंकर, शौचालय और झरने के पास महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की विशेष व्यवस्था की जाएगी। मेले के अनुशासन के लिए सक्रिय कार्यकर्ताओं की टीम तैनात रहेगी मेले में दुकानों के लिए भी नियम निर्धारित किए गए हैं। प्रसाद की दुकानें झरने से मुख्य मंदिर जाने वाले मार्ग पर लगेंगी। समिति ने निर्देश दिया है कि सभी दुकानदारों को 8 तारीख शनिवार शाम 7 बजे तक अपना स्थान सुनिश्चित कर प्रवेश करना होगा, उसके बाद प्रवेश वर्जित रहेगा।

चौथी पुण्यतिथि पर रूपेश पांडेय को बरही में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

बरही। शनिवार को सरस्वती पूजा विसर्जन जुलूस के दौरान 7 फरवरी 2022 में मॉब लिंचिंग की घटना में जान गंवाने वाले रूपेश पांडेय की चौथी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम स्व. पांडेय के आवास नई टांड़ स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर आयोजित हुआ, जहां लोगों ने पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की। श्रद्धांजलि सभा में जिला परिषद सांसद प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, युवा भाजपा नेता मुन्ना यादव, जितेंद्र गिरी सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि रूपेश की शहादत समाज के लिए पीड़ादायक घटना थी, जिसने कानून व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने बताया कि माननीय न्यायालय द्वारा तीन दोषियों को आजीवन कारावास की सजा देकर कड़ा संदेश दिया गया है, वहीं साक्ष्य के अभाव में बरी किए गए आरोपियों को सजा दिलाने के लिए उच्चतम न्यायालय जाने की बात कही गई। इस अवसर पर परिजनों ने भावुक होकर रूपेश की स्मृतियों को साझा किया और उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में भाईचारा, शांति और न्याय के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

राष्ट्रीय सेवा मंच ने साप्ताहिक हाट भुरकुंडा में जरूरतमंदों को कराया भोजन

भुरकुंडा। राष्ट्रीय सेवा मंच की ओर से रविवार को भुरकुंडा साप्ताहिक बाजार में दूर-दराज से दातून व पत्तल बेचने आए जरूरतमंद एवं गरीब परिवारों के बीच भोजन वितरण किया गया। इस दौरान लगभग 150 जरूरतमंदों को पूड़ी-सब्जी और जलेबी परोसी गई। यह सेवा कार्यक्रम रिवर साइड भुरकुंडा निवासी स्वर्गीय शिशिर कुमार नायक की 8वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया गया। उनकी पत्नी सविता देवी ने मंच के सदस्यों के साथ मिलकर साप्ताहिक बाजार में दातून-पत्तल बेचने वाले गरीब परिवारों के बीच भोजन वितरण किया।

वार्ड पार्षद पद के सभी अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय पंजी के निरीक्षण के लिए तिथियां तय

हजारीबाग। जिला निर्वाचन पदाधिकारी हजारीबाग के निर्देशानुसार महापौर एवं वार्ड पार्षद पद के सभी अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय पंजी के निरीक्षण हेतु तिथियां एवं स्थान निर्धारित कर दिए गए हैं। निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग द्वारा जारी सूचना के अनुसार सभी अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथियों 11 फरवरी,16 फरवरी एवं 20 फरवरी 2026 को सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक अपने-अपने निर्धारित स्थलों पर उपस्थित होकर व्यय लेखा पंजी की जांच कराना अनिवार्य होगा। वार्ड संख्या 01 से 12 तक के महापौर एवं वार्ड पार्षद अभ्यर्थियों के लिए निरीक्षण स्थल नया समाहरणालय सभागार निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थियों की जांच द्वितीय तल, नया समाहरणालय में तथा वार्ड संख्या 25 से 36 तक के अभ्यर्थियों की जांच ग्राउंड फ्लोर, नया समाहरणालय, हजारीबाग में की जाएगी।

चुनाव चिह्न आवंटित होते ही प्रत्याशी प्रचार में हुए व्यस्त

- स्थानीय लोग बताते हैं यहां प्रदूषण की काफी बड़ी समस्या है

जामताड़ा। नगर परिषद चुनाव को लेकर जामताड़ा के मिहिजाम में सरगर्मी बढ़ गई है. जनता में चुनाव को लेकर खासा उत्साह नजर आ रहा है. साथ ही चुनाव में लोगों की अलग-अलग समस्या भी है. वहीं वार्ड की जनता को समस्याओं से जूझना भी पड़ रहा है. जामताड़ा जिले के मिहिजाम नगर परिषद के अध्यक्ष और वार्ड परिषद के चुनाव को लेकर सरगर्मी काफी तेज हो गई है. चुनाव चिन्ह आवंटित होते ही प्रत्याशी अपने चुनाव प्रचार एवं जनसंपर्क अभियान में बिजी हो गए हैं।

लेकिन वार्ड की जनता को उनकी समस्याओं से जूझना पड़ता है. लोग प्रदूषण, पेयजल समस्या, गंदगी, नाली, सड़क जैसे बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं. इधर, गंदगी और प्रदूषण से वातावरण तो प्रदूषित हो ही रहा है, लोग प्रदूषण के शिकार भी हो रहे हैं.

वार्ड नंबर 20 की जमीनी हकीकत वहां की जनता और प्रत्याशियों से जानने की कोशिश की तो पता चला कि वहां हालात काफी दयनीय थे. वार्ड 20 के कल कारखाने से प्रदूषण फैल रहा है, जिसके शिकार स्थानीय लोग हो रहे हैं. स्थानीय लोग बताते हैं यहां प्रदूषण की काफी बड़ी समस्या है. प्रदूषण से जीना बेहाल हो रहा है. प्रदूषण का शिकार होना पड़ता है और बीमारी होने की भी संभावना बनी रहती है. साथ ही गंदगी एवं पेजयल की समस्या बरकरार है.

एडमिट कार्ड के निर्देशों का पालन करें, समय से पहुंचें परीक्षा केंद्र : विवेक प्रधान

- विद्यार्थी विद्यालय के निर्धारित यूनिफॉर्म में ही जाएं परीक्षा केंद्र

नवीन मेल संवाददपाता

भुरकुंडा । सीबीएसई की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा 17 फरवरी से शुरू हो रही है। परीक्षा का एडमिट कार्ड जारी हो चुका है। बच्चे परीक्षा की अंतिम तैयारी में जी-जान से जुटे हैं। ऐसे में अब परीक्षा से ठीक पहले विद्यार्थियों को किन बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिए, इस संबंध में श्री अग्रसेन स्कूल, भुरकुंडा के प्राचार्य विवेक प्रधान ने अपनी बात रखी है। प्राचार्य विवेक प्रधान ने कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी से बचने के लिए विद्यार्थियों को एडमिट कार्ड में दर्ज सभी दिशा-निर्देशों को गंभीरता से पढ़ना और उसका पालन करना चाहिए। सुबह 10 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसे में विद्यार्थियों को यातायात के साधनों और दूरी को ध्यान में रखते हुए समय से पहले परीक्षा केंद्र के लिए निकलना चाहिए, ताकि अंतिम समय की हड़बड़ी और तनाव से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्र में विद्यार्थी विद्यालय की निर्धारित यूनिफॉर्म में ही जाएं और अपने साथ केवल एडमिट कार्ड, आईडी कार्ड और आवश्यक स्टेशनरी सामग्री ही रखें। मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच या किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण परीक्षा केंद्र में ले जाना पूर्णतः वर्जित है। नियमों का उल्लंघन परेशानी में डाल सकता है। विद्यार्थियों को अफवाहों से बचने की सलाह देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक सूचनाओं के चक्कर में न पड़ें। किसी भी जानकारी के लिए केवल अपने विद्यालय या सीबीएसई की आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। श्री प्रधान ने कहा कि बोर्ड परीक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण अवश्य है, लेकिन यह डरने का नहीं बल्कि आत्मविश्वास दिखाने का अवसर है।

विद्यार्थियों ने पूरे वर्ष नियमित अध्ययन किया है और अब समय है उस तैयारी पर पूरा विश्वास रखने का। परीक्षा के दौरान शांत मन से प्रश्नपत्र पढ़ें, जल्दबाजी से बचें और जो आता है, उसे पूरे आत्मविश्वास के साथ लिखें। घबराहट और नकारात्मक विचार केवल एकाग्रता को कमजोर करते हैं।

बजरंग दल ने नौ गायों को कराया मुक्त, दो आरोपी हिरासत में

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा)थाना क्षेत्र अंतर्गत मोची साईं इलाके में शनिवार देर रात गौ तस्करी के खिलाफ बजरंग दल और गौ रक्षा दल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तस्करों के चंगुल से नौ गायों को सुरक्षित मुक्त कराया। इस दौरान दो संदिग्ध तस्करों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया। पूरी कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए विशेष अभियान के तहत की गई। जानकारी के अनुसार बजरंग दल के गौ रक्षकों को देर रात सूचना मिली थी कि कुछ लोग गौ तस्करी के उद्देश्य से गायों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही गौ रक्षकों ने तत्परता दिखाते हुए मामले की जानकारी तत्काल स्थानीय थाना प्रभारी को दी। इसके बाद बजरंग दल, गौ रक्षा दल और प्रशासन की संयुक्त टीम ने मोची साईं इलाके में घेराबंदी कर कार्रवाई की।

पतरातू से दो नाबालिग बरामद

नवीन मेल संवाददाता

भुरकुंडा। भदानीनगर ओपी अंतर्गत ग्राम लपंगा से लापता हुए दो नाबालिग बच्चों को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए अग्रगति संस्था की इशरत जहां ने बताया कि दिनांक 7 फरवरी की 2026 को रात्रि करीब 11:00 बजे दूरभाष के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम

लपंगा निवासी असद अमान उम्र लगभग 13 वर्ष, पिता मो. कलीम एवं मो. अजान उम्र लगभग 13 वर्ष, पिता अब्दुल सहबाज़ संध्या के समय अपने-अपने घर से साथ निकले थे, जो देर रात तक वापस नहीं लौटे। मामले में भदानीनगर ओपी में सन्हा संख्या- 26/2026 दिनांक 07 फरवरी 26 अंकित कर खोजबीन शुरू की गई। तत्पश्चात रविवार को समय करीब 11:30 बजे पतरातू स्थित रेलवे स्टेशन के पास से दोनों नाबालिग बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस द्वारा पूछताछ में बच्चों ने बताया कि वे घूमने के लिए शाम में डालटनगंज चले गए थे। बरामदगी के बाद अग्रिम कार्रवाई हेतु दोनों नाबालिग बच्चों को चाइल्ड हेल्प लाइन को सौंपा जा रहा है।

महिला कॉलेज के इग्नू अध्ययन केंद्र में मेगा करियर काउंसलिंग

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के महिला कॉलेज चाईबासा परिसर स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र की ओर से रविवार को एक भव्य मेगा करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, प्रशिक्षुओं और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को उच्च शिक्षा एवं करियर के नए अवसरों से अवगत कराना था।

इस अवसर पर इग्नू क्षेत्रीय केंद्र के सीनियर रीजनल डायरेक्टर शुभकांत मोहंती मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के तहत डीपीएस पब्लिक स्कूल एवं इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शुभकांत मोहंती ने बताया कि इग्नू 12वीं के बाद बीए, सहित कई स्नातक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है, जो मल्टीपल एंट्री–एग्जिट प्रणाली पर आधारित हैं।

रबी फसल की सुरक्षा को लेकर पंचायत में बैठक

आवारा पशुओं से नुकसान पर चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

डुमरी (गुमला)। प्रखंड अंतर्गत डुमरी पंचायत क्षेत्र में रबी फसल की खेती को सुरक्षित रखने और किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के उद्देश्य से रविवार को पंचायत के पांच गांवों के ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रेम प्रकाश उरांव ने की।

बैठक में रबी फसल के उत्पादन में वृद्धि, किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन तथा आवारा पशुओं से फसलों को हो रहे भारी नुकसान जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामीणों ने कहा कि रबी फसल इस क्षेत्र के किसानों की आय का प्रमुख आधार है और बेहतर उत्पादन से न केवल किसानों की आमदनी बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

इस अवसर पर उन्नत बीजों के उपयोग, समय पर सिंचाई, संतुलित खाद के प्रयोग और आधुनिक खेती पद्धतियों को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में शामिल बीरेंद्र भगत, सुधीर उरांव, मदन भगत, जयचंद भगत, सरजू तिर्की, केश्वर कुम्हार, अनिल भगत, हेमंत भगत, रामकृपा भगत, अमूल भगत, बिलफ्रेड टोप्पो सहित अन्य किसानों ने अपने अनुभव साझा किए।

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ समय से आवारा पशुओं की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। खुले में छोड़े गए गाय, बैल, भैंस एवं बकरियां रात के समय खेतों में घुसकर खड़ी और तैयार फसलों को नुकसान पहुंचा रही हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। कई किसानों ने कहा कि दिन-रात मेहनत के बावजूद उनकी फसल सुरक्षित नहीं रह पा रही है।

बैठक में पशुपालकों से अपील की गई कि वे अपने पशुओं को नियंत्रित रखें और खुले में न छोड़ें। ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यदि लापरवाही के कारण फसलों को नुकसान होता है, तो पंचायत स्तर से लेकर प्रखंड प्रशासन तक शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही आवारा पशुओं द्वारा फसल नुकसान की स्थिति में प्रति पशु 500 रुपये का जुर्माना लगाने का भी निर्णय लिया गया।

इसके अलावा फसल सुरक्षा को लेकर गांव स्तर पर निगरानी व्यवस्था, सामूहिक पहरेदारी और आपसी सहयोग से ठोस कदम उठाने पर सहमति बनी। आवश्यकता पड़ने पर पंचायत प्रतिनिधियों, कृषि विभाग एवं प्रखंड प्रशासन से सहयोग लेने का भी निर्णय लिया गया।

मीडिया का सहयोग फाइलेरिया उन्मूलन के लिए महत्वपूर्ण : डॉ. बिरेंद्र

- लक्ष्य को प्राप्त करने की सबसे महत्वपूर्ण रणनीति है

नवीन मेल संवाददाता

देवघर। फाइलेरिया मुक्त झारखंड के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान को सफल बनाने हेतु अंतर्विभागीय समन्वय, सामुदायिक सहभागिता एवं मीडिया सहयोग को विशेष महत्व दिया जा रहा है। इसी क्रम में आज देवघर में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड सरकार तथा ग्लोबल हेल्थ स्ट्रेटजीज़ द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं पीरामल स्वास्थ्य सहित अन्य सहयोगी संस्थाओं के समन्वय से एक मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी भी.बी.डी. डॉ. बिरेंद्र कुमार सिंह ने झारखंड से फाइलेरिया उन्मूलन के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि समयबद्ध एवं प्रभावी एमडीए इस लक्ष्य को प्राप्त करने की सबसे महत्वपूर्ण रणनीति है।

उन्होंने जानकारी दी कि 10 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक राज्य के 11 जिलों — बोकारो, देवघर, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गिरिडीह, गुमला, रामगढ़, रांची, साहिबगंज एवं लोहरदगा में दो दवाओं डी.ई.सी. एवं अल्बेंडाज़ोल, तथा 3 जिलों — कोडरमा, पाकुड़ एवं सिमडेगा में तीन दवाओं डी.ई.सी., अल्बेंडाज़ोल एवं आइवरमेक्टिन के माध्यम से एमडीए अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्यकर्मी बूथों के माध्यम से तथा घर-घर जाकर पात्र लाभार्थियों को फाइलेरिया रोधी दवाएं खिलाएंगे। 2 वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को दवा नहीं दी जाएगी। दवा का सेवन खाली पेट नहीं करना है तथा आशा कार्यकर्ता अथवा स्वास्थ्यकर्मी की उपस्थिति में ही दवा सेवन अनिवार्य होगा।

रफ्तार का कहर, बेकाबू ट्रक ने सांसद के चचेरे भाई को कुचला, मौके पर ही मौत

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। झारखंड में दुर्घटनाओं की रफ्तार बढ़ती जा रही है। आए दिन सड़कों पर लोग इसका शिकार हो रहे हैं। कुछ तो वाहनों की बेतरतीबी से चलाने से भी हो रही है। अगर लोग इसे समझ लें तो नहीं होगा।

जिले के धमनियां मोड़ के पास रविवार को तेज रफ्तार गैस लदा वाहन की चपेट में आने से प्रह्लाद सिंह नामक बुजुर्ग की मौत हो गई, मृत बुजुर्ग सदर थाना क्षेत्र के आरा गांव निवासी थे और चतरा सांसद कालीचरण सिंह के चचेरे भाई थे. इधर, घटना की जानकारी मिलते ही सांसद कालीचरण सिंह और स्थानीय पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची, पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

जरूरतमंद बच्चों को मिला स्कूल किट

खूंटी। तपकरा स्थित आवासीय जनसेवा केन्द्र में आईएसएफ इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से घर- घर शिक्षा का ज्योति मिशन के तहत जरूरतमंद गरीब बच्चों के बीच स्कूल किट का वितरण किया गया। इस पहल के तहत कुल 25 बच्चों को स्कूल बैग, कॉपी, किताब, पेन-पेंसिल सहित आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को पढ़ाई के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित करना था। आयोजकों ने कहा कि शिक्षा ही समाज को आगे बढ़ाने का सबसे सशक्त माध्यम है और बच्चों को शुरुआती स्तर पर सहयोग मिलना उनके भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि इस तरह की पहल से न केवल बच्चों में पढ़ाई के प्रति उत्साह बढ़ता है, बल्कि समाज में भी शिक्षा के महत्व को लेकर जागरूकता आती है। जरूरतमंद बच्चों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराना हम सभी की।

राष्ट्रीय नवीन मेल

कुछ तो बात है कि जाति मिटती नहीं हमारी

इंडिया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

हजारों वर्ष की गुलामी और शोषण के बाद बिखरे हुए हताश भारत को यह बात गहरे से समझ में आ गई थी कि कर्म और रोजगार के आधार पर वर्गीकृत भारत की आपसी फूट और एक दूसरे को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति को विदेशी आक्रांताओं ने खूब बढ़ावा दिया और बहुत ही चतुराई या धूर्तता से एक दूसरे लड़ाकर से न सिर्फ भारत को लूटा बल्कि इसकी आत्मा को घायल कर इसकी आत्मनिर्भरता की अवधारणा को छिन्न भिन्न कर दिया जिससे इसके कुटीर उद्योग बंद हो गए और दिखावा आधारित विदेशी संस्कृति में विदेशी वस्तुओं के प्रति आकर्षण बढ़ गया जबकि भारत की हर वस्तु तुच्छ नजर आने लगी। मुगलों ने ऐश करना सिखाया जिसमें भेदभाव बढ़ा और अंग्रेजों ने फूट डालो शासन करो कि नीति अपनाई। संभवतः इसी लिए आजादी की लड़ाई में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज से लेकर लगभग सभी संगठनों में जाति धर्म विहीन एक स्वतंत्र भारत के लिए लड़ाई की भावना विकसित हुई जिसकी झलक संविधान की प्रस्तावना में भी दिखती है। जिन्होंने आजादी की लड़ाई लड़ी वे पुरस्कार या सम्मान के लिए लालायित भी नहीं थे पर राजनीति के खिलाड़ियों ने धीरे धीरे इसे भुनाया और दूसरी तरफ सुविधाएं बांटने के नाम पर जातीय धार्मिक भावनाओं को भी बढ़ावा दिया जिससे वे सत्ता में बने रह सकें।जाति-वर्ग विहीन समतापूर्वक समाज की कल्पना तो हम करते हैं, पर राजनीति में जातिगत पहचान को और गाढ़ा करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। जहां कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी 'जितनी आबादी, उतना हक' रूपी बात करते हैं, वहीं 'विश्वविद्यालय अनुदान आयोग' (यूजीसी) 'समता विनियम 2026' के रूप में ऐसे नियम लेकर आता है, जिससे जातिगत वैमनस्य बढ़ने की संभावना प्रबल होती है। भारत में जाति सच है, परंतु जातिगत विद्वेष भारतीय परंपरा का हिस्सा नहीं है। इसका बीजारोपण पांच सहस्त्राब्दी पहले तब हुआ, जब यूरोपीय आक्रांताओं और ईसाई मिशनरियों ने भारत में अपनी जड़ें जमाना प्रारंभ किया। यह सच है कि हिंदू समाज में सदियों तक अस्पृश्यता जैसी सामाजिक विकृति विद्यमान रही, किंतु इसे समाप्त करने हेतु समाज के भीतर से निरंतर सुधार आंदोलनों की आवाजें उठती रहीं। सिख गुरुओं से लेकर स्वामी विवेकानंद, दयानंद सरस्वती, स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती, गांधी जी, वीर सावरकर, डॉ. आंबेडकर और डॉ. हेडगेवार आदि ने अस्पृश्यता रूपी सामाजिक व्याधि के विरुद्ध सफलतापूर्वक आंदोलन चलाया। यह किसी बाहरी दबाव से नहीं, आंतरिक चेतना से संभव हुआ। इन्हीं सतत प्रयासों के चलते स्वतंत्र भारत ने आरक्षण व्यवस्था को स्वीकार किया और बौद्धिक जगत में आज अस्पृश्यता के पक्ष में कोई वैचारिक समर्थन शेष नहीं है। भारत को अनेक खांचों में विभाजित करने की प्रवृत्ति बाहरी शक्तियों की दीर्घकालिक रणनीति रही है। इसी में से एक—हिंदू समाज— विशेषकर सवर्णों (ब्राह्मण सहित) के दानवीकरण की सुनियोजित रणनीति है, जिसका उद्देश्य समाज के वैचारिक और सांस्कृतिक नेतृत्व को संदेह के घेरे में लाकर हिंदू चेतना और स्वाभिमान को समाप्त करना था। इन साजिशों की जड़ें सोलहवीं शताब्दी तक जाती हैं। दक्षिण भारत में जेसुइट मिशनरी फ्रांसिस जेवियर ने अपने पत्राचार में ब्राह्मणों को ईसाई धर्मांतरण के मार्ग का मुख्य बाधक बताया था। इसके उपरांत 'गोवा इंक्विजिशन' का कठोर अध्याय प्रारंभ हुआ, जहां मजहबी असहमति को अपराध की दृष्टि से देखा गया। बाबासाहेब डॉ. आंबेडकर ने भी इस कालखंड की क्रूरता का संज्ञान लिया था। फिर 18वीं शताब्दी में प्लासी युद्ध के पश्चात अंग्रेजों ने मजहबी और शैक्षिक हस्तक्षेप से धर्मांतरण और ब्राह्मण-विरोध को संस्थागत रूप दिया। वर्ष 1813 के चार्टर एक्ट के साथ मिशनरी गतिविधियों को वैधानिक संरक्षण मिला। इसी चिंतन के संगठित प्रतिपादन हेतु थॉमस बैबिंगटन मैकाले ने 1835 में शिक्षा नीति का खाका प्रस्तुत किया, जिसका उद्देश्य मैकाले के निजी पत्राचार में मिलता है। उन्होंने 1836 में अपने पिता को लिखा था-'यदि हमारी शिक्षा नीति सफल रही, तो तीस वर्षों के भीतर बंगाल में एक भी मूर्तिपूजक नहीं बचेगा।' इसी कालखंड में अन्य यूरोपीय फ्रेडरिक मैक्समूलर ने वेदों, उपनिषदों और अन्य संस्कृत ग्रंथों का दुर्भावनापूर्वक अंग्रेजी अनुवाद किया। इसकी मंशा का उल्लेख मैक्समूलर ने अपनी पत्नी को 1867 में लिखे पत्र में किया था-'मुझे पूरा विश्वास है कि मेरे द्वारा तैयार किया गया अनुवाद भविष्य में भारत के भाग्य पर गहरा प्रभाव डालेगा। पिछले तीन हजार वर्षों में उससे जो कुछ भी उत्पन्न हुआ है, उसे जड़ से उखाड़ फेंकने का यही एकमात्र उपाय है।' ऐसे पत्रों की भरमार है। कालांतर में इसी मानसिकता के गर्भ से 'आर्य आक्रमण सिद्धांत' जन्मा, 'जस्टिस पार्टी' का गठन और 'द्रविड़ आंदोलन' का उदय हुआ। अस्पृश्यता निस्संदेह गंभीर अपराध है। किंतु इसे केवल कथित रूप से ब्राह्मणों की देन बताना इतिहास की बहुस्तरीयता को नकारना है। प्रायः इस संदर्भ में अक्सर 'मनुस्मृति' को लांछित किया जाता है। पहली बात-मनु स्वयं ब्राह्मण नहीं थे और दूसरी बात—हिंदू परंपरा किसी एक ग्रंथ, एक पैगंबर या संहिताबद्ध सिद्धांत से नहीं बंधी है। इसकी विशेषता निरंतर परिवर्तन और आत्मसमीक्षा है। डॉ. आंबेडकर के अनुसार, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मनु ने जाति कानून नहीं बनाया, यह वर्ण-व्यवस्था मनु से बहुत पहले से अस्तित्व में थी।' उन्होंने इसके लिए ब्राह्मणों को कोई दोष नहीं देते हुए लिखा, 'ब्राह्मण कई दूसरी चीजों के दोषी हो सकते हैं, किंतु गैर-ब्राह्मण आबादी को जाति-व्यवस्था में बांधना उनके स्वभाव के प्रतिकूल था।' यही नहीं, डॉ. आंबेडकर 'आर्य आक्रमणकारी सिद्धांत' को ब्रितानियों की मनगढंत झूठी कहानी तक बता चुके थे। बाबासाहेब ने यह भी स्पष्ट किया था-'शूद्र सूर्यवंशी आर्य समुदायों में से एक थे। एक समय ऐसा था, जब आर्य समाज केवल तीन वर्णों (ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य) को ही मान्यता देता था। शूद्र कोई पृथक वर्ण नहीं थे; वे क्षत्रिय वर्ण का ही अंग माने जाते थे। शूद्र राजाओं और ब्राह्मणों के बीच निरंतर संघर्ष चलता रहता था, जिसमें ब्राह्मणों को अनेक अत्याचारों और अपमानों का सामना करना पड़ा।' डॉ. आंबेडकर ने आगे लिखाः 'शूद्रों द्वारा किए गए अत्याचारों और उत्पीड़नों से अपमानित ब्राह्मणों ने शूद्रों का उपनयन (जनेऊ संस्कार) करना अस्वीकार कर दिया। इससे वंचित किए जाने के कारण, जो शूद्र मूलतः क्षत्रिय थे, वे सामाजिक रूप से बहिष्कृत हो गए, वैश्य वर्ण से भी नीचे चले गए, और इस प्रकार वे चौथे वर्ण के रूप में स्थापित हो गए।'यह जातिप्रथा की विकृति का ही परिणाम है कि यदुकुल में जन्मे और भगवान विष्णु के आठवें अवतार श्रीकृष्ण वर्तमान नैरेटिव में ओबीसी कहलाएंगे, जिनकी उपासना अनादिकाल से असंख्य हिंदू कर रहे हैं। वेदों और महाभारत का संग्रह करने वाले कृष्णद्वैपायन महर्षि वेद-व्यास का जन्म मछुआरिन सत्यवती की कोख से हुआ था। 'श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण' के रचयिता आदिकवि महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अलंकृत समुदाय दलित के रूप में वर्गीकृत है। रामायण के सबसे कठिन काल में श्रीराम ने उन लोगों (हनुमानजी, सुग्रीव, केवट, निषाद, भील सहित) को अपना सहयोगी-सलाहकार बनाया, जिन्हें आज की भाषा में वनवासी, आदिवासी, पिछड़ा या अति-पिछड़ा कहा जाएगा।

विचार प्रवाह

जानबूझकर आप जो भी करते हैं, उसके प्रति सावधान रहें, क्योंकि यदि आपकी इच्छा-शक्ति अत्यंत बलशाली न हुई, तो अवचेतन मन की आदतों को प्रभावित करने की शक्ति के कारण आपको विवशतापूर्वक वही कार्य बारंबार करना पड़ सकता है। - **श्री श्री परमहंस योगदानंद**

स्वाधीनता सेनानी बाबा आमटे का संपूर्ण जीवन कुष्ठ रोगियों के कल्याण को समर्पित रहा था

आज की बात

विजय केसरी
कथाकार /स्तंभकार

आमटे 'नर्मदा बचाओ आंदोलन' के माध्यम से देश की एक नई तस्वीर प्रस्तुत की थी। उनका मत था पर्यावरण और विस्थापन की कीमत पर विकास नहीं होना चाहिए। उन्होंने नर्मदा बचाओ आंदोलन के माध्यम से आदिवासियों के अधिकारों के लिए जमकर संघर्ष किया था।

(9 फरवरी, महान सामाजिक कार्यकर्ता बाबा आमटे की 18 वीं पुण्यतिथि पर विशेष)

महान स्वाधीनता सेनानी, सामाजिक कार्यकर्ता सह गांधीवादी विचारक बाबा आमटे का संपूर्ण जीवन कुष्ठ रोगों के कल्याण को समर्पित रहा था। बाबा आमटे ने कुष्ठ रोगियों के कल्याण के लिए जमी जमाई वकालत छोड़ कर चंद्रपुर में 'आनंदवन' की स्थापना कर उन्हें सम्मानजनक जीवन प्रदान किया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से प्रभावित होकर आजीवन गांधीवाद को न सिर्फ अपनाया बल्कि आजीवन प्रचार प्रसार भी किया। इसलिए उन्हें आजाद भारत का 'आधुनिक गांधी' के रूप में भी जाना जाता है। जिस काल खंड में उन्होंने कुष्ठ रोगियों के कल्याण के लिए अपना कदम आगे बढ़ाया था, कई तरह की भ्रांतियां इस रोग से संबंधित समाज में फैली हुई थी, लेकिन सभी भ्रांतियों को नजरअंदाज कर जो कुछ भी किया, सदा याद किया जाता रहेगा। उन्होंने कुष्ठ रोगियों की न सिर्फ सेवा की बल्कि और उन सबों के पुनर्वास के लिए जो कदम उठाया, उसकी प्रासंगिकता आज तक बनी हुई है। कुष्ठ रोग के विषय में कई ऐसी भ्रांतियां फैली हुई थी कि अगर किसी को यह रोग लग जाए, तो उसे अपने ही परिवार और समाज से अलग हो जाना पड़ता था। एक और जहां कुष्ठ रोगी अपने रोग से परेशान थे, वहीं परिवार और समाज से भी उपेक्षित हो रहे थे। ऐसे समय में बाबा आमटे ने उन सबों का थाम कर अद्वितीयय उदाहरण प्रस्तुत किया था। इसके साथ ही उन्होंने स्वाधीनता आंदोलन को गति प्रदान करने के लिए वकीलों को संगठित करने का भी काम किया था। फलस्वरूप वे ब्रिटिश हुकूमत की आंखें किरकिरी भी बन गए थे। उन्होंने इसकी परवाह किए बिना भारत के स्वाधीनता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी।

बाबा आमटे का जन्म 26 दिसंबर 1914 को हिंगनघाट, महाराष्ट्र में हुआ था। उनका पूरा नाम मुरलीधर देवीदास आमटे था। लेकिन बचपन से ही उन्हें बाबा - बाबा कहकर बुलाया जाता था। आगे चलकर यही उपनाम से वे लोकप्रिय हुए। वे एक समृद्ध ज़मींदार परिवार से ताल्लुक रखते थे, लेकिन उन्होंने विलासिता का जीवन छोड़कर समाज सेवा का रास्ता चुना। उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई पूरी कर वकील बने थे। उन्होंने कुष्ठ रोगियों की ऐसी खिदमत की थी कि उन्हें उनके ही जीवन काल में कुष्ठ रोगियों के मसीहा के अलंकार जाना जाने लगा था। उन्होंने कुष्ठ रोगियों के बदतर जीवन को देखकर महसूस किया कि कुष्ठ रोगियों को समाज से बाहर कर दिया जाता है। यह पूरी तरह गलत परंपरा है। फिर उन्होंने अंतः प्रेरणा से कुछ रोगियों के कल्याण का संकल्प लिया। फिर उन्होंने अपना कदम कभी पीछे नहीं किया। आगे चलकर 1949 में उन्होंने आनंदवन, अशोकवन, और सोमनाथ जैसे केंद्रों की स्थापना की थी। इन तीनों केन्द्रों में कुष्ठ रोगियों को मुफ्त इलाज के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनने की ट्रेनिंग दी जाती थी।

उनका मत था कि दान विनाश करता है, कर्म निर्माण करता है। वे आजीवन इसी मूल मंत्र को मान कर आगे बढ़ते रहे थे। प्रारंभिक दिनों में उनके उक्त विचार के लिए उनकी जमकर आलोचना हुई थी। लेकिन उन्होंने आलोचना पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया था। बल्कि वे उस मूल मंत्र को जीवन का अंतिम सत्य मान कर कुष्ठ रोगियों के कल्याण के लिए निरंतर कदम बढ़ते रहे थे। तब लोगों ने मानना शुरू कर दिया था कि बाबा आमटे अपने विचार के बिल्कुल पक्के हैं। तब उन्हें जो सम्मान सामाजिक तौर पर मिलना चाहिए, मिलना प्रारंभ हुआ था। इससे पूर्व उन्हें अपने रिश्तेदारों से भी दूर होना पड़ा था। लेकिन वे इस दूरी की भी परवाह किए बिना कुष्ठ रोगों को गले लगाकर जो कुछ किए, भारतीय इतिहास के लिए ऐसा समाज सेवा करने वाले पहला व्यक्ति बन गए थे।

इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण और समाज के लिए जो कुछ भी किया अपने आप में अद्वितीय था। उन्होंने पर्यावरण प्रदूषण की चिंता से भारत सहित विश्व को अवगत कराया था। उन्होंने 'नर्मदा बचाओ आंदोलन' के माध्यम से देश की एक नई तस्वीर प्रस्तुत की थी। उनका मत था पर्यावरण और विस्थापन की कीमत पर विकास नहीं होना चाहिए। उन्होंने नर्मदा बचाओ आंदोलन के माध्यम से आदिवासियों के अधिकारों के लिए जमकर संघर्ष किया था। उन्होंने संघर्ष कर विस्थापित आदिवासियों को उसका हक भी दिलवाया था।

वे स्वतंत्र भारत में बढ़ती सांप्रदायिकता और जात-पात से बहुत दुखी थे। वे देश के चतुर्दिक विकास के लिए सांप्रदायिकता और जात-पात को एक बड़ी रूप के रूप में देखते थे। देश के विकास के लिए देश की एकता और अखंडता बहुत जरूरी है। इसलिए उन्होंने 1980 में भारत जोड़ो यात्रा कर देशवासियों को यह समझाने का प्रयास किया कि देश की एकता और अखंडता के लिए हम सभी मिलजुल कर रहे हैं। हम सभी भाईचारे के साथ रहें। तभी देश सुरक्षित रहेगा। तभी देश की आजादी का अर्थ सार्थक हो पाएगा। उन्होंने 'भारत जोड़ो' यात्रा को एक आंदोलन का रुप प्रदान किया था। भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से उन्होंने संपूर्ण देश की यात्रा कर हजारों जन सभाओं को संबोधित किया था। उनके इस देशव्यापी आंदोलन को संपूर्ण देश में समर्थन मिला था। तब सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने भी माना कि बाबा आमटे की भारत जोड़ो यात्रा देश की एकता अखंडता के लिए बहुत ही जरूरी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष नेताओं ने भी उनके सुर में अपना सुर मिलाया था।

ध्यातव्य है कि बाबा आमटे के पितादेवीदास हरबाजी आम्टे शासकीय सेवा में थे। उनका बचपन बहुत ही ठाट-बाट से बीता। वे सोने के पालने में सोते थे, औरचांदीकी चम्मच से उन्हें खाना खिलाया जाता था। बाबा आम्टे के मन में सबके प्रति समान व्यवहार और सेवा की भावना बचपन से ही थी। वे नौ वर्ष की उम्र में एक अंधे भिखारी को देखकर इतने द्रवित हुए और ढेरों रुपएउसकी झोली में डाल दिए थे। वे बचपन से ही दयालु प्रकृति के बालक थे। जैसे-जैसे उनकी उम्र बढ़ती गई उनमें करूणा भाव उसी रूप में विकसित होता गया। वे बचपन से ही सहज सरल प्रकृति के थे। उनका यह स्वभाव जीवन के अंतिम क्षणों तक बना रहा था। इतनी विलासिता पूर्ण तरीके के बीच उनका लालन-पालन हुआ था, लेकिन उनमें भी इस विलासिता पूर्ण लालन पालन का तनिक भी घमंड नहीं था। यह उन्हें सबसे अलग करता है। बाबा आम्टे काविवाहभी एक सेवा-धर्मी युवती साधना से विचित्र परिस्थितियों में हुआ था। बाबा आम्टे को दो संतान प्राप्त हुई, प्रकाश आम्टेएवं विकास आम्टे के रूप में। महात्मा गांधी के आह्वान पर वे स्वाधीनता आंदोलन में कूदे थे।

1942 में भारत छोड़ो आंदोलनके दौरान जेल भी गए थे। स्वाधीनता सेनानियों के मुकदमें लड़ने के लिए उन्होंने अपने साथी वकीलों को संगठित किया था। इन्ही प्रयासों के कारण ब्रिटिश सरकार ने उन्हे गिरफ्तार कर लिया था। यह गिरफ्तारी उनके जीवन के लिए एक टर्निंग पॉइंट के समान था। यहीं उन्होंने वरोरा में कीड़ों से भरे कुष्ठ रोगी को देखकर उनके जीवन की धारा बदल गई। उन्होंने अपना वकालती चोगा और सुख-सुविधा वाली जीवन शैली त्यागकर कुष्ठरोगियों और दलितों के बीच उनके कल्याण के लिए काम करना प्रारंभ कर दिया। उन्होंने कुष्ठ की चिकित्सा का प्रशिक्षण तो लिया ही, अपने शरीर पर कुष्ठ निरोधी औषधियों का परीक्षण भी किया था। 1951 में उनकी संस्था 'आनंदवन' की रजिस्ट्री हुई थी। सरकार से इस कार्य के विस्तार के लिए भूमि मिली थी। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

राष्ट्रीय नवीन मेल
धर्म-अध्यात्म

जैसा तुम सोचोगे, वैसा ही बनोगे

स्वामी चिन्मयानंद

जैसा तुम सोचोगे, वैसा ही बनोगे' यह महान कहावत अर्थपूर्ण, बुद्धिमत्तापूर्ण तथा व्यवहार में अत्यंत उपयोगी है। "अपने विचारों पर ध्यान दो, क्योंकि वे शब्द बन जाते हैं। अपने शब्दों पर ध्यान दो, क्योंकि वे कर्म बन जाते हैं। अपने कर्मों पर ध्यान दो, क्योंकि वे आदतें बन जाते हैं। अपनी आदतों पर ध्यान दो, क्योंकि वे आपका चरित्र बन जाती हैं। और अपने चरित्र पर ध्यान दो, क्योंकि वही आपकी नियति बन जाता है।" जब हम किसी विचार को बार-बार सोचते हैं, तो वह विचार हमारे शब्द बन जाता हैं। जैसे किसी चलचित्र को बार-बार देखकर या किसी गीत को बार-बार सुनकर, हम पाते हैं कि हम स्वत: उन शब्दों को बोलने या गाने लगते हैं। इससे पहले कि हम स्वयं से कहें, "हाँ, मैं यह कर सकता हूँ," हमारे शब्द क्रियाओं में परिवर्तित हो जाते हैं। इस प्रकार यह संभावना बनती है कि हम प्रत्येक कार्य को पूरे उत्साह तथा निश्चय के साथ करेंगे। परिणामस्वरूप, चुनौतियों का सामना करना हमारी आदत बन जाती है तथा यही निश्चय भावना हमारा चरित्र निर्मित करती है। यही हमें हमारी नियति की ओर ले जाती है वह नियति जिसमें हम अपने संकल्प से सब कुछ प्राप्त कर सकते हैं। दुर्भाग्यवश, इसका विपरीत भी सत्य है। जब हम अपने आप को असुरक्षा तथा आत्म-संशय के विचारों से घिरा पाते हैं, तो स्वाभाविक रूप से हम अपने आप से कहते हैं, "मैं पर्याप्त योग्य नहीं हूँ।" जल्दी या देर से, हम अवसरों से पीछे हटते हैं या किसी कार्य में भाग न लेने के लिए बहाने बनाते हैं। तब पलायन की प्रवृत्ति हमारी आदत बन जाती है। संदेह तथा असुरक्षा की भावनाएँ हमारे चरित्र में घर कर जाती हैं और उपलब्धियों का अभाव हमारी नियति बन जाता है। *-पुस्तक गीता पंचामृत से साभार)*

होली में बुढ़वा देवर लागे

अलग बात

'मीनू' मीना सिन्हा

यह लोकोक्ति होली आने के साथ ही हवा में तैरने लगती है। ऐसा लगता है यह एक सार्वजनिक सर्वमान्य तथ्य हो गया है। होली में बुढ़वा देवर कैसे लगा सकते हैं? बदतमीजियों और गंदे मजाक, अशोभनीय हरकतों को न्यायोचित ठहराने वाले इस वाक्य से स्वंय मर्दों ने अपने लिए एक खुली छूट ले रखी है। मर्दों ने अपनी मनमर्जी वाली ऐसी ओछी, विकृत मानसिकता को सामाजिक मान्यता दिलाने की कोशिश की है। कैसे कोई बूढ़ा आदमी नवयुवतियों से मजाक कर सकता है? बूढ़ा आदमी कैसे देवर लग सकता है? बूढ़ा देवर लग सकता है जबकि पति अत्यंत वृध्द हों। वह तो ससुर-जेठ सदृश लगेगा जिसके पैरों पर अबीर-रंग लगाया जाता है और वे ज्यादा से ज्यादा माथे पर टीका लगाकर आशीर्वाद देते है। देवर पति के छोटे भाई या उनके हमउम्र के भाई, उनके मित्रगण लग सकते हैं। पति से बड़े जेठ, भैंसुर, चचिया ममिया, फुफुआ श्वसुर होते हैं। रिश्ते में बड़े, उम्र में छोटे ससुराल के संबंधी भी देवर नहीं लगेंगे, वह बड़े ही रहेंगे। देवर कैसे लग सकते हैं? अजीब बात है! जहां पहले महिलाओं को पर्दे की आड़ में रखा जाता था वहां उस पर्दानशीन के देवर बन जाने में भी बूढ़े आदमी को कोई गुरेज नहीं है। रिश्ते में उम्र के गैप का ध्यान सदा-सर्वदा संस्कारशील पुरुष रखते ही हैं। कुछ उच्छृंखल मनचली महिलाओं के सामने वे हाथ जोड़ कर बचना चाहते हैं। इस बात पर ही एक वाकया याद आ रहा है। एक पैंतालीस वर्षीय सरकारी ऑफीसर होली की छुट्टियों में घर आए थे। बड़े मर्यादित संस्कार वाले, उनकी समझ में पति-पत्नी का मतलब एक स्त्री एक पुरुष के लिए और एक पुरुष एक स्त्री के लिए पूर्णरुपेण होता है। बस पति-पत्नी का यही एक रिश्ता आज तक उन्होंने समझा था। होली का दिन था,कमरे में बैठकर पढ़ रहे थे कि पड़ोस की छम्मक-छल्लो छलछलाती भाभी जी हथेलियों में रंग-अबीर दबाई हुई मुस्कानों की बौछारें करतीं पहुंच गईं। देवर बेचारे की सिट्टी-पिट्टी गुम! हाथ जोड़कर कहा, "भाभीजी, मैं बाहर जाता हूं। मुझे आप वहीं रंग लगाइएगा।" डर गए बेचारे क्योंकि उनकी रंग भरी कहानी तो सभी कोई जानते थे। इस तरह की जो महिलाएं, युवतियां उनकी ऐसी हरकतें पसंद करती हैं या उनसे वैसा रिश्ता रखती हैं उनके साथ बेशक वे देवर के अंतरंग रिश्ते में जाएं। उनके देवर बन जाने का कोई प्रतिरोध नहीं है। लेकिन मर्यादित, सुसंस्कारी युवतियों, महिलाओं से अवश्य ही दूरी बरतें। आजकल कुछ मानसिक रूप से विक्षिप्त बूढ़ों की रासलीला बहुत चर्चा में है। ऐसे कुंठित छद्मवेशी बूढ़े घर- बाहर समाज में असली चेहरा छिपाए संभ्रांतता के नकाब लगाए सभ्य लोगों की भीड़ में घूमते दिखते हैं। होलियाना रिश्ते अपनी हमउम्रों के साथ ही सजते-संवरते शोभते हैं। रिश्ता साली-सलहज, भाभी का हो तो कोई बात नहीं। बिहार में साले की पत्नी जो रिश्ते में सलहज होती है, मजाक किया जाता है लेकिन छत्तीसगढ़ में साले की पत्नी से बहन का रिश्ता रखा जाता है। वहां दोनों के रिश्ते बहन-भाई के होते हैं। मर्यादा सीमा अतिक्रमण एक बेहूदगी है। रिश्तों की आड़ में ऐसी-वैसी हरकतें न करें जिससे बेचारी स्वरूपा बनी भुक्तभोगी कुछ कह न सके। यहां मैं कुछ नवयुवतियों का जिक्र करना चाहूँगी कि उन्हें अपने हमउम्र लड़कों से खतरा नहीं होता है जितना इन बूढ़ों से है। जिस तरह सती प्रथा औरतों के प्रति मर्दों की ज्यादती रही। ढोल-बाजे के साथ महिमा मंडित करते हुए उन्हें जलती चिता में झोंक दिया जाता था। इस प्रथा का विरोध और महान समाज सेवी विलियम बेंटिक और राजाराम मोहन राय जी के प्रयास से उन्मूलन हुआ। मर गए तो चिता में झोंक दिया जिंदा हैं तो देवर हो जाते हैं। यह कौन सी बेहुदगी है? इस तरह की लोकोक्तियां भी प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। ऐसे विचारों की निंदा की जानी चाहिए। हमारी भारतीय संस्कृति खूबसूरत तो है, मर्यादित है। होली जीवन में खुशियों के सबरंग बिखेरने वाला त्यौहार है न कि गंदगी परोसने वाला। अतः इसे रंगों का खुशनुमा त्योहार ही रहने दें। इस लोकोक्ति की आड़ में बहती गंगा में हाथ न धोएं। आती-जाती महिलाओं को देखकर जुबान न फिसले, होली में बुढ़वा देवर लागे। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

**एक सूर्य की साख का, हुआ इस तरह अंत।
दोनों ही बदले दिखे, क्या सेवक, क्या संत।।**

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

संकल्प से सिद्धि : परीक्षा के तनाव से विकसित भारत के निर्माण तक

देश की बात

डॉ.यल.कोमुरा रेड्डी

शिक्षा केवल किताबी ज्ञान या परीक्षा के अंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण की एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। इसी उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'परीक्षा पे चर्चा 2026' के माध्यम से देश के भविष्य यानी छात्रों के साथ एक बेहद आत्मीय और अनौपचारिक संवाद किया। यह कार्यक्रम केवल एक चर्चा नहीं, बल्कि उन करोड़ों छात्रों के लिए एक मार्गदर्शन है जो परीक्षा के दबाव में अपनी रचनात्मकता और आत्मविश्वास खो देते हैं। प्रधानमंत्री ने इस संवाद के जरिए स्पष्ट किया कि परीक्षा जीवन का एक पड़ाव है, मंजिल नहीं। अक्सर छात्र इस बात को लेकर उलझन में रहते हैं कि उन्हें सुबह पढ़ना चाहिए या रात को, या फिर किस टॉपर के टाइम-टेबल को फॉलो करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने बहुत ही सरलता से समझाया कि हर विद्यार्थी की अपनी क्षमता और अपना एक विशिष्ट 'पैटर्न' होता है। जैसे हर व्यक्ति के भोजन करने का तरीका अलग होता है, वैसे ही सीखने की प्रक्रिया भी व्यक्तिगत होती है। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे दूसरों की नकल करने के बजाय अपनी मौलिकता पर भरोसा करें। सुझाव सभी से लें, लेकिन उन्हें अपने अनुभव की कसौटी पर कसकर ही अपनाएं। जब आप अपनी शैली में पढ़ते हैं, तो वह 'बोझ' नहीं बल्कि 'बोध' बन जाता है। कक्षा में शिक्षक की गति से तालमेल न बिठा पाना छात्रों के तनाव का एक बड़ा कारण होता है। पीएम मोदी ने इसका एक बहुत ही व्यावहारिक समाधान दिया— 'प्री-रीडिंग'। उन्होंने कहा कि यदि छात्र अगले दिन पढ़ाए जाने वाले अध्याय को पहले ही थोड़ा देख लें, तो कक्षा में उनके भीतर एक जिज्ञासा पैदा होती है। यह जिज्ञासा छात्र को शिक्षक से एक कदम आगे रखती है। जब छात्र सवाल पूछता है, तो सीखने की प्रक्रिया जीवंत हो उठती है। जिज्ञासा ही वह तत्व है जो किसी भी कठिन विषय को रोचक बना सकती है। आज के प्रतिस्पर्धी युग में 'स्किल बनाम मार्क्स' की बहस आम है। प्रधानमंत्री ने इस पर एक संतुलित दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंक आपको अवसर दिला सकते हैं, लेकिन कौशल आपको जीवन में टिकाए रखता है। उन्होंने 'लाइफ स्किल' और 'प्रोफेशनल स्किल' के बीच के बारीक अंतर को समझाया। आत्मविश्वास, संवाद कला और विपरीत परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता—ये वे जीवन कौशल हैं जो किसी भी डिग्री से ऊपर हैं। शिक्षा और कौशल एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि जुड़वा भाई-बहन हैं। जहाँ शिक्षा ज्ञान का आधार देती है, वहीं कौशल उस ज्ञान को क्रियान्वित करने की शक्ति प्रदान करता है। समय प्रबंधन केवल घड़ी की सुइयों के साथ चलने का नाम नहीं है, बल्कि यह ऊर्जा का प्रबंधन है। पीएम मोदी ने छात्रों को अपनी दिनचर्या का विश्लेषण करने का एक प्रभावी तरीका बताया। उन्होंने सुझाव दिया कि रात को सोने से पहले अगले दिन के कार्यों की सूची बनाएँ और अगले दिन उसका ईमानदारी से मिलान करें। यह प्रक्रिया छात्र को स्वयं की कमियों को पहचानने में मदद करती है, जैसे कि कहाँ सोशल मीडिया या अनावश्यक बातों में समय बर्बाद हुआ। समय का सही उपयोग ही वह कुंजी है जो परीक्षा के दबाव को उत्सव के उल्लास में बदल देती है। इस चर्चा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था-'विकसित भारत @2047'। प्रधानमंत्री ने छात्रों को याद दिलाया कि वे उस स्वर्णिम काल के साक्षी और निर्माता हैं जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे 'स्वदेशी' को केवल एक नारा न मानें, बल्कि इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। जब हम अपने देश में बनी वस्तुओं पर गर्व करते हैं, तो हम देश की अर्थव्यवस्था और गौरव को मजबूती देते हैं। इसके साथ ही, स्वच्छता और नागरिक कर्तव्यों का पालन करना ही एक विकसित राष्ट्र की नींव है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', सह कार्यकारी संपादक : प्रवीण कुमार दूबे*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : समाचार - news.rnmail@gmail.com, लेख - article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

सरसंघचालक का पद योग्यता से मिलता है, जाति से नहीं : भागवत

एजेंसी। मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने मुंबई में आयोजित 'मुंबई व्याख्यानमाला' के दूसरे दिन समाज, राजनीति, भाषा, जाति और राष्ट्र से जुड़े कई अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी। '100 इयर्स ऑफ संघ जर्नी : न्यू होराइजन्स' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ में पद योग्यता के आधार पर मिलता है, न कि जाति के आधार पर। मोहन भागवत ने कहा कि सरसंघचालक का पद किसी जाति विशेष के लिए आरक्षित नहीं है। अनुसूचित जाति या जनजाति से होना कोई बाधा नहीं है और ब्राह्मण होना कोई अतिरिक्त योग्यता नहीं मानी जाती। उन्होंने स्वीकार किया कि संघ की शुरुआत में ब्राह्मणों की संख्या अधिक थी, लेकिन आज संघ सभी जातियों के लिए समान रूप से काम करता है। उन्होंने कहा कि कई लोग कहते हैं कि नरेंद्र मोदी आरएसएस से आए प्रधानमंत्री हैं, लेकिन यह सही नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं।

सावरकर को भारत रत्न मिला तो पुरस्कार की प्रतिष्ठा और बढ़ेगी

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि यदि विनायक दामोदर सावरकर (वीर सावरकर) को भारत रत्न दिया जाता है, तो यह सम्मान खुद इस पुरस्कार की गरिमा को बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि सावरकर को किसी पुरस्कार की जरूरत नहीं है, क्योंकि वे पहले ही देशवासियों के दिलों में स्थान बना चुके हैं। मुंबई में आयोजित 'संघ यात्रा के 100 साल : नए क्षितिज' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने भारत रत्न दिए जाने में हो रही देरी पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, "मैं उस समिति का हिस्सा नहीं हूं जो इस पर फैसला करती है, लेकिन अगर किसी से मुलाकात होगी तो जरूर पूछूंगा कि इसमें देरी क्यों हो रही है। अगर सावरकर को भारत रत्न दिया जाता है तो यह पुरस्कार के लिए ही सम्मान होगा और उसकी प्रतिष्ठा और बढ़ेगी। बिना किसी सम्मान के भी सावरकर जनता के दिलों पर राज करते हैं।" वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग लंबे समय से राजनीतिक बहस का विषय रही है। कई संगठन और नेता उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिए जाने की मांग करते रहे हैं।

देश की मजबूती में सरकार के साथ समाज की भी बड़ी भूमिका

नई दिल्ली। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को देश के कई जरूरी मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि भारत को मजबूत बनाने के लिए सिर्फ सरकार ही नहीं, बल्कि आम जनता और समाज को भी जागरूक होना पड़ेगा। जनसंख्या के मुद्दे पर मोहन भागवत ने कहा कि समाज को संतुलित रखने के लिए परिवारों में तीन बच्चों का होना जरूरी है। उन्होंने इसके पीछे पुराने अनुभवों और सेहत से जुड़े कारणों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि शादी सिर्फ दो लोगों का मामला नहीं है, बल्कि समाज के प्रति एक जिम्मेदारी भी है। भागवत जी ने आबादी के बिगड़ते संतुलन के तीन बड़े कारण बताए, जिनमें बच्चों के जन्म की दर, धर्म परिवर्तन और बाहर से आने वाले घुसपैठिए शामिल हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि अगर उन्हें कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखे तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें। सिर्फ जीडीपी से देश अमीर नहीं होता देश की आर्थिक स्थिति पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमें सिर्फ जीडीपी के आंकड़ों को देखकर खुश नहीं होना चाहिए।

चिनाब पर भारत का बड़ा दांव, सवलकोट जलविद्युत परियोजना को मिली हरी झंडी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट शुरू कर दिया है, जिसका नाम है सवलकोट हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (सवालकोट जलविद्युत परियोजना)। इस प्रोजेक्ट की कुल लागत करीब 5,129 करोड़ रुपये है। खास बात यह है कि 'सिंधु जल संधि' को लेकर चल रहे तनाव के बीच, मोदी सरकार की तरफ से हरी झंडी पाने वाला यह पहला बड़ा नया प्रोजेक्ट है। यहाँ जानिए इस मेगा प्रोजेक्ट और जम्मू-कश्मीर की अन्य यह कुल 1,856 मेगावाट का प्रोजेक्ट है। इसे दो चरणों में बनाया जाएगा (पहले चरण में 1,406 एमडब्लू और दूसरे में 450 (एमडब्लू) यह चिनाब नदी पर बगलिहार प्रोजेक्ट के ऊपर और सलाल प्रोजेक्ट के नीचे की तरफ स्थित है। एनएचपीसी ने 5 फरवरी को कंपनियों को इसे बनाने के लिए आमंत्रित किया है। सरकार इसे जल्द से जल्द पूरा करना चाहती है। अनुमान है कि इसे बनने में करीब 9 साल लगेंगे। चिनाब नदी पाकिस्तान के लिए 'लाइफलाइन' की तरह है। पाकिस्तान की 90% खेती इसी बेसिन पर टिकी है। पानी पर कंट्रोल: पाकल दुल जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए भारत न सिर्फ बिजली बनाएगा, बल्कि पानी के बहाव के समय (Timing) को भी कंट्रोल कर सकेगा। पाकिस्तान को डर है कि भारत अपनी मर्जी से पानी रोक या छोड़ सकता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर अमेरिका की 'जून डेडलाइन', जेलेंस्की का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले दो साल से अधिक समय से चल रहा भीषण युद्ध अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुँचता दिख रहा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा है कि अमेरिका ने इस रक्तपात को रोकने के लिए 'जून की डेडलाइन' तय कर दी है। यह खुलासा ऐसे समय में आया है जब रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा ठिकानों और न्यूक्लियर पावर प्लांट्स पर हमले तेज़ कर दिए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूस और यूक्रेन दोनों को संघर्ष खत्म करने के लिए जून की डेडलाइन दी है। उन्होंने कहा कि अगर जून तक कोई सहमति नहीं बनती है तो वाशिंगटन दोनों पक्षों पर दबाव डालेगा। यह यूक्रेन के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर रूस के लगातार हमलों के बीच हुआ, जिससे न्यूक्लियर पावर प्लांट को बिजली की सप्लाई कम करनी पड़ी। ज़ेलेंस्की ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, "अमेरिकी प्रस्ताव दे रहे हैं कि दोनों पक्ष इस गर्मी की शुरुआत तक युद्ध खत्म कर दें और शायद वे इसी शेड्यूल के अनुसार दोनों पक्षों पर दबाव डालेंगे।" ज़ेलेंस्की ने यह भी कहा कि त्रिपक्षीय बातचीत का अगला दौर अमेरिका के मियामी में होने की संभावना है, और इसमें यूक्रेन हिस्सा लेगा।

रावलपिंडी में 15 दिन और लागू रहेगी धारा 144, मेट्रो बस सेवा निलंबित

रावलपिंडी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के धरना प्रदर्शन से घबराए रावलपिंडी प्रशासन ने शहर में लागू धारा 144 की मियाद बढ़ा दी है। इसके साथ ही राजधानी इस्लामाबाद और रावलपिंडी के बीच चलने वाली मेट्रो बस सेवा भी निलंबित कर दी गई है। एक आधिकारिक नोटिफिकेशन के अनुसार, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए प्रतिबंधों को 15 दिनों के लिए और बढ़ा दिया गया है। धारा 144 के तहत, सार्वजनिक सभाओं, रैलियों, प्रदर्शनों और जुलूसों पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। अधिकारियों ने इस अवधि के दौरान हथियारों के प्रदर्शन और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी है। हम न्यूज के अनुसार, यह नोटिफिकेशन डिप्टी कमिश्नर रावलपिंडी हसन वकार चीमा ने जिला खुफिया समिति की सिफारिशों के बाद जारी किया। अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए यह फैसला एहतियाती तौर पर लिया गया है, और नागरिकों से सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि धारा 144 के उल्लंघन पर संबंधित कानूनों के तहत कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

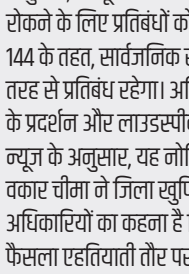

भारत से वैक्सीन बंद होने के बाद पाकिस्तान पर पड़ भारी आर्थिक बोझ

पाकिस्तान। पाकिस्तान इस वक्त एक बड़ी मुसीबत में फंस गया है और यह मुसीबत है—वैक्सीन का अकाल। हुआ यह कि पिछले साल मई में हुए टकराव के बाद पाकिस्तान ने जोश में आकर भारत से सस्ती वैक्सीन लेना बंद कर दिया था, लेकिन अब यह फैसला उनके गले की फांस बन गया है। पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल ने खुद माना है कि भारत से सस्ती वैक्सीन बंद होने की वजह से उनकी इकोनॉमी पर भारी बोझ पड़ रहा है। हालत यह है कि जो वैक्सीन भारत से कौड़ियों के दाम मिल जाती थी, उसके लिए अब पाकिस्तान को तीन गुना ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है। ऊपर से जो मुफ्त की वैक्सीन दूसरे देशों से मिलती थी, वह भी अब बंद हो गई है। पाकिस्तान हर साल करीब 400 मिलियन डॉलर की वैक्सीन खरीदता है। इसमें से लगभग आधा पैसा (49%) अंतर्राष्ट्रीय संस्था 'गावी' देती है, और बाकी आधा पाकिस्तान सरकार को खुद उठाना पड़ता है। खतरा यह है कि अगर पाकिस्तान ने खुद वैक्सीन बनाना शुरू नहीं किया, तो 2031 तक यह खर्च बढ़कर 1.2 अरब डॉलर सालाना पहुँच जाएगा। सबसे बड़ी टेंशन यह है कि 2031 के बाद अंतर्राष्ट्रीय मदद (फ्री वैक्सीन) मिलना भी पूरी तरह बंद हो जाएगा।

भारत-मलेशिया साझेदारी को मिलेगी नई गति

आतंकवाद पर नो डबल स्टैंडर्ड्स नो कंप्रोमाइज : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी। पुत्राजाया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मलेशिया दौरे के दूसरे दिन कहा कि मलेशिया में भारत के श्रमिकों के संरक्षण के लिए सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट, पर्यटन के लिए ग्रेटिस ई-वीजा तथा डिजिटल इंटरफेस यूपीआई का मलेशिया में लागू होना जैसे कदम दोनों देशों के नागरिकों के जीवन को सरल बनाएंगे। उन्होंने कहा कि आज की चुनौतियों का समाधान करने के लिए वैश्विक संस्थानों में सुधार आवश्यक है। भारत-मलेशिया शांति के सभी प्रयासों का समर्थन करते रहेंगे और आतंकवाद के मुद्दे पर दोनों देशों का संदेश स्पष्ट है- नो डबल स्टैंडर्ड्स, नो कंप्रोमाइज। मलेशिया की प्रशासनिक और न्यायिक राजधानी पुत्राजाया में मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और मलेशिया के संबंध अत्यंत विशेष हैं। दोनों देश समुद्री पड़ोसी हैं और सदियों से उनके लोगों के बीच गहरे और आत्मीय संबंध रहे हैं। आज मलेशिया भारतीय मूल की आबादी वाला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है, जो दोनों देशों के बीच मानवीय रिश्तों की मजबूती को दर्शाता है।

तमिल संस्कृति से भारत-मलेशिया संबंध मजबूत

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और मलेशिया को तमिल भाषा के प्रति साझा प्रेम भी जोड़ता है। मलेशिया में तमिल की मजबूत और जीवंत उपस्थिति शिक्षा, मीडिया और सांस्कृतिक जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।दृश्य -श्रव्य सहयोग से फिल्म और संगीत, विशेषकर तमिल फिल्में, दोनों देशों के लोगों को और करीब लाएंगी। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए यूनिवर्सिटी एक्सचेंज, स्टार्टअप कनेक्ट और स्किल डेवलपमेंट के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों को समर्थन देने के लिए मलेशिया में नया भारतीय कांसुलेट खोलने का भी निर्णय लिया गया है।

पहली विदेश यात्रा में मलेशिया आकर प्रसन्नता हुई

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले वर्ष वह आसियान से जुड़े कार्यक्रम के लिए मलेशिया नहीं आ पाए थे, लेकिन आज वर्ष 2026 की पहली विदेश यात्रा में मलेशिया आकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। बीते कुछ वर्षों में भारत-मलेशिया संबंधों ने नई गति पकड़ी है, जिसमें प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम का विशेष योगदान रहा है।

भारत-मलेशिया सहयोग ऊर्जा और अवसंरचना में मजबूत

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच ऊर्जा, अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्रों में सहयोग मजबूत हुआ है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, बायोटेक और आईटी में आपसी निवेश बढ़ा है, जबकि पर्यटन और लोगों के बीच संपर्क भी गहरे हुए हैं। इन उपलब्धियों से प्रेरित होकर दोनों देशों ने साझेदारी को अभूतपूर्व गति और गहराई देने का निर्णय लिया है।

30 लाख भारतीय प्रवासी बनाए भारत-मलेशिया के बीच मजबूत पुल

पीएम ने कहा कि सीईओ फोरम आयोजित होने से व्यापार और निवेश के नए अवसर खुले हैं और दोनों देश रणनीतिक विश्वास के जरिए आर्थिक परिवर्तन का रास्ता बनाएंगे। उन्होंने मलेशिया में भारतीय प्रवासियों से मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि लगभग 30 लाख भारतीय प्रवासी दोनों देशों के बीच एक 'लिविंग ब्रिज' हैं। उनके कल्याण के लिए उठाए गए कदम भारत-मलेशिया संबंधों को मानवीय आधार प्रदान करते हैं।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मित्र देशों का समर्थन : पीएम मोदी

पुत्राजाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मलेशिया दौरे के दूसरे दिन कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मित्र देशों का समर्थन अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत और मलेशिया दोनों मानते हैं कि दोनों देशों की समृद्धि एक-दूसरे से जुड़ी हुई है और वैश्विक अस्थिरता के मौजूदा माहौल में दोनों समुद्री पड़ोसी देशों को अपने द्विपक्षीय संबंधों की पूरी क्षमता का उपयोग करना चाहिए। मलेशिया की प्रशासनिक और न्यायिक राजधानी पुत्राजाया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की। बैठक के बाद संयुक्त बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने मलेशियाई नेतृत्व और सरकार द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मलेशिया की उनकी यह यात्रा भारत-मलेशिया संबंधों को नए स्तर पर ले जाने के संकल्प को दर्शाती है। बीते वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में उल्लेखनीय गति और गहराई आई है, जिसमें कृषि, विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, कौशल विकास और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार मजबूत हुआ है।

रीवा में ऑडी ने बाइक को मारी टक्कर, तीन की मौत

मध्य प्रदेश। रीवा जिले से एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है। शनिवार दोपहर रीवा-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर एक तेज रफ्तार ऑडी कार ने एक मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में बाइक सवार एक ही परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हृदयविदारक बात यह है कि मृतक अपने घर की शादी के निमंत्रण पत्र (कार्ड) बांटने निकले थे। हादसा दोपहर करीब 3 बजे रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र के कोस्टा जिउला मोड़ के पास हुआ। शिवम की शादी 24 फरवरी को होनी तय थी। पूरा परिवार खुशियों में डूबा था और तीनों सदस्य हनुमना से रीवा की ओर रिश्तेदारों को शादी का कार्ड देने जा रहे थे।

डिलीवरी ब्वॉय बनकर आए प्रेमी का प्रेमिका के घर पंखे से लटकता मिला शव

एजेंसी। कटिहार

बिहार के कटिहार जिले के मनिहारी थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग की एक हतप्रभ करने वाली घटना प्रकाश में आई है जहां डिलीवरी ब्वॉय बनकर आए प्रेमी का शव उसकी प्रेमिका के घर से बरामद किया गया है। शव पंखे से लटक रहा था।

घटना की सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है। दरअसल, यह पूरा मामला मनिहारी थाना क्षेत्र के कुमारीपुर बाजार का है, जहां रविवार को एक घर के कमरे से युवक का शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान बरारी थाना क्षेत्र के सुजापुर निवासी

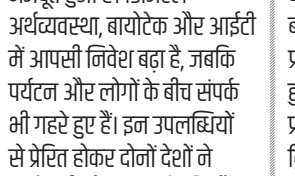

विनायक पंडित के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि विनायक का कुमारीपुर की रहने वाली एक विवाहिता महिला के साथ प्रेम संबंध था और शनिवार की रात वह डिलीवरी ब्वॉय बनकर पहुंचा था। सुबह विनायक का शव महिला के घर के एक कमरे से बरामद किया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

मौके पर पहुंचे मनिहारी थाना प्रभारी पंकज आनंद ने बताया कि पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम को बुलाया गया है। पुलिस प्रथम दृष्टया अवैध प्रेम संबंध में हत्या और आत्महत्या का मामला मानकर जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का सही पता चल सकेगा। चर्चा है कि मृतक का महिला के साथ दो वर्षों से प्रेम संबंध था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में कथित प्रेमिका महिला और उसकी देवरानी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पाक के पूर्व पीएम इमरान और पत्नी बुशरा को 17-17 साल की सख्त सजा

एजेंसी। पाकिस्तान

पाकिस्तान की राजनीति से एक बड़ी खबर आ रही है जहाँ पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। तोशाखाना-2 भ्रष्टाचार मामले में अदालत ने दोनों को 17-17 साल की लंबी सजा सुनाई है। रावलपिंडी की अदियाला जेल में बनी एक स्पेशल कोर्ट ने शनिवार को यह फैसला सुनाया। जज ने दोनों को अलग-अलग धाराओं में कुल 17 साल की सजा दी है। साथ ही, उन पर 1 करोड़ 64 लाख पाकिस्तानी रुपये का भारी जुर्माना भी ठोका गया है। हालांकि, बुशरा बीबी के महिला होने के नाते सजा में थोड़ी नरमी की बात कही गई है, लेकिन सजा फिर भी काफी सख्त है।

आखिर क्या है 'तोशाखाना' मामला? : यह पूरा मामला 2021 का है, जब सऊदी अरब की सरकार ने इमरान खान को कुछ महंगे तोहफे दिए थे। इसमें कीमती घड़ियाँ, हीरे और सोने के गहने शामिल थे। नियम कहता है कि सरकारी ओहदे पर रहते हुए विदेशी नेताओं से जो भी गिफ्ट मिलते हैं, उन्हें 'तोशाखाना' (सरकारी खजाने) में जमा करना पड़ता है। आप चाहें तो तय कीमत चुकाकर उन्हें बाद में खरीद भी सकते हैं। अब इस मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी पर आरोप यह है कि इन तोहफों की असली कीमत करीब 7 करोड़ रुपये थी, लेकिन कागजों पर इन्हें सिर्फ 58-59 लाख का दिखाया गया। कहा जा रहा है कि इन दोनों ने मिलकर बहुत कम कीमत पर ये कीमती चीजें हथियाने की कोशिश की।

इमरान खान का पक्ष : अदालत में 21 गवाहों ने अपनी बात रखी। फैसले के वक्त इमरान और बुशरा दोनों वहां मौजूद थे। इमरान खान का साफ कहना है कि ये सब उनके खिलाफ एक राजनीतिक साजिश है और उन्हें फंसाया जा रहा है। इमरान खान अगस्त 2023 से ही सलाखों के पीछे हैं।

हत्या व आगजनी के मामले में साक्ष्य के आभाव में 22 आरोपी बरी

मुजफ्फरनगर। जिले की एक अदालत ने 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों से जुड़े हत्या, लूट और आगजनी के एक मामले में साक्ष्यों के अभाव में 22 आरोपियों को बरी कर दिया। शासकीय अधिवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। शासकीय अधिवक्ता नरेन्द्र शर्मा ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कनिष्क कुमार ने शनिवार को यह कहते हुए आरोपियों को बरी किया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। उन्होंने बताया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) ने आठ सितंबर 2013 को भौराकला थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर रायसिंह गांव में हुई घटनाओं के संबंध में 26 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान चार आरोपियों की मृत्यु हो गई, जिसके बाद शेष 22 आरोपियों के खिलाफ अभियोजन कार्रवाई जारी थी।

एक नजर

आरएसएस के 100 वर्ष पूर्ण होने पर

नोएडा में 26 स्थानों पर हिंदू सम्मेलनों का आयोजन

नोएडा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नोएडा में बड़े पैमाने पर हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में कुल 26 हिंदू सम्मेलनों का सफल आयोजन हुआ। इन सम्मेलनों का उद्देश्य हिंदू समाज में संगठन, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना तथा राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति जागरूकता को और अधिक सुदृढ़ करना रहा। सेक्टर-78 स्थित वेद वन पार्क में आयोजित भव्य हिंदू सम्मेलन की अध्यक्षता उद्यमी एवं सामाजिक कार्यकर्ता सीमा कमल कुमार ने की। मुख्य अतिथि रवि शंकर ने संघ की 100 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि डॉ. नरेश शर्मा ने गौ-रक्षा के महत्व को रेखांकित किया, वहीं सम्मानित अतिथि आशीष गोडसे ने धर्मांतरण से होने वाली सामाजिक हानियों पर विचार रखे। कार्यक्रम में स्थानीय बच्चों द्वारा पहलगाम आतंकी हमले पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया गया। इस सम्मेलन में 4000 से अधिक लोगों की सहभागिता रही। सेक्टर-121 में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल नितिन कोहली, विश्व हिंदू परिषद मेरठ प्रांत की उपाध्यक्ष छाया सिंह तथा सेवा भारती की अनीता ने अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम में 1500 से अधिक लोगों, विशेषकर बड़ी संख्या में मातृशक्ति की सहभागिता रही। सेक्टर-40 स्थित विजयदशमी मैदान में आयोजित सम्मेलन में मुख्य वक्ता आचार्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी बालकानंद गिरी महाराज ने हिंदू दर्शन पर प्रकाश डाला। वहीं संघ के विभाग कार्यवाह विनोद कौशिक ने संघ की सौ वर्षों की यात्रा की जानकारी दी।सेक्टर-117 से 120 की विभिन्न सोसाइटियों द्वारा आयोजित सम्मेलन की शुरुआत "सनातन गौरव यात्रा" और 11 कुंडीय यज्ञ से हुई। मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. पवन सिन्हा सहित अन्य वक्ताओं ने समाज की एकता और पंच परिवर्तन पर जोर दिया। सेक्टर-77 में भी विशाल हिंदू सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया और संघ के विचारों से प्रेरणा ली।

एपस्टीन फाइलों में 169 बार नाम आने पर दलाई लामा के ऑफिस में किया कड़ा बिरोध

नई दिल्ली। विवादित अमेरिकी फाइनेंसर और यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़ी फाइलों में बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा का नाम आने के बाद पूरी दुनिया में चर्चा शुरू हो गई है। रविवार को दलाई लामा के ऑफिस ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इन मीडिया रिपोर्ट्स का कड़ा खंडन किया। ऑफिस ने साफ तौर पर कहा कि दलाई लामा का एपस्टीन से किसी भी तरह का कोई संबंध नहीं रहा है। हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन केस से जुड़े लाखों दस्तावेज और वीडियो जारी किए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इन फाइलों में दलाई लामा का नाम कथित तौर पर 169 बार आया है। कुछ फाइलों में 'मसाज फॉर डमीज' नामक किताब और पुराने ईमेल के स्क्रीनशॉट मिले हैं, जिनमें दलाई लामा का जिक्र था। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि 2012 के आसपास उनके और एपस्टीन के बीच किसी मुलाकात की योजना बनाई गई थी। इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए दलाई लामा के ऑफिस ने बयान दिया। बयान के अनुसार, हम स्पष्ट करते हैं कि महामहिम दलाई लामा कभी भी जेफरी एपस्टीन से नहीं मिले हैं। न ही उन्होंने अपनी ओर से किसी व्यक्ति को उनसे मिलने या बात करने की अनुमति दी है।

रील बनाने के चक्कर में गई महिला की जान चार साल की बेटी के सामने हुआ हादसा

लखनऊ। बांदा जिले के बबेरू कस्बा के करुइहा पुरवा में फांसी का दृश्य दिखाने के लिए रील बनाने के चक्कर में एक महिला की अपनी चार की बेटी के सामने ही मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। बबेरू क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) सौरभ सिंह ने रविवार को बताया कि यह घटना शुक्रवार की है। बबेरू कस्बे के करुइहा पुरवा मोहल्ले में मोहिनी (27) की फंदे से लटककर मौत हो गई। उसके शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है। सिंह ने कहा, "प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि महिला ने एक रील के लिए फांसी का दृश्य दोहराने का प्रयास किया। हालांकि, इस दौरान वह बेहोश हो गई और बाद में उसकी मृत्यु हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।" उन्होंने बताया कि महिला के मोबाइल फोन की जांच से पता चला कि वह 'गूगल' और 'फेसबुक' में बार बार फंदा लगाने के तरीके खोज रही थी। घटना के समय मौके पर मौजूद महिला की चार साल की बेटी ने भी यही बात बताई।

मयूर विहार पॉकेट-1 मेट्रो स्टेशन का नाम बदला, 'श्री राम मंदिर मयूर विहार' हुआ

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के स्टेशनों का नाम बदलना एक व्यवस्थित प्रक्रिया है, जो हाल ही में मयूर विहार पॉकेट-1 के मामले में चर्चा में रही। पूर्वी दिल्ली के निवासियों की वर्षों पुरानी मांग को स्वीकार करते हुए दिल्ली सरकार ने मयूर विहार पॉकेट-1 मेट्रो स्टेशन का नाम बदल दिया है। अब यह स्टेशन आधिकारिक तौर पर 'श्री राम मंदिर मयूर विहार' के नाम से जाना जाएगा। शनिवार को अधिकारियों ने पुष्टि की कि नाम बदलने की सभी कानूनी और तकनीकी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। अधिकारी ने कहा कि नाम बदलने की आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं और संशोधित नाम प्रभावी हो गया है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि यह निर्णय दिल्ली राज्य नामकरण प्राधिकरण द्वारा लिया गया है, जिसकी अध्यक्ष मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता हैं। 29 सदस्यीय यह समिति शहर की सड़कों, पार्कों, कॉलोनियों, गोल चक्करों और अन्य नागरिक संरचनाओं के नामकरण और पुनर्नामकरण के प्रस्तावों पर निर्णय लेती है। त्रिलोकपुरी से स्थानीय भाजपा विधायक रवि कांत ने मेट्रो स्टेशन का नाम राम मंदिर के नाम पर रखने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

केंद्र ने सीएम भगवंत मान के यूरोप दौरे पर लगाई रोक, आप पार्टी भड़की

पंजाब। सीएम भगवंत मान का नीदरलैंड और चेक गणराज्य का दौरा रद्द हो गया है। इसका कारण यह है कि केंद्र सरकार ने उनके 'पॉलिटिकल क्लीयरेंस' के अनुरोध को रोक दिया और उनके दौरे पर कोई जवाब नहीं दिया। यह पहली बार नहीं है जब मुख्यमंत्री मान को विदेश जाने से रोका गया हो। पिछले कुछ समय में यह तीसरी बार है जब उन्हें मंजूरी नहीं मिली। इससे पहले पिछले महीने ही उन्हें निवेश के सिलसिले में यूके और इजराइल में जाने की इजाजत नहीं दी गई थी। इससे पहले पेरिस ओलंपिक के दौरान भारतीय हॉकी टीम का उत्साह बढ़ाने के लिए उनके फ्रांस जाने के अनुरोध को भी केंद्र ने मना कर दिया था। अगले महीने पंजाब में 'इन्वेस्टर्स समिट' होने वाला है। मुख्यमंत्री मान एक डेलिगेशन के साथ यूरोप के इन देशों में जाकर बड़े बिजनेसमैन से मिलना चाहते थे, ताकि पंजाब में विदेशी निवेश लाया जा सके और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले।

गंगा और भैरवी का दमदार प्रदर्शन, जीत के साथ दोनों टीमें क्वार्टर फाइनल में

नवीन मेल संवाददाता

रांची । रांची स्थित जे के क्रिकेट एकेडमी के मैदान पर खेले जा रहे आरपीसी मीडिया कप 2026 में प्रतियोगिता ने अब रोमांचक मोड़ ले लिया है। टूर्नामेंट के मुकाबले दिन-ब-दिन और अधिक प्रतिस्पर्धी होते जा रहे हैं। इसी क्रम में खेले गए पहले और दूसरे मैच में गंगा और भैरवी की टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की कर ली।

आर पी सी मीडिया कप 2026

गंगा टीम ने 8 विकेट से अजय टीम को हराया

दिन का पहला मुकाबला अजय और गंगा के बीच खेला गया। टॉस के बाद अजय की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 16 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 112 रन बनाए। अजय की ओर से राकेश सिंह ने 31 रनों की उपयोगी पारी खेली, जबकि सूरज प्रकाश ने 22 और तारकेश्वर महतो ने 21 रन का योगदान दिया। हालांकि मध्यक्रम से अपेक्षित बड़ी साझेदारी नहीं बन सकी, जिससे टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में असफल रही। गंगा की ओर से गेंदबाजी में समीर सृजन ने किफायती प्रदर्शन करते हुए 1 विकेट के बदले 17 रन दिए, जबकि संतोष सिंह ने 1/20 का आंकड़ा दर्ज किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गंगा की टीम ने शानदार और आक्रामक बल्लेबाजी का परिचय दिया। गंगा ने 12.5 ओवर में मात्र 2 विकेट खोकर 116 रन बनाते हुए मुकाबला 8 विकेट से अपने नाम कर लिया। ओम प्रकाश झा ने 34 रन बनाए, वहीं संतोष कुमार सिंह ने 29 रनों की सधी हुई पारी खेली। संतोष कुमार सिंह को उनके हरफनमौला योगदान के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भैरवी की 9 विकेट से एकतरफा जीत

दिन का दूसरा मुकाबला कोनार और भैरवी के बीच खेला गया, जिसमें दर्शकों को बल्लेबाजों का शानदार खेल देखने को मिला। पहले बल्लेबाजी करते हुए कोनार की टीम ने 16 ओवर में 141 रन बनाए, लेकिन पूरी टीम ऑलआउट हो गई। कोनार की ओर से सुशील सिंह ने 48 रनों की बेहतरीन पारी खेली, जबकि राकेश कुमार ने 17 रन जोड़े। भैरवी की गेंदबाजी में विक्की कुमार पासवान ने घातक प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट 23 रन देकर झटके, वहीं संजय सिंह ने 2/34 विकेट हासिल किए। जवाब में भैरवी की टीम ने लक्ष्य को बेहद आसानी से हासिल कर लिया। भैरवी ने 15.3 ओवर में सिर्फ 1 विकेट खोकर 142 रन बनाते हुए मुकाबला 9 विकेट से जीत लिया। नवल किशोर ने नाबाद 67 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि विक्की पासवान ने 51 रन बनाकर जीत को आसान बना दिया। इस मैच में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए विक्की पासवान को प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। इन जीतों के साथ ही गंगा और भैरवी की टीमें क्वार्टरफाइनल में पहुंच चुकी हैं, जिससे टूर्नामेंट का रोमांच अब और भी बढ़ गया है। दर्शकों को आने वाले मुकाबलों में कड़े संघर्ष और रोमांचक क्रिकेट की पूरी उम्मीद है।

17वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीता

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में जीत से शुरुआत की है। कप्तान सूर्या ने न सिर्फ मैच जिताऊ पारी खेली, बल्कि विराट कोहली का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। वे टी-20 में सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले भारतीय बन गए। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए शनिवार के आखिरी मुकाबले में भारत ने यूएसए को 29 रन से हराया। यूएसए ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी, लेकिन उनकी फील्डिंग ने मैच का रुख पलट दिया। अमेरिकी खिलाड़ियों ने तीन अहम कैच छोड़ दिए। भारत ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रन बनाए, जिसमें सूर्यकुमार यादव ने 49 गेंदों पर नाबाद 84 रन बनाए। 162 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएसए की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 132 रन ही बना सकी। सूर्या ने कप्तान के तौर पर अपना 8वां टी-20। अर्धशतक लगाया और इसी के साथ बतौर कप्तान टी-20 इंटरनेशनल में 1000 रन भी पूरे कर लिए।

रोहित शर्मा 14 अवार्ड के साथ तीसरे स्थान पर

टी-20 क्रिकेट में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड के मामले में सूर्यकुमार यादव अब भारत के लिए सबसे आगे पहुंच गए हैं। उन्होंने 17वीं बार यह अवॉर्ड जीतते ही विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिनके नाम 16 अवॉर्ड दर्ज थे। इस लिस्ट में रोहित शर्मा 14 के साथ तीसरे, अक्षर पटेल 8 के साथ चौथे और जसप्रीत बुमराह 7 अवॉर्ड के साथ पांचवें स्थान पर हैं। रोहित शर्मा के बाद सूर्या दूसरे भारतीय कप्तान बने, जिन्हें टी-20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत का सिलसिला जारी है। टीम लगातार 9 मैच जीतकर इस मामले में टॉप पर पहुंच गई हैं। इससे पहले साउथ अफ्रीका (2024) और ऑस्ट्रेलिया (2022-2024) भी लगातार 8 मैच जीत चुकी हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड की जीत, नेपाल को 4 रन से हराया बेथेल-ब्रूक ने फिफ्टी लगाई, लियम डॉसन को दो विकेट

एजेंसी । नई दिल्ली

इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप में पहली जीत हासिल कर ली है। रविवार को इंग्लिश टीम ने ग्रुप सी के मैच में नेपाल को 4 रन से हराया। वानखेड़े मैदान पर सैम करन ने आखिरी ओवर में 10 रन डिफेंड किए। 185 रन का टारगेट चेज कर रही नेपाल 20 ओवर में 6 विकेट पर 180 रन ही बना सकी। लोकेश बम 39 रन बनाकर नाबाद लौटे, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 44 रन बनाए। उन्होंने रोहित पौडेल (39 रन) के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की। कुशल भुर्तेल ने 29 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से लियम डॉसन ने 2 विकेट झटके। ल्यूक वुड, जोफ्रा आर्चर, विल जैक्स और जोफ्रा आर्चर को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 184 रन बनाए। जैकब बेथेल ने 55 और हैरी ब्रूक ने 53 रन बनाए। नेपाल से दीपेंद्र सिंह ऐरी और नंदन यादन ने 2-2 विकेट लिए।

न्यूज़ीलैंड ने अपना सबसे बड़ा टारगेट चेज किया, अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया

न्यूजीलैंड ने जीत के साथ टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। टीम ने ग्रुप डी के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 182 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड ने 183 रन का टारगेट 17.5 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में न्यूजीलैंड का सबसे बड़ा टारगेट चेज रहा। इससे पहले कीवी टीम ने 2021 में अबू धाबी में इंग्लैंड के खिलाफ 167 रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया था। टीम के लिए ओपनर टिम साइफर्ट (65) ने अर्धशतक लगाया। उनके अलावा ग्लेन फिलिप्स ने 42, मार्क चापमन ने 28 और डेरिल मिचेल ने नाबाद 25 रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए मुजिब उर रहमान ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। राशिद खान, मोहम्मद नबी और अजमतुल्लाह उमरजई को 1-1 विकेट मिला। इससे पहले, अफगानिस्तान के लिए गुलबदीन नाईब (63) ने अर्धशतक लगाया। सेदिकुल्लाह अटल ने 29, रहमानुल्लाह गुरबाज ने 27 और दारविश रसूली ने 20 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए लॉकी फर्ग्यूसन ने 2 विकेट झटके। मैट हेनरी, रचिन रवींद्र और जैकब डफी को 1-1 विकेट मिला।

दिल्ली खेल महाकुंभ के ब्रांड एंबेसडर बने धवन

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को पहले

दिल्ली खेल महाकुंभ का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। दिल्ली सरकार के शिक्षा और खेल निदेशालय की इस पहल का उद्देश्य राजधानी में जमीनी स्तर पर खेलों में भागीदारी को मजबूत करना और प्रतिभाओं की पहचान करना है। दिल्ली खेल महाकुंभ का पहला संस्करण 13 फरवरी से राजधानी के 16 जगहों पर आयोजित होगा, जिसमें हजारों युवा एथलीट बास्केटबॉल, फुटबॉल, एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, स्क्वैश और वॉलीबॉल में हिस्सा लेंगे।

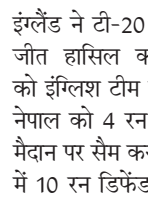

दिल्ली से शुरू हुई भारत की पहली प्रोफेशनल किकबॉक्सिंग लीग, 8 टीमों के साथ नया दौर

नई दिल्ली । भारत में किकबॉक्सिंग को पेशेवर खेल के रूप में नई पहचान देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 'किकबॉक्सिंग सुपर लीग' (केएसएल) की आधिकारिक शुरुआत दिल्ली में की गई। यह पहल वाको इंडिया नेशनल चैंपियनशिप के दौरान सामने आई और इसे देश की पहली सुव्यवस्थित प्रोफेशनल किकबॉक्सिंग लीग माना जा रहा है। लॉन्च कार्यक्रम में खेल जगत से जुड़े अधिकारी, कोच, खिलाड़ी और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे। लीग का उद्देश्य किकबॉक्सिंग को संगठित ढांचे में लाना, खिलाड़ियों को प्रोफेशनल अवसर देना और ग्रासरूट स्तर से लेकर एलीट स्तर तक स्पष्ट प्रगति का मार्ग तैयार करना है।

8 टीमें, 34-34 फाइटर : केएसएल के पहले सीजन में आठ फ्रेंचाइज़ी टीमें भाग लेंगी, जिन्हें 'वॉरियर क्लान' नाम दिया गया है। हर टीम में 34 फाइटर शामिल होंगे। लीग ने पुरुष और महिला खिलाड़ियों की भागीदारी का अनुपात 60:40 रखा है, जिससे महिला खिलाड़ियों को भी पर्याप्त अवसर मिल सकें। सीज़न के अंत में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी या खिलाड़ियों को कुल मिलाकर एक करोड़ रुपये तक का 'मेगा परफॉर्मेंस अवॉर्ड' देने की भी घोषणा की गई है।

पारदर्शी सिस्टम और प्रोफेशनल कॉन्ट्रैक्ट : लीग के सह-संस्थापक अजय अडलखा ने कहा कि केएसएल को मजबूत प्रशासनिक ढांचे, पारदर्शी प्रक्रियाओं और टिकाऊ आर्थिक मॉडल के साथ विकसित किया जा रहा है। उनका लक्ष्य भारतीय किकबॉक्सिंग को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप मंच देना है। खेल मार्केटिंग और ब्रांडिंग में लंबा अनुभव रखने वाले अडलखा किकबॉक्सिंग को मुख्यधारा का खेल बनाने पर जोर दे रहे हैं।

गांगुली ने किया भारत की बल्लेबाजी का समर्थन

नई दिल्ली । पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की

आक्रामक बल्लेबाजी रणनीति का समर्थन किया है। उन्होंने रविवार को कहा कि ईशान किशन और अभिषेक शर्मा जैसे शीर्ष क्रम के खिलाड़ियों को असमान उछाल वाली पिचों पर भी बल्ले से अपनी आक्रामकता पर अंकुश नहीं लगाना चाहिए। टूर्नामेंट के पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ शुरू से ही आक्रामक खेलते हुए बाद भारत का स्कोर छह विकेट पर 77 रन हो गया था, जिसके बाद टीम ने वापसी करते हुए एक प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया।

व्यापार/लाइफ व साइंस

आगामी आईपीओ को लेकर एनएसई बोर्ड की बैठक

एनएसई ने आईपीओ नियमों और निगरानी व्यवस्था को किया मजबूत

रांची । एनएसई ने अपने आईपीओ से जुड़े नियम और निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया है। इसके लिए एक विशेष आईपीओ समिति को दोबारा गठित किया गया है, जो लिस्टिंग की पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी और उसकी निगरानी करेगी।

पुनर्गठित आईपीओ समिति की संरचना इस प्रकार है

- **तबलेश पांडेय – चेयरपर्सन (नॉन इंडिपेंडेंट डायरेक्टर)**
- **श्रीनिवास इंजेती – मेंबर (पब्लिक इंटरेस्ट डायरेक्टर)**
- **प्रो. (डॉ.) ममता बिस्वाल – मेंबर (पब्लिक इंटरेस्ट डायरेक्टर)**
- **न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) श्रीमती अभिलाषा कुमारी – मेंबर (पब्लिक इंटरेस्ट डायरेक्टर)**
- **प्रो. जी. शिवकुमार – मेंबर (पब्लिक इंटरेस्ट डायरेक्टर)**
- **आशीष कुमार चौहान – मेंबर (मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ)**

एनएसई के बोर्ड ने नियामकीय मंजूरी के अधीन एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी की स्थापना को मंजूरी दी है, जिसके माध्यम से एक कोयला एक्सचेंज स्थापित किया जाएगा। प्रस्तावित सहायक कंपनी का नाम नेशनल कोल एक्सचेंज / भारत कोल एक्सचेंज / इंडिया कोल एक्सचेंज हो सकता है, जिसे मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स द्वारा स्वीकृति दी गई है। इस कंपनी का गठन कोयला मंत्रालय द्वारा जारी प्रस्तावित कोल रेगुलेशंस, 2025 के अनुरूप किया जाएगा। एनएसई ने प्रस्तावित कोयला एक्सचेंज की सहायक कंपनी में 100 करोड़ तक की पूंजी निवेश को मंजूरी दी है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के डिटेल्स व महंगाई के आंकड़े तय करेंगे बाजार की दिशा

मुंबई । आने वाला हफ्ता शेयर बाजार के लिए काफी अहम रहने वाला है। इसमें देश और दुनिया से जुड़े कई बड़े फैक्टर

सामने आएंगे, जिनमें नए बेस ईयर (2024) के साथ महंगाई के आंकड़े और भारत-अमेरिका ट्रेड डील से जुड़ी नई जानकारियां शामिल हैं। भारत में निवेशक 12 फरवरी को आने वाले खुदरा महंगाई (रिटेल इंफ्लेशन) के आंकड़ों पर नजर रखेंगे, जो नए बेस ईयर के साथ जारी होंगे। इसके बाद 13 फरवरी को थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) और विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) के आंकड़े आएंगे। इससे महंगाई और देश की बाहरी आर्थिक स्थिति का अंदाजा लगेगा। विश्लेषकों के मुताबिक, भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील के ढांचे से जुड़ी और जानकारी भी बाजार के लिए अहम रहेगी। विशेषज्ञों ने बताया कि इस दौरान कई कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं, जिससे कुछ खास शेयरों में तेज हलचल देखने को मिल सकती है। दुनिया भर के निवेशक अमेरिका से आने वाले आर्थिक आंकड़ों और हाल ही में गिरावट झेल चुके नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स के प्रदर्शन पर नजर रखेंगे। साथ ही, अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत समेत वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाएं भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर अमेरिका-ईरान बातचीत में कोई रुकावट आती है, तो वैश्विक वित्तीय और कमोडिटी बाजारों में तेज उतार-चढ़ाव हो सकता है। इससे अमेरिका के सैन्य हस्तक्षेप और मिडिल ईस्ट में बड़े संघर्ष का खतरा बढ़ सकता है।

भारत का लक्ष्य 1,000 क्यूबिट्स व 2,000 किमी का क्वांटम कम्युनिकेशन नेटवर्क स्थापित करना : डॉ. जितेंद्र सिंह

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि भारत अब उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जिनके पास नेशनल क्वांटम मिशन है, जिसका लक्ष्य 1,000 क्यूबिट्स वाला क्वांटम कंप्यूटर और 2,000 किलोमीटर का क्वांटम कम्युनिकेशन नेटवर्क स्थापित करना है, जिससे रक्षा, साइबर सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा बदलाव आएगा। इस मिशन के लिए लगभग 6,000 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। यह मिशन देश के 17

राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित 43 संस्थानों में लागू किया जा रहा है। इसे चार मुख्य क्षेत्रों में बांटा गया है-क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम कम्युनिकेशन, क्वांटम सेंसिंग और मेट्रोलॉजी, और क्वांटम मैटेरियल्स व डिवाइसेज। आंध्र प्रदेश में 'अमरावती क्वांटम वैली' के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस मिशन के तहत अगले 8 वर्षों में 1,000 फिजिकल क्यूबिट्स वाला क्वांटम कंप्यूटर विकसित करने, सुरक्षित क्वांटम कम्युनिकेशन नेटवर्क स्थापित करने, लंबी दूरी के क्वांटम संचार को सक्षम बनाने और 2,000 किमी तक शहरों के बीच सुरक्षित क्वांटम के डिस्ट्रीब्यूशन का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री ने कहा कि क्वांटम तकनीक अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि रणनीतिक जरूरत बन चुकी है।

नए इनकम टैक्स नियमों और फॉर्म्स पर सरकार ने लोगों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने आयकर अधिनियम 2025 के तहत बनने वाले नए नियमों और फॉर्म्स पर लोगों से सुझाव मांगे हैं। ये नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे। वित्त मंत्रालय ने रविवार को जानकारी दी कि इनकम टैक्स नियमों और फॉर्म्स को अंतिम रूप देने से पहले ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए इनके प्रस्तावित ड्राफ्ट को आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। सीबीडीटी (केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड) ने कहा कि इनकम टैक्स नियम और फॉर्म्स को इनकम टैक्स एक्ट 2025 के प्रावधानों के अनुसार तैयार किया गया है, जिसमें पहले से कई स्तर पर सलाह-मशविरा किया गया है।

एफटीए से निवेश, व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली । पीएम के आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा कि भारत हमेशा देश के लिए सबसे सस्ते संसाधन हासिल करने पर ध्यान देगा। जब उनसे पूछा गया कि भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का भारत की तेल खरीद नीति पर क्या असर होगा, तो उन्होंने यह बात कही। संजीव सान्याल ने कहा कि हमेशा से हमारी यही प्राथमिकता रही है कि हम भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सस्ते संसाधनों की तलाश करें, और हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में भी दुनिया के प्रति हमारा यही दृष्टिकोण रहेगा।

मेदिनीनगर शहर में जाम की समस्या बनी गंभीर

रेड़मा चौक से बस स्टैंड रोड तक रोजाना जाम, आमजन परेशान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर शहर में इन दिनों यातायात जाम की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर लगने वाले जाम से आम नागरिकों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। रेड़मा चौक, कचहरी चौक, सादिक चौक, बस स्टैंड रोड सहित कई व्यस्त इलाकों में दिनभर वाहनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। जाम की वजह से लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी समय लग रहा है, जिससे कामकाज, पढ़ाई और जरूरी सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सुबह और शाम के समय स्थिति और भी भयावह हो जाती है। स्कूल जाने वाले बच्चों, कार्यालय कर्मियों, मरीजों और व्यापारियों को जाम में फंसकर घंटों इंतजार करना पड़ता है। कई बार एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहन भी जाम में फंस जाते हैं, जिससे लोगों की चिंता और बढ़ जाती है।

शहर के चौक-चौराहों पर यातायात पुलिस की तैनाती तो नजर आती है, लेकिन जाम नियंत्रण के प्रयास लोगों को संतोषजनक नहीं लग रहे हैं। पुलिसकर्मी कई स्थानों पर खड़े रहते हैं, लेकिन वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग, ठेला-खोमचा और सड़क किनारे अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह सुचारू नहीं हो पा रही है। इसके अलावा ट्रैफिक सिग्नल और सीसीटीवी कैमरों का प्रभावी उपयोग भी जाम कम करने में नाकाफी साबित हो रहा है।

नागरिकों का कहना है कि शहर में वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन सड़कों की चौड़ाई और यातायात प्रबंधन उसी अनुपात में विकसित नहीं हो पाया है। कई जगहों पर सड़क किनारे वाहन खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे सड़क संकरी हो जाती है और जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

आम लोगों ने जिला प्रशासन और नगर निगम से मांग की है कि जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए ठोस और त्वरित कदम उठाए जाएं। यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने, अवैध पार्किंग पर सख्त कार्रवाई करने, अतिक्रमण हटाने और ट्रैफिक पुलिस की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी उपाय नहीं किए गए, तो आने वाले दिनों में शहर की यातायात समस्या और भी विकराल रूप ले सकती है।

पांकी में अवैध अफीम/पोस्ता खेती पर बड़ी कार्रवाई, पांच एकड़ फसल नष्ट

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम आबून एवं बिक्रा के जंगली इलाकों में वन भूमि एवं गैर मजरूआ भूमि पर अवैध रूप से की जा रही अफीम/पोस्ता की खेती के विरुद्ध प्रशासन द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई। इस अभियान के दौरान वन भूमि में लगभग दो एकड़ तथा गैर मजरूआ भूमि में करीब तीन एकड़, कुल मिलाकर लगभग पांच एकड़ क्षेत्र में अवैध रूप से लगी अफीम/पोस्ता की फसल को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया।

यह विनष्टीकरण अभियान पांकी थाना के पदाधिकारियों, ताल पुलिस पिकेट के पदाधिकारियों, पांकी थाना एवं ताल पिकेट के पुलिस बल तथा वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा चलाया गया। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र की गहन जांच कर अवैध फसलों को चिन्हित कर नष्ट किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि इस अवैध अफीम/पोस्ता की खेती में संलिप्त लोगों की पहचान की जा रही है। नाम-पता सत्यापन के बाद वन विभाग द्वारा वन अधिनियम के तहत वन वाद दर्ज कर विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध मादक पदार्थों की खेती एवं तस्करी के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

भाजपा उम्मीदवार अरुणा शंकर को मिला लोजपा का समर्थन

- विधायक डॉ. प्रकाश चंद्र और लोजपा जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने किया समर्थन का ऐलान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम चुनाव की सरगर्मी के बीच भारतीय जनता पार्टी समर्थित उम्मीदवार अरुणा शंकर के पक्ष में समर्थन लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में दाऊदनगर विधानसभा के विधायक डॉ. प्रकाश चंद्र एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पलामू जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने औपचारिक रूप से अरुणा शंकर को अपना समर्थन देने की घोषणा की।

समर्थन की घोषणा करते हुए विधायक डॉ. प्रकाश चंद्र ने कहा कि मेदिनीनगर के सर्वांगीण विकास के लिए एक दूरदर्शी और मजबूत नेतृत्व की आवश्यकता है, जो अरुणा शंकर के रूप में नगर को मिल रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर चुनाव में जीत सुनिश्चित करने की अपील की।

वहीं लोजपा जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार तथा स्थानीय विकास की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने अरुणा शंकर को पूर्ण समर्थन देने का निर्णय लिया है।

केचकी संगम पर तीन दिन चलेगा पर्यटन व संस्कृति महोत्सव

पलामू–लातेहार सीमा क्षेत्र को मिलेगा नई पहचान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। कोयल और औरंगा नदियों के मिलन स्थल केचकी में जल्द ही एक भव्य सांस्कृतिक और पर्यटन महोत्सव आयोजित होने जा रहा है। यह आयोजन 27 फरवरी से 1 मार्च तक तीन दिनों तक चलेगा। झारखंड सरकार के पर्यटन विभाग की पहल पर होने वाले इस कार्यक्रम की जिम्मेदारी पलामू टाइगर रिजर्व प्रबंधन को सौंपी गई है।केचकी क्षेत्र भौगोलिक और पर्यटन दोनों दृष्टि से काफी अहम माना जाता है। यह स्थान पलामू और लातेहार जिलों की सीमा पर स्थित है और यहीं से पलामू टाइगर रिजर्व के अंदर जाने वाले पर्यटन मार्ग की शुरुआत होती है। आसपास का प्राकृतिक वातावरण पर्यटकों को आकर्षित करता है।राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने इस महोत्सव को सरकारी स्तर का आयोजन घोषित करने की मांग उठाई है। उन्होंने पर्यटन विभाग के मंत्री को पत्र भेजकर कहा है कि यदि इसे राजकीय महोत्सव का दर्जा दिया जाता है, तो आयोजन से जुड़ा पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। केचकी के समीप ही प्रसिद्ध बेतला नेशनल पार्क स्थित है, जहां सर्दियों के मौसम में बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। खासकर जनवरी से मार्च के बीच इस क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही काफी बढ़ जाती है। इनमें पश्चिम बंगाल से आने वाले पर्यटकों की संख्या सबसे अधिक रहती है।इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए महोत्सव की योजना बनाई गई है। आयोजन के दौरान झारखंड की पारंपरिक लोक संस्कृति, नृत्य, संगीत और कला को मंच मिलेगा। साथ ही पर्यटकों को वन्य जीवों, जंगल संरक्षण और जैव विविधता के महत्व की जानकारी भी दी जाएगी। पलामू टाइगर रिजर्व के अधिकारियों ने बताया कि यह महोत्सव न सिर्फ पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार और अपनी संस्कृति को प्रदर्शित करने का अवसर भी प्रदान करेगा। यह आयोजन क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नगर इकाई ने भाजपा महापौर प्रत्याशी को दिया समर्थन

नगर विकास व सुशासन को लेकर लिया गया निर्णय :

मेदिनीनगर। जनता दल यूनाइटेड की मेदिनीनगर नगर इकाई द्वारा मेदिनीनगर नगर निगम के महापौर पद हेतु भारतीय जनता पार्टी की घोषित प्रत्याशी को औपचारिक समर्थन प्रदान किया गया। इस अवसर पर पार्टी की ओर से जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में समर्थन पत्र समर्पित किया गया। नगर अध्यक्ष पीयूष प्रभाकर ने बताया कि नगर के समग्र विकास, बेहतर आधारभूत संरचना, पारदर्शी प्रशासन एवं जनसेवा को प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि मेदिनीनगर के विकास को नई दिशा देने के लिए सभी सहयोगी दलों एवं जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय आवश्यक है। जनता दल यूनाइटेड की नगर इकाई महापौर प्रत्याशी के समर्थन में सक्रिय भूमिका निभाएगी और जनहित से जुड़े मुद्दों पर मजबूती से साथ खड़ी रहेगी। इस मौके पर जिला अध्यक्ष मनोज दुबे, अवध किशोर सिंह, सदर प्रखंड अध्यक्ष प्रवीण तिवारी, चैनपुर प्रखंड अध्यक्ष दीप नारायण दुबे, अरविंद पांडे, धनंजय कुमार, पंकज दुबे, संतोष पांडे, प्रभात कुमार, रोहित मेहता, देवेंद्र प्रसाद, राजपति प्रजापति, राजेंद्र कुमार रवि सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

गिद्धौर में जंगली हाथी का आतंक, तीन दिनों से फसलें बर्बाद

- ग्रामीण दहशत में, वन विभाग ने सतर्क रहने की अपील की

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर (चतरा)। गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र में बीते तीन दिनों से एक जंगली हाथी लगातार उत्पात मचा रहा है। जंगल से सटे गांवों में हाथी के पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। जंगली हाथी शनिवार की रात कौलेश्वरी मंदिर परिसर स्थित जंगल से निकलकर पेक्सा एवं डगडगवा गांव के आसपास पहुंचा, जहां उसने खेतों में लगी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया। रविवार की सुबह हाथी पुनः कौलेश्वरी मंदिर परिसर की ओर पहुंचा और चंद्रशेखर दांगी के केले के पेड़ों को नष्ट कर दिया। इसके अलावा पिरथातरी गांव में संजय दांगी के केले के पेड़ तथा गेहूं की फसल को भी नुकसान पहुंचाया गया। पूरी रात वन विभाग के वनरक्षी निशांत कुमार एवं ग्रामीण मिलकर हाथी को भगाने के प्रयास में जुटे रहे।

पटाखे, लुका एवं शोर-शराबे के बावजूद हाथी टस से मस नहीं हुआ। ग्रामीणों ने बताया कि शाम ढलते ही लोग अपने-अपने गांव के समीप एकजुट होकर हाथी को खदेड़ने का प्रयास करते हैं, लेकिन अंधेरे में हाथी की तेज रफ्तार के कारण काफी परेशानी होती है। हालांकि अब तक किसी प्रकार की जानमाल की क्षति नहीं हुई है। वन विभाग ने ग्रामीणों से रात के समय सतर्क रहने और हाथी दिखने पर तुरंत सूचना देने की अपील की है।

एनएलसी कोल परियोजना का ग्रामीणों ने किया विरोध

बगैर ग्राम सभा की सहमति कंपनी का प्रवेश वर्जित, उपायुक्त से मिलने का निर्णय

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। प्रखंड क्षेत्र के धांधू पंचायत अंतर्गत भैसादोन मकईयाटाड़ स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में रविवार को ग्राम प्रधान विहारी यादव के नेतृत्व में पंचायत स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक एनएलसी कंपनी की धांधू नॉर्थ कोल परियोजना के सेक्शन-9 के तहत भूमि खरीद–बिक्री व हस्तांतरण पर रोक से प्रभावित ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर बुलाई गई थी। बैठक में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि परियोजना क्षेत्र में बिना ग्राम सभा की पूर्व स्वीकृति जंगल की कटाई, रास्ता निर्माण एवं अन्य गतिविधियां कराई जा रही हैं, जो पूरी तरह अवैध और असंवैधानिक है। ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि ग्राम सभा की अनुमति के बिना किसी भी कंपनी को गांव में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। बैठक में पंचायत एवं आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में महिला-पुरुष ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने अपने-अपने विचार रखते हुए कंपनी के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने कहा कि ग्राम सभा की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही उपायुक्त, लातेहार से मिलकर ज्ञापन सौंपेगा। साथ ही मांग पत्र की प्रतिलिपि राज्यपाल को भी भेजी जाएगी, ताकि ग्राम सभा की सहमति के बिना चल रहे सभी कार्यों पर तत्काल रोक लगाई जा सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि कंपनी द्वारा ग्राम सभा के अधिकारों का उल्लंघन जारी रहा तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और कंपनी की होगी।

मेदिनीनगर में सुबह-शाम ठंड का असर बरकरार

दिन में हल्की गर्मी, लेकिन सुबह और रात में सतर्कता जरूरी

- न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस व अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर में मौसम का मिजाज इन दिनों बदला-बदला नजर आ रहा है। दिन के समय हल्की गर्मी महसूस की जा रही है, लेकिन सुबह और शाम के वक्त ठंड का असर अभी भी बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस रहा। तापमान में इस बड़े अंतर के कारण लोगों को खासकर सुबह और शाम के समय ठंड का सामना करना पड़ रहा है। सुबह के समय वातावरण में नमी अधिक देखी जा रही है। आंकड़ों के अनुसार सुबह की आर्द्रता 88 प्रतिशत रही, जिससे ठंड के साथ हल्की ठिठुरन महसूस हुई। वहीं शाम के समय आर्द्रता घटकर 44 प्रतिशत रह गई, लेकिन सूर्य ढलते ही ठंडी हवाओं के कारण तापमान तेजी से गिरने लगता है। बीते 24 घंटों में जिले में किसी प्रकार की वर्षा दर्ज नहीं की गई है।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के मौसम में लापरवाही स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है। सुबह-शाम ठंड और दिन में गर्मी के कारण सर्दी-खांसी, बुखार, गले में खराश और वायरल संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। खासकर बच्चे, बुजुर्ग और पहले से बीमार लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

डॉक्टरों की सलाह है कि सुबह और रात के समय हल्के गर्म कपड़े जरूर पहनें और खुले में ठंडी हवा से बचें। सुबह टहलने निकलने वाले लोग ऊनी कपड़ों का उपयोग करें। वहीं दिन में धूप निकलने पर जरूरत से ज्यादा गर्म कपड़े पहनने से परहेज करें, ताकि शरीर के तापमान में अचानक बदलाव न हो। इसके अलावा खान-पान में भी सावधानी जरूरी है। ठंडी चीजों से बचें और गर्म, पौष्टिक भोजन का सेवन करें। पर्याप्त मात्रा में गुनगुना पानी पीना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में सुबह-शाम की ठंड अभी बनी रह सकती है, इसलिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

वार्ड 28 के विकास को लेकर मोहम्मद हसनैन खान ने रखी अपनी प्राथमिकताएं

- बुनियादी सुविधाओं के सशक्तिकरण पर दिया जोर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर नगर निगम के वार्ड संख्या 28 (पुराना गढ़वा रोड) से वार्ड पार्षद पद के प्रत्याशी मोहम्मद हसनैन खान ने वार्ड के समग्र विकास को लेकर अपनी प्राथमिकताओं को साझा किया। उन्होंने कहा कि वार्ड में पेयजल, सड़क, नाली, गली, शिक्षा और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना उनकी प्रमुख प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें जनसेवा का अवसर मिलता है, तो वे सभी वर्गों की समस्याओं को नगर निगम के समक्ष गंभीरता से उठाएंगे और समाधान के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। इस अवसर पर वार्ड के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संघ की बैठक में जिला कमेटी का विस्तार

मेदिनीनगर। आकलन पास सह प्रशिक्षित शिक्षक संघ की बैठक रविवार को कचहरी परिसर में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में ऋषिकांत तिवारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिला कमेटी में फेरबदल के साथ-साथ विस्तार पर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से ब्रजकिशोर तिवारी को जिलाध्यक्ष, विनीत कुमार दुबे को मीडिया प्रभारी, विवेकानंद शर्मा को जिला सचिव तथा सुनील कुमार सिंह को जिला सह सचिव मनोनीत किया गया। वहीं आशीष रंजन को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष आशीष रंजन ने कहा कि जिला कमेटी के विस्तार से संगठन को नई मजबूती मिलेगी और शिक्षकों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकेगा।

नगर परिषद (आम) निर्वाचन 2026 को लेकर प्रेक्षकों की बैठक संपन्न

नियमों के पालन का निर्देश, दो वार्डों में निर्विरोध निर्वाचन, अध्यक्ष पद पर 22 प्रत्याशी मैदान में

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। नगर परिषद (आम) निर्वाचन 2026 के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में प्रतीक आवंटन (सिंबल अलॉटमेंट) के पश्चात सामान्य प्रेक्षक सुधीर दास एवं व्यय प्रेक्षक द्वारा नगर परिषद अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद पद के सभी प्रत्याशियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी निर्वाची पदाधिकारी, सहायक निर्वाची पदाधिकारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान प्रेक्षकों ने प्रत्याशियों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों, आदर्श आचार संहिता, व्यय सीमा, पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया तथा शांतिपूर्ण मतदान से संबंधित आवश्यक जानकारियां दीं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि चुनाव के दौरान सभी नियमों का अक्षरशः पालन किया जाए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता से बचा जाए। नगर परिषद (आम) निर्वाचन 2026 के अंतर्गत नाम-निर्देशन, संवीक्षा एवं नाम वापसी की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद निर्वाचन की स्थिति स्पष्ट हो गई है। नगर परिषद क्षेत्र के कुल 22 वार्डों में वार्ड पार्षद पद हेतु नामांकन दाखिल किए गए थे। संवीक्षा एवं नाम वापसी के उपरांत कुल 84 प्रत्याशी वैध रूप से शेष रहे। नाम वापसी के पश्चात वार्ड संख्या 11 से वेदवती जायसवाल एवं वार्ड संख्या 13 से माया देवी के विरुद्ध कोई अन्य प्रत्याशी शेष नहीं रहने के कारण दोनों प्रत्याशियों का निर्विरोध निर्वाचन घोषित कर दिया गया। इस प्रकार नगर परिषद क्षेत्र के दो वार्डों में मतदान के बिना ही निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हो गई।

शेष 20 वार्डों में वार्ड पार्षद पद के लिए कुल 82 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिनके बीच मतदान के माध्यम से निर्वाचन कराया जाएगा। वहीं नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए कुल 22 प्रत्याशियों के नाम-निर्देशन पत्र वैध पाए गए हैं। नाम वापसी की अंतिम तिथि तक किसी भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया, जिससे अध्यक्ष पद पर सीधा एवं बहुकोणीय मुकाबला तय हो गया है।

नगर परिषद क्षेत्र में कुल 35,562 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 17,525 पुरुष एवं 18,037 महिला मतदाता शामिल हैं। निर्वाचन के सफल संचालन के लिए 22 वार्डों में कुल 42 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जो 26 मतदान केंद्र भवनों में संचालित होंगे।निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 7 फरवरी 2026 को निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन पूर्ण कर लिया गया है। मतदान 23 फरवरी 2026 को होगा, जबकि मतगणना 27 फरवरी 2026 को संपन्न कराई जाएगी। नगर परिषद अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों का निर्वाचन गैर-दलीय आधार पर प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली से कराया जाएगा।

जिला प्रशासन ने सभी प्रत्याशियों एवं मतदाताओं से अपील की है कि निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में प्रशासन का सहयोग करें।

पेज एक के शेष

1 करोड़ से...

इससे स्कूलों में बच्चों के बायोमेट्रिक अपडेट की स्थिति आसानी से पता चलने लगी और जिन बच्चों का अपडेट बाकी था, उनकी पहचान की जा सकी। इस तकनीकी सुविधा की मदद से यूआईडीएआई और स्कूलों ने मिलकर उन बच्चों की पहचान की, जिनका एमबीयू जरूरी था। इसके बाद स्कूलों में विशेष कैंप लगाए गए, जहां बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट पूरा किया गया। 5 साल से कम उम्र के बच्चे का आधार बनवाते समय केवल फोटो, नाम, जन्मतिथि, लिंग, पता और जन्म प्रमाण पत्र लिया जाता है। इस उम्र में बच्चों की उंगलियों के निशान और आंखों की पुतली (आइरिस) पूरी तरह विकसित नहीं होती, इसलिए इन्हें रिकॉर्ड नहीं किया जाता। जब बच्चा 5 साल और 15 साल की उम्र पार कर लेता है, तब आधार में फिंगरप्रिंट और आइरिस अपडेट कराना जरूरी होता है। अगर ऐसा नहीं किया गया, तो सरकारी योजनाओं का लाभ लेने या एनईईटी, जेईई, सीयूईटी जैसी परीक्षाओं में रजिस्ट्रेशन के समय परेशानी हो सकती है। यूआईडीएआई के सीईओ भुवनेश कुमार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर इस अभियान की जानकारी दी और स्कूलों में एमबीयू कैंप लगाने के लिए सहयोग मांगा। देशभर में स्थित यूआईडीएआई के 8 क्षेत्रीय कार्यालयों ने पिछले 5 महीनों में शिक्षा विभाग, जिला प्रशासन, स्कूल प्रबंधन और यूआईडीएआई रजिस्ट्रार के साथ मिलकर यह बड़ा अभियान पूरा किया है। यह मिशन-मोड अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक देश के सभी विद्यालयों को इसमें कवर नहीं कर लिया जाता।

7 से 15 साल के बच्चों के लिए 1 अक्टूबर 2026 तक शुल्क माफ : बच्चों को बायोमेट्रिक अपडेट के लिए प्रेरित करने के लिए यूआईडीएआई ने 7 से 15 साल के बच्चों के लिए 1 अक्टूबर 2025 से एक साल तक शुल्क माफ कर दिया था। इसके अलावा, 5-7 साल और 15-17 साल के बच्चों के लिए एमबीयू पहले से ही निःशुल्क है। स्कूलों के अलावा बच्चे देश भर के आधार नामांकन केंद्रों और आधार सेवा केंद्रों पर जाकर भी अपना एमबीयू करा सकते हैं। इस दौरान लगभग 1.3 करोड़ बायोमेट्रिक अपडेट ऐसे केंद्रों पर पूरे किए गए।

बारात से लौटते...

वहीं मदेश कुमार, अभय राम, राहुल कुमार एवं आर्यन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को आनन-फानन में चतरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही इटखोरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया हादसे का कारण चालक को झपकी आना या तेज रफ्तार माना जा रहा है। घटना के बाद सिरमतपुर गांव में शोक का माहौल है।

सीमेंट लदा हाइवा...

हालांकि इस दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। वाहन में सवार चालक और उपचालक बाल-बाल बच गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से प्राथमिक उपचार कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग पर भारी वाहनों का आवागमन अधिक होने के कारण आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

धनबाद में लोन...

रकम नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी गई थी। डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। अमित के मोबाइल फोन की लोकेशन ट्रेस की गई और इसके आधार पर जांच का दायरा गोविंदपुर और सरायढेला थाना क्षेत्र तक पहुंचा। इसी क्रम में सूर्य हाइलैंड सिटी इलाके में मोबाइल की गतिविधि लंबे समय तक पाई गई। पुलिस ने सरायढेला थाना प्रभारी मनोज पांडेय के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर इलाके में छापेमारी की। पूछताछ के दौरान विकास खंडेलवाल को हिरासत में लिया गया। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने अमित की हत्या करने की बात कबूल कर ली, जिसके बाद उसकी निशानदेही पर शव की बरामदगी हुई। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी विकास खंडेलवाल और अमित कुमार के बीच करीब एक करोड़ रुपए के लोन सेटलमेंट को लेकर विवाद चल रहा था। पुलिस का कहना है कि इसी विवाद के चलते अमित की हत्या की गई। परिजनों के अनुसार, अमित विगत शुक्रवार को दिन में करीब 11:00 बजे घर से निकले थे। उन्होंने बताया था कि उन्हें दूर जाना है तथा लौटने में देर हो सकती है। दोपहर करीब दो बजे से उनका मोबाइल फोन बंद आने लगा, जिससे परिवार को चिंता हुई। इसके बाद फिरौती का कॉल आने पर परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। साथ ही, इस हत्याकांड से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इस अपराध में कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

स्वस्थ आदमी के मल से बनी दवा से कैंसर मरीजों का इलाज?

ब्यूरो

नई दिल्ली। लोग जब झगड़ा करते हैं तो कहते हैं तुमको मल खिला दूँगा। उनको नहीं पता कि औघड़ क्या करते हैं। यह भी नहीं पता कि स्वस्थ्य गट बैक्टीरिया वाले व्यक्ति के मल को प्रासेस करके त्वचा कैंसर से पीड़ित व्यक्ति को देकर उपचार किया जाने का प्रयोग हो रहा है वैज्ञानिकों ने इंसानों के मल (फीकल मैटर) में मौजूद उपयोगी बैक्टीरिया से ऐसी दवा विकसित की है, जो कैंसर के इलाज में सहायक साबित हो सकती है। यह दवा सीधे तौर पर कैंसर को "खत्म" नहीं करती, लेकिन इम्यूनोथेरेपी जैसे आधुनिक उपचारों की असरदार क्षमता को कई गुना बढ़ाने में मदद कर रही है। क्योंकि इंसानी शरीर में मौजूद अरबों सूक्ष्म जीवों को गट माइक्रोबायोम कहा जाता है। इनमें से कई बैक्टीरिया हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया कि कुछ कैंसर मरीजों में इम्यूनोथेरेपी दवाएं इसलिए असर नहीं करतीं, क्योंकि उनके पेट के माइक्रोबायोम का संतुलन बिगड़ा हुआ होता है। यहीं से इंसानी मल से बनी दवा का विचार सामने आया। इस तकनीक को वैज्ञानिक भाषा में फीकल माइक्रोबायोटा ट्रांसप्लांट या माइक्रोबायोम-आधारित थेरेपी कहा जाता है। इसमें पूरी तरह स्वस्थ व्यक्ति के मल से उपयोगी बैक्टीरिया को शुद्ध कर कैप्सूल या दवा के रूप में तैयार किया जाता है। फिर इसे कैंसर मरीज को दिया जाता है, ताकि उसके पेट में "अच्छे बैक्टीरिया" दोबारा सक्रिय हो

सकें।अध्ययनों में पाया गया कि जिन मरीजों को यह माइक्रोबायोम दवा दी गई, उनमें शरीर की इम्यून सेल्स ने कैंसर कोशिकाओं पर ज्यादा प्रभावी ढंग से हमला किया।

खासकर मेलेनोमा (त्वचा कैंसर), फेफड़ों और आंत से जुड़े कैंसर के मामलों में सकारात्मक नतीजे दिखे हैं।वैज्ञानिक परीक्षणों के अनुसार, इम्यूनोथेरेपी पर प्रतिक्रिया न देने वाले करीब 30–40 % मरीजों में माइक्रोबायोम दवाई देने के बाद इलाज का असर दिखा। कुछ मामलों में ट्यूमर का आकार छोटा हुआ, जबकि कई मरीजों में बीमारी की गति धीमी पड़ी। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह इलाज अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन परिणाम उत्साहजनक हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठनों के आंकड़ों के मुताबिक, हर साल दुनिया भर में लगभग 1 करोड़ लोगों की मौत कैंसर से होती है। भारत में भी कैंसर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।ऐसे में माइक्रोबायोम आधारित दवा को कैंसर उपचार की दिशा में एक "गेम चेंजर" माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह दवा केवल सख्त जांच के बाद तैयार की जाती है। मल देने वाले व्यक्ति की पूरी मेडिकल स्क्रीनिंग होती है, ताकि किसी तरह का संक्रमण या वायरस मरीज तक न पहुंचे। दवा को सीधे मल के रूप में नहीं, बल्कि वैज्ञानिक प्रक्रिया से गुजार कर तैयार किया जाता है, जिससे यह सुरक्षित हो सके। हालांकि डॉक्टर यह भी साफ कर रहे हैं कि यह इलाज अभी प्रयोगात्मक चरण में है। इसे पारंपरिक कीमोथेरेपी या सर्जरी का विकल्प नहीं, बल्कि सहायक उपचार के रूप में देखा जा रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले वर्षों में "एक ही इलाज सबके लिए" की जगह पर्सनलाइज्ड माइक्रोबायोम मेडिसिन का दौर आएगा। यानी मरीज के शरीर के बैक्टीरिया को समझ कर उसी हिसाब से दवा तैयार की जाएगी।

सीवेज से सिंचित खेतों में घटे लाभकारी सूक्ष्मजीव, थाली तक पहुंच रहा जहर

● भारी धातुओं से मिट्टी की सेहत पर खतरा, एएमयू शोध में बड़ा खुलासा

ब्यूरो

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में पानी की कमी के चलते खेतों में सीवेज (अपशिष्ट जल) से सिंचाई आम होती जा रही है। लेकिन यह सस्ता विकल्प अब मिट्टी, फसल और अंततः मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनता दिख रहा है। अलीगढ़ जिले में किए गए एक ताज़ा वैज्ञानिक अध्ययन में सामने आया है कि सीवेज से सिंचित खेतों की मिट्टी में लाभकारी सूक्ष्मजीवों की संख्या तेजी से घट रही है, जबकि मैंगनीज, तांबा, सीसा, जिंक और कैडमियम जैसी भारी धातुएं मिट्टी में खतरनाक स्तर तक जमा हो रही हैं।

यह महत्वपूर्ण शोध अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के जंतु विज्ञान विभाग के प्राध्यापक प्रो. वसीम अहमद के मार्गदर्शन में शोधार्थी मोहम्मद फुतैनी सलीम अहमद ने किया है, जिसे अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका 'स्वाइल इकोलॉजी लेटर्स' में प्रकाशित किया गया है। अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि यदि समय रहते सीवेज सिंचाई और अपशिष्ट प्रबंधन पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो इसके दुष्परिणाम लंबे समय तक बने रहेंगे।

शोध के अनुसार, सामान्यतः एक ग्राम स्वस्थ और उपजाऊ मिट्टी में करीब एक अरब से 10 अरब तक सूक्ष्मजीव पाए जाते हैं। ये सूक्ष्मजीव—जैसे एजोस्पिरिलम, राइजोबियम, बैसिलस, माइकोराइज़ल कवक और एक्टिनोमाइसेट्स—नाइट्रोजन स्थिरीकरण, पोषक तत्वों के चक्रण और फसल वृद्धि में अहम भूमिका निभाते हैं।लेकिन सीवेज से सिंचित खेतों में इन लाभकारी सूक्ष्मजीवों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। भारी धातुओं की मौजूदगी ने इन संवेदनशील जीवों को सबसे अधिक प्रभावित किया है, जिससे मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता कमजोर हो रही है।अध्ययन में यह भी सामने आया कि प्रदूषण सहन करने वाले कुछ अवसरवादी सूक्ष्मजीव तेजी से बढ़े हैं। रैब्डिटिस, पैनाग्रोलाइमस, सेफालोबस और एप्हेलेनकस जैसी प्रजातियां भारी धातुओं वाले वातावरण में भी जीवित रह सकती हैं। सीवेज सिंचित खेतों में इनकी संख्या अधिक पाई गई, जो इस बात का संकेत है कि मिट्टी का पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, ये जीव बायो-इंडिकेटर के रूप में काम करते हैं और मिट्टी में बढ़ते प्रदूषण की चेतावनी देते हैं।

शोध में चेताया गया है कि यदि सीवेज सिंचाई लंबे समय तक जारी रही, तो मिट्टी में जमा भारी धातुएं धीरे-धीरे फसलों में प्रवेश कर सकती हैं। इसके बाद यही तत्व सब्जियों, अनाज और फलों के माध्यम से मानव शरीर तक पहुंच सकते हैं। कैडमियम और सीसा जैसी धातुएं लंबे समय में किडनी, लीवर और तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जबकि जिंक और तांबा सीमित मात्रा में आवश्यक होने के बावजूद अधिक मात्रा में विषैले साबित होते हैं। अध्ययन में मिट्टी की सेहत मापने वाले मैच्योरिटी इंडेक्स को भी परखा गया। यह सूचकांक सीवेज सिंचित खेतों में कम पाया गया, जो दर्शाता है कि मिट्टी की पारिस्थितिक स्थिरता कमजोर हो रही है। कुछ मामलों में जैव विविधता अधिक दिखी, लेकिन यह अस्थिर और अवसरवादी जीवों की वजह से थी, जो लंबे समय में नुकसानदायक साबित हो सकते हैं।प्रो. वसीम अहमद के अनुसार, "मिट्टी में रहने वाले सूक्ष्मजीव हमें चेतावनी दे रहे हैं। अगर समय रहते जल प्रदूषण पर लगाम नहीं लगी, तो इसका सीधा असर फसल उत्पादन, गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य पर पड़ेगा।" विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि भारी धातुओं के नियंत्रण के लिए प्रभावी अपशिष्ट जल प्रबंधन, सीवेज के उपचार (ट्रीटमेंट) और प्राकृतिक खेती व मिट्टी संरक्षण को बढ़ावा देना जरूरी है। स्पष्ट है कि सीवेज से सिंचाई का मौजूदा तरीका अगर बदला नहीं गया, तो आने वाले वर्षों में यह संकट खेतों से निकलकर सीधे आम आदमी की थाली तक पहुंच सकता है।

अफगानिस्तानः काबुल में सिलेंडर ब्लास्ट, आठ लोगों की हुई मौत

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक गैस सिलेंडर ब्लास्ट में आठ लोगों की मौत हो गई। गवर्नर ऑफिस ने शनिवार शाम को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। बयान के अनुसार, हादसा पुलिस डिस्ट्रिक्ट 21 में हुआ। यहां एक परिवार ठंड में अपने घर को गर्म करने के लिए गैस हीटर का इस्तेमाल कर रहा था। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इसी दौरान गैस लीक होने के कारण सिलेंडर फट गया, और लोग मारे गए। अफगानिस्तान के ज्यादातर घरों में, जहां आधुनिक हीटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है, लोग कड़ाके की ठंड में अपने घरों को गर्म करने के लिए गैस सिलेंडर या पारंपरिक चूल्हों पर निर्भर रहते हैं।

पाक सेना ने हिंसक झड़पों के बाद 180 बलूचों को हिरासत में लिया

क्वेटा। बलूच विद्रोहियों और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के बीच हुई जबरदस्त झड़पों के कुछ दिनों बाद, इस्लामाबाद में अधिकारियों ने बलूचिस्तान में बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की है। रविवार को स्थानीय मीडिया की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, कम से कम 180 लोगों को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बलूचिस्तान के कई शहरों में हुए हमलों के बाद फ्रंटियर कॉर्प्स और पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन के दौरान लगभग 180 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने इन ऑपरेशन के दौरान हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा भी बरामद किया।

अमेरिकी खेती पर खतरे का अलर्ट, किसान नेता बोले

बड़े संकट की ओर कृषि सेक्टर

एजेंसी । नई दिल्ली

अमेरिका में कृषि नेताओं और संगठनों ने कई चेतावनियां जारी करते हुए कहा है कि अगर मौजूदा प्रशासन की नीतियां जारी रहीं तो वे 'अमेरिकी कृषि के बड़े पैमाने पर पतन' का कारण बन सकती हैं। अमेरिका के प्रमुख कृषि संघों और अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) के 27 पूर्व नेताओं के एक गठबंधन ने हाल ही में अमेरिकी कांग्रेस को एक औपचारिक पत्र जारी किया। इस पत्र में कहा गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की अपनायी गयी नीतियों ने इस क्षेत्र को 'बहुत नुकसान' पहुंचाया है।

आधे ही फार्म कमा पाएंगे मुनाफा

उन्होंने आंकड़ों के हवाले से कहा कि इस साल सभी फार्मों में से मुश्किल से आधे ही फार्म मुनाफा कमा पाएंगे। उनकी यह बात अमेरिकन फार्म ब्यूरो फेडरेशन के डेटा से मेल खाती है। इस डेटा में भी पाया गया है कि अमेरिकी किसान पिछले तीन सालों में 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के नुकसान में है। इस खत में लिखा गया है कि खेती में इस्तेमाल की जाने वाली विभिन्न प्रकार की सामग्री(इनपुट) पर आयात शुल्क लगाया गया है।

इससे पहले भी दो बार दी गई थी चेतावनी

यह दो पिछली चेतावनियों के बाद आया है। पहली चेतावनी अक्टूबर 2025 में 215 से अधिक कृषि संगठनों का एक पत्र के जरिए दी गयी और बाद में इस साल 15 जनवरी को 56 कृषि समूहों का एक पत्र जारी किया गया। इनमें देश में बिगड़ती कृषि अर्थव्यवस्था के मुख्य कारणों के रूप में व्यापार संरक्षणवाद, श्रम की कमी और संघीय कर्मचारियों की छंटनी का हवाला दिया। कांग्रेस नेतृत्व को जनवरी के पत्र में चेतावनी दी गई थी कि बड़ी संख्या में किसान आर्थिक रूप से कर्ज में डूबे हुए हैं, फार्म दिवालियापन लगातार बढ़ रहा है, और कई किसानों को अपनी अगली फसल उगाने के लिए धन हासिल करने में कठिनाई हो सकती है। इसमें कहा गया है कि पिछले तीन से चार सालों में किसानों को 'पूरे देश में नकारात्मक लाभ और लगभग सौ बिलियन डॉलर का नुकसान' हो रहा था।

10 साल में 100 स्मार्ट शहरों का वादा और बने सिर्फ 31

तीन बार बढ़ी समयसीमा, 1.64 लाख करोड़ खर्च... फिर भी अधूरा रहा केंद्र का स्मार्ट सिटी मिशन

ब्यूरो

नई दिल्ली। देश के 100 शहरों को विश्व स्तरीय 'स्मार्ट सिटी' में बदलने का दावा कर 2016 में शुरू किया गया केंद्र सरकार का महत्वाकांक्षी स्मार्ट सिटी मिशन एक दशक बाद भी अपने मूल लक्ष्य से कोसों दूर दिखाई देता है। पाँच साल की समयसीमा के साथ शुरू हुई इस योजना को तीन बार बढ़ाया गया, इसके बावजूद 10 साल में सिर्फ 31 शहर ही पूरी तरह स्मार्ट सिटी बन पाए हैं। शेष शहरों में या तो काम अधूरा है या उन्हें 'स्मार्ट' कहलाने के लिए अब भी इंतजार करना होगा।यह जानकारी सूचना के अधिकार के तहत पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने दी है। मंत्रालय के मुताबिक, 100 में से 43 शहरों में परियोजनाएं लगभग पूरी हो चुकी हैं, जबकि 26 शहरों में अभी भी परियोजनाओं को पूरा होने में समय लगेगा।

तीन बार बढ़ी समयसीमा, फिर भी लक्ष्य अधूरा

स्मार्ट सिटी मिशन की शुरुआत जनवरी 2016 में पाँच साल के लिए की गई थी। बाद में सरकार ने इसकी समयसीमा पहले जून 2023, फिर 30 जून 2024 और अंततः 31 मार्च 2025 तक बढ़ाई। मंत्रालय द्वारा दिसंबर 2025 तक उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, करीब 59,385 करोड़ रुपयेखर्च कर अब तक केवल 31 शहरों को ही स्मार्ट सिटी घोषित

किया जा सका है।

100 शहर चुने गए, लेकिन पूरा शहर नहीं हुआ 'स्मार्ट'

आरटीआई से मिली जानकारी बताती है कि इस मिशन के तहत 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 100 शहरों को चार चरणों में चुना गया।

- **पहले चरण में (जनवरी 2016) 20 शहर,**
- **दूसरे चरण में (मई–सितंबर 2016) 40 शहर,**
- **तीसरे चरण में (जून 2017) 30 शहर और**
- **जनवरी 2018 तक 10 शहरों का चयन किया गया।**

योजना का उद्देश्य पूरे शहर का समग्र विकास नहीं, बल्कि क्षेत्र-आधारित विकास था। इसके तहत पुराने ढांचे को तोड़े बिना उन्हें आधुनिक मानकों के अनुरूप विकसित करना, पुनर्विकास करना और हरित क्षेत्रों को बढ़ावा देना शामिल था, ताकि यह मॉडल अन्य शहरों के लिए भी उदाहरण बन सके।

94 प्रतिशत परियोजनाएं पूरी, लेकिन सिर्फ 31 शहर स्मार्ट-

मंत्रालय के अनुसार, 24 जून 2025 तक स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 1.64 लाख करोड़ रुपये की लागत से 8067 परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं, जो कुल परियोजनाओं का करीब 94 प्रतिशत है। इसके बावजूद, पूरी तरह स्मार्ट सिटी का दर्जा अब तक महज 31 शहरों को ही मिला है। अब तक स्मार्ट घोषित किए गए शहरों में अगरतला, आगरा, अटल नगर, बरेली, भोपाल, चंडीगढ़, कोयंबटूर, दाहोद, इरोड, इंदौर, जबलपुर, झांसी, कोहिमा, मदुरै, मुरादाबाद, पटना, पुणे, राजकोट, रांची, सालेम, शिवमोगा, सोलापुर, सूरत, तूतूकोरिन, तिरुचिरापल्ली, तिरुनावेली, त्रिपुर, तुमकुरु, उदयपुर, वडोदरा और वाराणसी शामिल हैं।

इन शहरों पर खर्च हुए सबसे ज्यादा पैसे

मंत्रालय के मुताबिक, स्मार्ट सिटी बने 31 शहरों में इंदौर, त्रिपुर, सूरत, वाराणसी, भोपाल और राजकोट पर सबसे अधिक राशि खर्च की गई।

- **इंदौर में 3751 करोड़ रुपये से 231 परियोजनाएं,**
- **त्रिपुर में 2833 करोड़ रुपये से 28 परियोजनाएं,**
- **सूरत में 2694 करोड़ रुपये से 87 परियोजनाएं,**
- **वाराणसी में 3342 करोड़ रुपये से 117 परियोजनाएं,**
- **सालेम में 1861 करोड़ रुपये से 114 परियोजनाएं और**
- **शिवमोगा में 1381 करोड़ रुपये से 112 परियोजनाएं पूरी की गई हैं।**

कई शहर अब भी इंतजार में

मंत्रालय ने स्वीकार किया है कि पोर्ट ब्लेयर, काकीनाडा, तिरुपति, ईटानगर, बिहारशरीफ, श्रीनगर, रायपुर, नागपुर, लुधियाना, पुडुचेरी, फरीदाबाद, धर्मशाला, मंगलुरु, आइजोल और करीमनगर सहित कई शहरों में परियोजनाएं अब भी अधूरी हैं और इनके पूरा होने में समय लगेगा।दस साल का वक्त, लाखों करोड़ रुपये का खर्च और बार-बार बढ़ाई गई समय सीमा के बावजूद जब 100 शहरों में से सिर्फ 31 ही स्मार्ट बन पाए हैं, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या स्मार्ट सिटी मिशन अपने उद्देश्य में सफल रहा? आरटीआई के जरिए सामने आए ये आंकड़े सरकार के दावों और जमीनी हकीकत के बीच बढ़ती दूरी को उजागर करते हैं।

रूस में भारतीय छात्रों पर हमला

ऊफा स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी में हुई चाकूबाजी, 4 छात्र गंभीर रूप से घायल

मास्को। रूस के ऊफा स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में चाकूबाजी की वारदात हुई है। इस हमले में चार भारतीय छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बीच-बचाव के दौरान दो पुलिस अधिकारी भी घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक बश्कोर्तोस्तान रिपब्लिक की एक यूनिवर्सिटी में विदेशी छात्रों के हॉस्टल के स्पोर्ट्स हॉल में चाकू से हुए हमले की घटना हुई। इस हमले में चार भारतीय छात्रों समेत आठ लोग घायल हो गए हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक बीच-बचाव की कोशिश में दो पुलिस अधिकारी भी घायल हुए हैं।

पाक ने इलॉन मस्क की स्टारलिंक इंटरनेट सर्विस को लाइसेंस नहीं दिया

डेटा सिक्योरिटी को लेकर चिंता जताई

एजेंसी । नई दिल्ली

पाकिस्तान सरकार ने अरबपति इलॉन मस्क की स्टारलिंक को सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने का लाइसेंस फिलहाल नहीं दिया है। सरकार का कहना है कि डेटा सिक्योरिटी, निगरानी व्यवस्था और जियोपॉलिटिकल हालात को लेकर अभी चिंताएं बनी हुई हैं। द ट्रिब्यून एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने कहा है कि स्टारलिंक के जरिए भेजा जाने वाला डेटा पाकिस्तान की मौजूदा मॉनिटरिंग और रेगुलेटरी व्यवस्था को बायपास कर सकता है। इसी वजह से बिना पूरी सुरक्षा जांच के लाइसेंस देने से इनकार किया गया है।

सरकार को यह भी चिंता है कि सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं को जरूरत पड़ने पर ब्लॉक करना मुश्किल होगा, खासकर बलूचिस्तान जैसे संवेदनशील और दूरदराज इलाकों में। फिलहाल पांच कंपनियां पाकिस्तान में सैटेलाइट

इंटरनेट के लिए लाइसेंस चाहती हैं। पाकिस्तान स्पेस एक्टिविटीज रेगुलेटरी बोर्ड का कहना है कि स्टेकहोल्डर्स से बातचीत पूरी हो चुकी है, लेकिन सुरक्षा मैकेनिज्म तय होने में अभी और समय लगेगा।

खुद को खोना मंजूर नहीं...

वीर पहाड़िया से ब्रेकअप की खबरों पर बोलीं तारा सुतारिया

आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' की रिलीज के इंतजार के बीच अभिनेत्री तारा सुतारिया अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया गलियारों में चर्चा है कि तारा और उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया का ब्रेकअप हो गया है। हालांकि, दोनों ने अभी तक आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है, लेकिन लंबे समय से दोनों को साथ न देखे जाने के बाद इन अफवाहों ने जोर पकड़ लिया है। इस बीच, तारा ने एक इंटरव्यू में अपनी मानसिक शांति और आसपास की नेगेटिव एनर्जी से निपटने पर खुलकर बात की है।

ब्रेकअप की अटकलों पर तारा का रुख : एले इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में तारा ने अपनी निजी जिंदगी और करियर के बीच संतुलन बनाने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने अब 'अपनी शांति की रक्षा करना' सीख लिया है। तारा ने साफ किया कि उनके लिए सफलता का मतलब सिर्फ फिल्में नहीं हैं। तारा ने कहा, 'मैंने हमेशा माना है कि सफलता अंदर से आती है। मन की शांति और खुद को जानना ही मेरा लक्ष्य रहा है।